गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Saturday, 30 May, 2026 वर्ष 23 अंक 30, गुवाहाटी, शनिवार 30 मई, 2026, ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष-13 मूल्य : दस रुपये पेज-12

एक दिन भी अभ्यास नहीं करूं तो लगता है कि जिंदगी धीमी पड़ गयी : सूर्यवंशी-10

इम्तियाज अली ने दिया बड़ा हिंट मेरी नजर फिर आलिया भट्ट पर-12

सुप्रभातम्

कोई भी महान व्यक्ति अवसरों की कमी के बारे में शिकायत नहीं करता।

ग्वालपाड़ा में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन की मौत

ग्वालपाड़ा, 29 मई (भा)। ग्वालपाड़ा जिले में एक सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान संदिग्ध जहरीली गैस की चपेट में आने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। यह घटना अगिया पुलिस थाना क्षेत्र के गोराईमारी गांव में घटी, जहां एक व्यक्ति ने अपने घर के इस्तेमाल के लिए सेप्टिक टैंक का निर्माण कराया था। ग्वालपाड़ा पश्चिम सह-जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिलाष बरुवा ने बताया कि टैंक तीन महीने से अधिक समय से बंद था। राजमिस्त्री कृष्णा रॉय जैसे ही टैंक में उतरे, वह बेहोश हो गये। उन्हें बचाने के लिए सहायक दिलीप दास भी टैंक में उतरे और वह भी बेहोश हो गये। अधिकारी ने बताया कि घर के मालिक जोसाक राभा भी टैंक में उतरे और बेहोश हो गये। उन्होंने कहा कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गयी। एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर है। बरुवा ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

कछार जिले में 18 करोड़ के ड्रग्स जब्त

गुवाहाटी, 29 मई (भा)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज बताया कि कछार जिले से 18 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गय हैं। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में कछार पुलिस ने नाका जांच के दौरान एक वाहन को रोका और काला बाजार में 18 करोड़ रुपये मूल्य की 60,000 याबा गोलियां जब्त कीं। मादक पदार्थ माफिया भले ही नये-नये तरीके अपनाये, लेकिन असम पुलिस भी उनसे दो कदम आगे रहेगी। याबा गोलियों को क्रेजी ड्रग भी कहा जाता है, इसमें मेथम्फेटामाइन और कैफीन का मिश्रण होता है और यह भारत में प्रतिबंधित है।

बंगाल में बारिश से जुड़ी घटनाओं में सात की मौत

कोलकाता, 29 मई (भा)। पश्चिम बंगाल के छह जिलों में आज बारिश से संबंधित अलग-अलग घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गयी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज यहां यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं को बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करेगी।अधिकारी ने कहा कि मकान ढहने, करंट लगने और आकाशीय बिजली गिरने जैसी बारिश से जुड़ी घटनाओं के कारण सात लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि मौत के ये मामले दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, हावड़ा, हुगली, पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया जिलों से सामने आये हैं।

प्रदेश भाजपा ने असम में बनायी आपदा प्रबंधन समिति

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने राज्य में एक नयी आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया है। इस समिति में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और विधायकों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी ग.ी हैं। पार्टी के महासचिव अनूप बर्मन द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार राज्य के कैबिनेट मंत्री और विधायक पीयूष हजारिका, सांसद बिजुली कलिता मेधी और उपाध्यक्ष डॉ. अमिय कुमार शेष पृष्ठ आठ पर

बीएसएफ के कार्यक्षेत्र का विस्तार करने पर सरकार कर रही विचार : शाह

भुज (गुजरात), 29 मई (भा)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज कहा कि सरकार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कार्यक्षेत्र का विस्तार करके उसे नये सेक्टर सौंपने पर विचार कर रही है। शाह ने यह भी घोषणा की कि पारंपरिक सीमा सुरक्षा के पूरक के रूप में क्षेत्रीय सुरक्षा का एक नया प्रतिमान जोड़ा जाएगा। सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए गुजरात के कच्छ जिले के दौरे पर आये शाह ने बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान के साथ लगती सीमा पर स्थित हरामी नाला और सर क्रीक क्षेत्रों के संवेदनशील हिस्सों को सुरक्षित करने के लिए जारी काम लगभग 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के संबंध में बीएसएफ की अवधारणा को बदलने का निर्णय लिया है। बीएसएफ वर्तमान में पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगती भारत की सीमाओं की रक्षा करती है। शाह ने कहा कि जब मैंने देश के गृहमंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो बीएसएफ के अभियानों की अपनी पहली समीक्षा के दौरान, हरामी नाला और सर क्रीक क्षेत्र की सुरक्षा तैयारियों के मामले में कुछ कमी प्रतीत हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर स्तर पर एक लीक-प्रूफ सुरक्षा ग्रिड स्थापित करने के उद्देश्य से एक कार्य योजना तैयार की है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत चौकियों के निर्माण और संपर्क सड़कों के विकास से लेकर पेयजल, चिकित्सा सेवाओं, आवासीय सुविधाओं और नयी बाड़बंदी की व्यवस्था तक के उपाय शामिल किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह बता सकता हूं कि इस कार्य का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अब पूरा हो चुका है। मुझे और गृह मंत्रालय को यह जानकर अत्यंत संतोष है कि अगले दो वर्षों के भीतर यह संवेदनशील क्षेत्र दुश्मन की कुष्टि से स्थायी रूप से सुरक्षित हो जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 60वें स्थापना शेष पृष्ठ आठ पर

असम व मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने की सीमा विवाद पर चर्चा

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं./भा)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके मेघालय के समकक्ष कॉनराड के. संगमा ने आज अंतर्राज्यीय सीमा विवाद के समाधान में तेजी लाने का फैसला किया। संगमा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की और दोनों राज्यों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मेघालय के मुख्यमंत्री और मेरे प्रिय भाई कॉनराड संगमा का आज लोक सेवा भवन में स्वागत करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। हमारी उत्कृष्ट चर्चा हुई और हमने लंबे समय से लंबित मुद्दों पर कुछ अच्छी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि सीमा निर्धारण के संबंध में दोनों पक्षों ने जारी प्रक्रिया में तेजी लाने और इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने पर शेष पृष्ठ आठ पर

मणिपुर के उखरुल में संदिग्ध उग्रवादियों की गोलीबारी में ट्रक चालक की मौत

इंफाल, 29 मई (भा)। मणिपुर के उखरुल जिले में आज मालवाहक वाहनों के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो दी तथा एक पुलिस आरक्षी घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और पुलिस समेत सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम लगभग 15 से 20 वाणिज्यिक ट्रकों को उखरुल जिले की ओर ले जा रही थी, तभी टीएम कासोम के निकट संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर हमला कर दिया, जिसमें एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो दी। एक सरकारी बयान के अनुसार मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने आज उखरुल जिले में मालवाहक वाहनों के काफिले पर उग्रवादियों द्वारा की दी गोलीबारी की कड़ी निंदा की है। जनहानि पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सिंह ने कहा कि मालवाहक वाहन पर घात लगाकर हमला करना और चालक की जान लेना, जो पूरे राज्य में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, सबसे कायरतापूर्ण कृत्यों में से एक है और इसका उद्देश्य क्षेत्र में व्याप्त तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार की पहलों को विफल करने के इरादे से निहित स्वार्थ वाले संगठनों द्वारा किया गया यह हमला है। सिंह ने उस पुलिस आरक्षी के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की, जो घात लगाकर किये गये हमले में अपने घुटने में गोली लगने से घायल हो गया था। उन्होंने कहा कि अपराधियों शेष पृष्ठ आठ पर

पिंपरी चिंचवड व पुणे में जहरीली शराब से 12 की मौत

पुणे, 29 मई (भा)। पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध नकली शराब पीने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो दी है और पुलिस ने इस सिलसिले में एक मुख्य तस्कर सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि संदिग्ध जहरीली शराब की आपूर्ति से जुड़े पूरे नेटवर्क की पहचान कर ली दी है तथा भविष्य में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस ने बताया कि पिंपरी चिंचवड के फुगेवाडी इलाके में सात और पुणे के हडपसर के पांढरे मला इलाके में पांच लोगों की संदिग्ध जहरीली शराब पीने से मौत हुई। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों का पिंपरी चिंचवड के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जिनके बारे में भी संदेह है कि उन्होंने संदिग्ध जहरीली शराब का सेवन किया था। इन मौतों के बाद फुगेवाडी और हडपसर के इलाकों में मातम छा गया है। पुलिस ने बताया कि पिंपरी-चिंचवड के फुगेवाडी इलाके में मेथेनॉल मिली शराब की शेष पृष्ठ आठ पर

जुबिन मामला : श्यामकानु महंत को जमानत देने से गौहाटी हाईकोर्ट का इनकार

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। जुबिन गर्ग मौत मामले में गौहाटी उच्च न्यायालय ने आज मुख्य आरोपी श्यामकानु महंत की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि आरोपी के फरार होने और साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने की आशंका है। न्यायमूर्ति मिताली ठाकुरिया की एकल पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद महंत को जमानत देने से इनकार कर दिया। इससे पहले 30 अप्रैल को विशेष त्वरित अदालत ने भी महंत की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरोपी ने निचली अदालत के जमानत खारिज करने के आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार करने के बाद आज श्यामकानु महंत की जमानत याचिका खारिज कर दी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने पाया कि महंत के फरार होने की आशंका है और वह चल रही सुनवाई से बचने का प्रयास कर सकता है। सैकिया ने कहा कि उसने पहले अपने मोबाइल का पूरा डेटा उड़ा दिया था। अभियोजन पक्ष ने काफी प्रयास के बाद उसे पुन: प्राप्त किया। इसलिए अदालत ने माना कि आरोपी द्वारा साक्ष्यों से छेड़छाड़ किये जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि महंत पर सह-आरोपियों को प्रभावित करने का भी आरोप है और अदालत ने गवाहों को प्रभावित किये जाने की आशंका भी जतायी। श्यामकानु, असम के पूर्व पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत का छोटा भाई है। भास्कर ज्योति महंत असम राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त भी रह चुके हैं। शेष पृष्ठ आठ पर

ट्रिशा मामला : सास गिरिबाला व पति समर्थ पांच दिन की रिमांड पर

भोपाल, 29 मई (एजें)। भोपाल की जिला अदालत ने अभिनेत्री-मॉडल ट्विशा शर्मा मौत मामले में पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को पांच दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। आज भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मेडिकल जांच के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। सेशन जज शोभना भालवी की अदालत में पेशी के दौरान गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह एक साथ आरोपी कटघरे में खड़े नजर आये। सुनवाई के दौरान दोनों के बीच धीमी आवाज में बातचीत भी देखी गयी। सीबीआई ने आज भोपाल के कटारा हिल्स स्थित गिरिबाला सिंह के घर पर सात घंटे से अधिक पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद मेडिकल परीक्षण के लिए उन्हें एमएएनआईटी कैंपस में बनाये गये विशेष मेडिकल कैंप शेष पृष्ठ आठ पर

प्रधानमंत्री को सिर्फ अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है, बच्चों के भविष्य की नहीं : राहुल

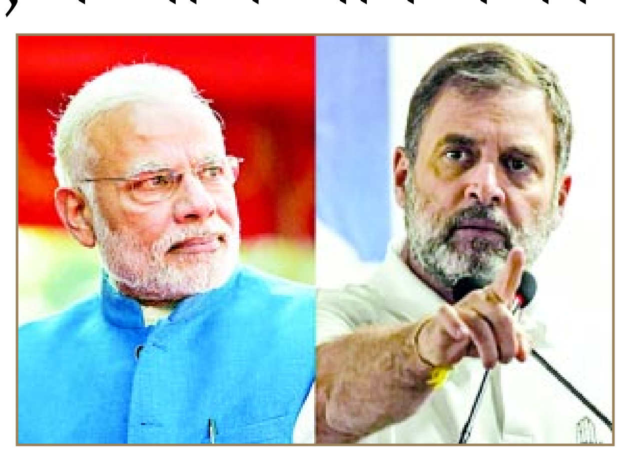

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की गड़बड़ी पर चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किया जाना यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है, लाखों छात्रों के भविष्य की नहीं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह पहले दिन से ही सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग'(ओएसएम) और सीओईएमपीटी को अनुबंध दिये जाने के मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं, क्योंकि देश के युवाओं को सच जानने का अधिकार है। गांधी ने मीडिया की खबरों को साझा किया और लोगों से उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ने का आह्वान किया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सीबीएसई ने ओएसएम निविदाएं तीन बार आमंत्रित कीं। पहली बार एक भी बोली नहीं लगी। दूसरी बार कोई भी बोलीदाता पात्र नहीं पाया गया। और अंतत: तकनीकी मानकों को तब तक कमतर किया गया जब तक कि सीओईएमपीटी उन्हें पार नहीं कर गयी। स्कैनिंग रेजोल्यूशन कम कर दिया गया। रोबोटिक स्कैनर की अनिवार्यता हटा दी गयी। सीएमएमआई प्रमाणन स्तर-5 से घटाकर स्तर-3 कर दिया गया। उत्तर पुस्तिकाओं में त्रुटियों के लिए जुर्माने के प्रावधान भी हटा दिये गये। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस ने भी तीसरे दौर के लिए अर्हता प्राप्त की थी। लेकिन टीसीएस दौड़ में हार गयी और सीओईएमपीटी-एक ऐसी कंपनी जिसका रिकॉर्ड विफलताओं से भरा रहा है-वह जीत गयी और आज सीबीएसई के छात्र किस बात की शिकायत कर रहे हैं? खराब तरीके से स्कैन की गयी उत्तर-पुस्तिकाएं, गायब पन्ने और एक खराब मूल्यांकन पोर्टल। गांधी ने कहा कि शिक्षकों ने सीबीएसई को चेतावनी दी थी कि ओएसएम प्रणाली को राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन से पहले कम से कम एक या दो साल शेष पृष्ठ आठ पर

सिद्धरमैया ने राहुल गांधी से की मुलाकात

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने आज सुबह सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर राहुल गांधी से मुलाकात की। उनके साथ उनका बेटा यतींद्र भी था। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि सिद्धरमैया कांग्रेस नेतृत्व के साथ अपने भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने राज्यसभा सीट लेने से पहले ही इनकार कर दिया है। सिद्धरमैया यह भी कह चुके हैं कि वह कर्नाटक में ही रहना चाहते हैं और पार्टी आलाकमान द्वारा सुझायी गयी केंद्रीय भूमिका में उनकी रुचि नहीं है। सूत्रों के अनुसार सिद्धरमैया ने केवल राहुल गांधी से मुलाकात की, क्योंकि सोनिया गांधी बैठक में उपस्थित नहीं थीं। सूत्रों ने बताया कि सिद्धरमैया ने राहुल गांधी को राज्य की सेवा करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें शेष पृष्ठ आठ पर

एनजीटी ने भीषण गर्मी को लेकर केंद्र व राज्यों से मांगा जवाब

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने देश भर में भीषण गर्मी के संबंध में केंद्र, कई राज्यों और अन्य से जवाब मांगा है। एनजीटी एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसने एक अखबार में प्रकाशित एक खबर का स्वत: संज्ञान लिया था। इस खबर में बढ़ते तापमान के बारे में बताया गया था जो अर्थव्यवस्था के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उत्पादकता को भी प्रभावित कर रहा है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने 25 मई के एक आदेश में कहा कि खबर के अनुसार अत्यधिक गर्मी के शायद ही कभी कोई नाटकीय श्य सामने आते हों, फिर भी यह देश के एक विशाल हिस्से को प्रभावित करती है। पीठ ने कहा कि यह सबसे कम पहचानी जाने वाली आपदाओं में से एक है। पीठ ने खबर का हवाला देते हुए कहा कि आईएमडी की ताजा बुलेटिन से उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, मध्य और उससे सटे पूर्वी तथा उत्तर-प्रायद्वीपीय भारत में भीषण अधिकतम तापमान का पता चलता है, जिसमें उत्तर प्रदेश के बांदा में सबसे अधिक 48 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। दिल्ली में भी पूरे मई लू की स्थिति बनी हुई है। पीठ ने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लू की स्थितियों के बीच अंतर स्पष्ट करने के बाद क्षेत्र-विशिष्ट रणनीतियों और अनुकूलन योजना के साथ एक नीति तैयार करने की शेष पृष्ठ आठ पर

एनटीए को यूपीएससी से सीखने की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 29 मई (एजें)। नीट पेपर लीक मामले में पिछले 20 दिनों से देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन, यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य ने को भंग करने के लिए याचिकाएं लगायी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आज नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से सवाल किया कि यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

पेज : 8 भाजपा नेता ने जरांगे से अनशन शुरू नहीं करने की अपील की

पेज : 9 हनुमानगढ़ में किसानों का आर-पार का एलान, सड़क पर बिछाये गद्दे

प्रातः खबर
शनिवार, 30 मई, 2026

सोनोवाल ने लॉजिस्टिक्स पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स और 4 बड़ी डिजिटल पहलों का किया शुभारंभ

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) के 37वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लॉजिस्टिक्स पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीपीआई) और जहाजरानी क्षेत्र में सुधार के लिए चार प्रमुख डिजिटल पहल लांच की हैं। सागर आकलन ढांचे के तहत विकसित यह सूचकांक भारतीय बंदरगाहों के परिचालन प्रदर्शन का आकलन और सुधार करने के लिए एक राष्ट्रीय बेंचमार्किंग प्रणाली है, जो पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और मैरीटाइम इंडिया विजन के अनुरूप है।

यह सूचकांक शुष्क बल्क, लिक्विड बल्क और कंटेनर कार्गो जैसे तीन श्रेणियों में बंदरगाहों की दक्षता, टर्नअराउंड समय और विभिन्न परिचालन संकेतकों के आधार पर मूल्यांकन करता है। प्रमुख प्रदर्शन करने वाले बंदरगाहों में शुष्क बल्क श्रेणी में पारादीप पोर्ट, लिक्विड बल्क में सिक्का पोर्ट और कंटेनर कार्गो श्रेणी में मुंद्रा पोर्ट शीर्ष पर रहे, जबकि जेएनपीए दूसरे स्थान पर रहा। इसके साथ ही नाविकों और समुद्री हितधारकों के लिए सेवा वितरण और पारदर्शिता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महानिदेशालय जहाजरानी (डीजीएस) द्वारा विकसित चार महत्वपूर्ण डिजिटल प्रणालियों की शुरुआत की गयी। इनमें ई-नाविक प्लेटफॉर्म के तहत 247 शिकायत निवारण मॉड्यूल, ई-समुद्र प्लेटफॉर्म पर जहाज पंजीकरण मॉड्यूल, मेडिकल प्रैक्टिशनर मॉड्यूल और एक एकीकृत जहाज पुनर्चक्रण क्रेडिट नोट मॉड्यूल शामिल हैं। शिकायत निवारण प्रणाली के जरिये दुनिया भर में काम कर रहे भारतीय नाविक अब विभिन्न माध्यमों से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने जेएनपीए के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बंदरगाह ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 102 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक कार्गो संभाला है। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार के निरंतर प्रयासों से वैश्विक लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में भारत के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है, जिससे देश अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट श्रेणी में 44वें से 22वें स्थान पर पहुंच गया है और दुनिया के शीर्ष 100 कंटेनर बंदरगाहों में भारत के सात बंदरगाहों को जगह मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने टेट पास करने की समय सीमा एक साल बढ़ायी

नयी दिल्ली, 29 मई (एजें)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हजारों शिक्षकों को राहत देते हुए टेट पास करने की डेडलाइन एक साल के लिए बढ़ा दी है। अब शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टेट परीक्षा पास करनी होगी। पहले यह समयसीमा 31 अगस्त 2027 थी। यह फैसला उन शिक्षकों के लिए राहत भरा है, जिन्होंने अभी तक परीक्षा पास नहीं की है। कोर्ट के इस निर्णय से विशेष रूप से उन राज्यों में तनाव कम होने की उम्मीद है, जहां बड़ी संख्या में शिक्षक टेट की अनिवार्यता पूरी नहीं कर पाये थे। शिक्षकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि 2009 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से छूट देने की मांग को खारिज कर दिया गया है। कोर्ट ने शिक्षकों से अपील की कि वे केवल अपनी नौकरी बचाने तक सीमित न रहें। मुख्य न्यायिक प्रक्रिया के दौरान बेंच ने कहा कि शिक्षकों को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देना चाहिए।

उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन एवं पुनर्मूल्यांकन के वास्ते पोर्टल खुलेगा एक जून को : सीबीएसई

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन समेत परीक्षा परिणाम के बाद की गतिविधियों के लिए पोर्टल एक जून से चालू हो जाएगा। बोर्ड ने एक्स पर पोस्ट किये अपने एक बयान में कहा कि जो विद्यार्थी परिणाम-पश्चात गतिविधियों को लेकर पोर्टल पर आवेदन करना चाहते हैं, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित सुनिश्चित करने के लिए निर्णय लिया गया है कि नामित पोर्टल एक जून 2026 से चालू हो जाएगा। बोर्ड ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य मूल्यांकन के उच्चतम मानकों और प्रोटोकॉल को सुनिश्चित करना है। बोर्ड ने कहा कि जिन विद्यार्थियों को कोई प्रश्न/जिज्ञासा हों, वे सीबीएसई टेली-काउंसलिंग हेल्पलाइन 1800 11 8004 और ईमेल आईडी पर संपर्क कर सकते हैं। यह स्पष्टीकरण तब आया है जब बोर्ड ने पहले कहा था कि उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन पोर्टल 29 मई तक चालू होने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर कुछ विद्यार्थियों और अभिभावकों द्वारा जतायी गयी चिंताओं के बाद सामने आया है। सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों, भुगतान विफलताओं और पहुंच संबंधी मुद्दों को लेकर बोर्ड को विद्यार्थियों और अभिभावकों की आलोचना का सामना करना पड़ा है।

पंचांग

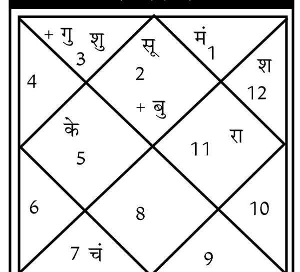

तिथि संवत् : प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) शुक्ल पक्ष चतुर्दशी दोपहर 11:57 बजे तक इसके बाद पूर्णिमा तिथि रहेगी। विक्रम संवत् 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव संवत्सर (रौद्र) तारीख 30 मई शनिवार। सूर्योदयकालीन नक्षत्र : विशाखा दोपहर 01:19 बजे तक इसके बाद अनुराधा नक्षत्र रहेगा। योग - शिव। करण - वणिज दोपहर 11:57 बजे तक तदुपरांत विष्टि करण रात्रि 01:05 बजे तक रहेगा। ग्रह विचार : (प्रातः 04:31) सूर्य - वृष, चंद्र - तुला प्रातः 06:37 बजे तक इसके बाद वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल - मेष, बुध - वृष, गुरु - मिथुन, शुक्र - मिथुन, शनि - मीन, राहु - कुंभ, केतु - सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30 बजे तक रहेगा।

सूर्योदय : 04:31 बजे, सूर्यास्त : 6:09 बजे।

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी, मो. 9529781915

बंगाल में एक अगस्त से शुरू होगी जनगणना, पिछली सरकार ने राजनीतिक कारणों से देरी की : शुभेंदु

कोलकाता, 29 मई (भा)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने जनगणना अभियान के संबंध में केंद्र से मिले पत्र पर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण देशव्यापी गणना प्रक्रिया की तैयारियों में राज्य अन्य राज्यों से पिछड़ गया। राज्य सचिवालय में जनगणना के पहले चरण पर बैठक की अध्यक्षता करने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शुभेंदु ने दावा किया कि केंद्र ने पिछले साल फरवरी में तत्कालीन राज्य सरकार को जनगणना के लिए प्रारंभिक कार्य शुरू करने हेतु पत्र लिखा था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने राजनीतिक कारणों से जनगणना की प्रक्रिया शुरू नहीं की। तत्कालीन मुख्य सचिव भी राजनीतिक सहमति का इंतजार कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि पिछली सरकार ने जनगणना से संबंधित कोई भी कार्य नहीं किया, इसलिए अन्य राज्य काफी आगे निकल गये हैं जबकि हम पीछे रह गये हैं। स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इस अंतर को पाटने के लिए तेजी से कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद, मैंने 11 मई को मुख्य सचिव की उपस्थिति में हुई पहली कैबिनेट बैठक में कई निर्णय लिये। उनमें जनगणना की प्रक्रिया शुरू करना भी शामिल था। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पश्चिम बंगाल में जनगणना का कार्य एक अगस्त से शुरू होगा और अगले साल फरवरी के अंत तक जारी रहेगा। शुभेंदु ने कहा कि जनगणना निदेशक रश्मि कोमल राज्य में इस पूरी कवायद की निगरानी करेंगी और शुरुआती चरण के दौरान एक अगस्त से 15 अगस्त के बीच डेटा संग्रह किया जाएगा। बंगाल के मुख्यमंत्री ने इस प्रक्रिया से संबंधित शिकायतें दर्ज कराने या सहायता प्राप्त करने के लिए दो टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर भी जारी किये।

म्यांमार के राष्ट्रपति आंग ह्लाइंग शुरू करेंगे भारत यात्रा

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। म्यांमा के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग शनिवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे, जिसका उद्देश्य व्यापार, संपर्क, सीमा सुरक्षा और रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना है। आंग ह्लाइंग की भारत यात्रा म्यांमा में संसदीय चुनावों के बाद राष्ट्रपति बनने के दो महीने से भी कम समय में हो रही है। ये चुनाव दिसंबर और जनवरी में हुए थे, जो सत्ताधारी सैन्य जुंटा के खिलाफ वर्षों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए थे। सैन्य जुंटा ने एक फरवरी, 2021 को तख्तापलट करके आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गयी सरकार को उखाड़ फेंका था।

नेतन्याहू का गाजा के 70% हिस्से पर कब्जे का आदेश

तेल अवीव, 29 मई (एजें)। वेस्ट बैंक में कल एक कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि हम इस समय हमास को दबा रहे हैं। अब हम गाजा पट्टी के 60% इलाके को कंट्रोल करते हैं। पहले हम 50% पर थे, फिर 60% पर पहुंचे। मैंने आदेश दिया है कि इसे बढ़ाकर तभी भीड़ में से किसी ने चिल्लाकर कहा 100%। इस पर नेतन्याहू ने कहा कि एक-एक कदम आगे बढ़ते हैं। पहले 70% तक पहुंचते हैं। फिलहाल वहीं से शुरुआत करते हैं। हम हर तरफ से उन पर दबाव बना रहे हैं और बाकी बचे लोगों से भी निपटेंगे। यह कदम अक्तूबर 2025 में हुए युद्धविराम समझौते की शर्तों के विपरीत माना जा रहा है। समझौते के तहत इस्राइली सेना को एक तय येलो लाइन के पीछे हटना था। इस लाइन के बाद गाजा का करीब 53% हिस्सा इस्राइल के नियंत्रण में था। हमास का आरोप है कि इस्राइल चुपचाप इस सीमा को और अंदर खिसका रहा है। अब कई रिपोर्टों के मुताबिक गाजा के करीब 60 से 64% इलाके पर इस्राइल का नियंत्रण है। इस्राइल-हमास के बीच शांति योजना के अगले चरण में हमास के हथियार छोड़ने और इस्राइली सेना की वापसी का प्रस्ताव है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत फिलहाल ठप पड़ी हुई है। पहले से ही युद्ध, बमबारी और लगातार विस्थापन की वजह से गाजा के ज्यादातर इलाके तबाह हो चुके हैं। अगर इस्राइल 70% इलाके पर कब्जा कर लेता है, तो गाजा के करीब 22 लाख लोगों को कुल जमीन के एक-तिहाई से भी कम हिस्से में रहना पड़ेगा। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के विजिटिंग फेलो मुहम्मद शेहादा ने कहा कि हालात पहले ही बेहद खराब हैं। उनके मुताबिक हर खाली जगह पर विस्थापित परिवारों के टेंट लगे हैं। अगर इलाका और छोटा हुआ, तो बड़ी संख्या में लोगों के पास रहने की जगह ही नहीं बचेगी।

रंगिया मंडल पर सिगनलिंग कार्य

निविदा सूचना सं. RN-ST-05-2026-27 तारीख: 26-05-2026। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और तरफ से निम्नलिखित कार्यों के लिए "ई टेंडरिंग" प्रणाली के माध्यम से कार्य की निविदा आमंत्रित किया गया है **निविदा संख्या. RN-ST-05-2026-27।** कार्य का नाम: रंगिया मंडल के अंतर्गत मिर्जा स्टेशन के एल/4 की दिशा में संगाईगांव प्रांत में संपूर्ण लंबाई वाले शंटिंग नेक का प्रावधान करने के साथ संबंधित सिगनलिंग कार्य। **निविदा राशि: ₹68,58,202.20/- धरोहर राशि: ₹1,37,200/-। ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 26-06-2026 को 15:00 बजे में एवं खुलेगी: 15.30 बजे** में वरिष्ठ डीएसटीई/रंगिया कार्यालय में। उपरोक्त ई निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगी।

डीएसटीई/रंगिया
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

टीसी स्कूल की जुपीतरा डेका को असमिया विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर कर्मप्राण कृष्ण रायमेधि स्मारक पितृमंगल पुरस्कार

गुवाहाटी, 29 मई। 2025-26 शिक्षा वर्ष के हाई स्कूल शिक्षांत परीक्षा में तारिणी चौधरी सरकारी उच्चतर माध्यमिक बहुमुखी बालिका विद्यालय, गुवाहाटी की प्रतिभाशाली छात्रा जुपीतरा डेका को असमिया विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्ति हेतु कर्मप्राण कृष्ण रायमेधि स्मारक पितृमंगल पुरस्कार आज छात्राओं द्वारा परिवेशित सरस्वती वंदना द्वारा शुभारंभ हुए स्कूल के वार्षिक पुरस्कार वितरण सभा में अध्यक्ष शुभलक्ष्मी बरुवा के हाथों प्रदान किया गया। असम सरकार के अधीन सेवानिवृत्त पीडब्ल्यूडी विभाग के आयुक्त एवं विशेष सचिव स्वर्गीय कृष्ण रायमेधि अपने जीवन काल में असमिया भाषा व साहित्य के प्रति समर्पित भाव से पुस्तक प्रकाशन, साप्ताहिक समाचार पत्र प्रकाशन, साहित्यिकों का सम्मान आदि

द्वारा मातृभाषा की महत्ता पर रोशनी डालकर कार्य करते थे। उन्हीं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी धर्मपत्नी मिना कुमारी रायमेधि एवं सुपुत्री मालविका रायमेधि दास द्वारा एसएम दि.सि के अध्यक्ष हेमंत शर्मा की अध्यक्षता में हुई सभा में प्रदान किये गये। इस सम्मान में फुलाम गामोछा, असमिया चादर, कई स्वरचित पुस्तकें, नकद धन एवं एक स्मारक दिये गये। स्कूल की पूर्व छात्राओं की संस्था की अध्यक्ष डॉ. आरती डेका और सचिव रीमा बरदलै के सफल परिचालन में दसवीं व बारहवीं कक्षाओं की कृति छात्राओं को स्मारक, पुस्तकें व चॉकलेट प्रदान करके उत्साहित किये गये। गीत, नृत्य, वाद्य के मनोरम कार्यक्रमों के साथ सरकार द्वारा दी गयी विभिन्न परियोजनामूलक कार्यक्रम व गतिविधि तथा एनईपी के नियमों के सम्मत विद्यालय के शैक्षिक व अन्य सामग्रिक विषयों के विकास का विवरण देकर अध्यक्षा ने छात्राओं की सर्वतोमुखी उन्नति का श्रेय स्कूल के प्रति समर्पित शिक्षक -शिक्षिकाओं को दिया। साथ ही एलुमनी संस्था के द्वारा किये गये गठनमूलक एवं सहायक कार्यों की भी भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के जरिये दी गयी।

दिसपुर श्रीजानकी वल्लभ मंदिर में श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन आज से

गुवाहाटी, 29 मई। दिसपुर स्थित श्रीजानकी वल्लभ मंदिर कल्याण भवन में पवित्र पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर दो दिवसीय श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन आगामी 30 एवं 31 मई को किया जाएगा। यह धार्मिक अनुष्ठान 30 मई को सायं 4:00 बजे प्रारंभ होकर 31 मई को सायं 4:00 बजे तक निरंतर चलेगा। मंदिर समिति की ओर से बताया गया है कि इस पावन अवसर पर सभी धर्मपरायण श्रद्धालुओं एवं भक्तों को उपस्थित होकर भगवान श्रीराम के चरणों में गोस्वामी तुलसीदास रचित श्रीरामचरितमानस पाठ का पुण्य लाभ प्राप्त करने का सौभाग्य मिलेगा। आचार्य गोपाल पंडित ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस पुण्य अवसर पर

अधिक-से-अधिक संख्या में उपस्थित होकर अनुष्ठान को सफल बनाएं तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की कृपा एवं आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भागवत, रामायण पाठ, विष्णु सहस्रनाम एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व माना जाता है। मलमास के दौरान किये जाने वाले ये अनुष्ठान अत्यंत पुण्यदायी एवं कल्याणकारी माने जाते हैं। अतः सभी भक्तजन इस पवित्र मास में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर पुण्य एवं सौभाग्य प्राप्त करें।

डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण एवं नवीकरण का कार्य

ई-निविदा सूचना सं. TRD/LMG/12 of 2026-27 तारीख: 23-05-2026। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और तरफ से निम्नलिखित कार्यों के लिए "ई-टेंडरिंग" प्रणाली के माध्यम से कार्य की निविदा आमंत्रित किया गया है **निविदा संख्या. EL-TRD-NFR-LMG-OHE-MOD-85। कार्य का नाम:** लामडिंग मंडल के चापरमुख जंक्शन-कामपुर खंड पर आरओबी निर्माण का प्रारंभ के साथ एलसी गेट एसटी 34 के स्थानांतरण के साथ संबंधित 25 केवी सिंगल फेज ओवरहेड साजो-सामान की डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण एवं नवीकरण का कार्य। **निविदा राशि: ₹43,92,411.31/-। धरोहर राशि: ₹87,900/-। ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 15-06-2026 को 15:00 बजे में।** उपरोक्त ई निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

यूक्रेन पर दागा गया रूसी ड्रोन रोमानिया में आवासीय इमारत से टकराया, दो घायल

कीव, 29 मई (एपी)। यूक्रेन पर बृहस्पतिवार रात भर किये गये लगातार हमलों के दौरान एक रूसी ड्रोन पूर्वी रोमानिया की एक आवासीय इमारत से टकराया, जिससे दो लोग घायल हो गये। रोमानिया के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश की हवाई सीमा में रडार पर दिखायी दिया यह ड्रोन गलाती शहर की एक इमारत की छत से टकरा गया, जिसके बाद वहां आग लग गयी। घटना में दो लोगों को मामूली चोटें आयीं और कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। डेन्यूब नदी के किनारे बसा गलाती शहर मोल्दोवा और यूक्रेन की सीमाओं के पूर्व में स्थित है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंच गयीं। इस घटना के बाद रोमानिया की सेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमान और एक हेलीकॉप्टर तैनात किया। प्रभावित इलाकों के निवासियों को चेतावनी संदेश भी भेजे गये। इस घटनाक्रम पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सदस्य रोमानिया ने संगठन से अपनी सेना को जल्द से जल्द ड्रोन-रोधी क्षमताएं उपलब्ध कराने की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने इस घटना को अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया। रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने शुक्रवार को नाटो सदस्य देशों के शीर्ष रक्षा निकाय की बैठक बुलायी। बैठक में उस घटना के प्रभावों पर चर्चा की गयी और उन्होंने इसे रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण शुरू किये जाने के बाद से रोमानिया की जमीन पर हुई सबसे गंभीर घटना बताया। उन्होंने इस घटना के लिए सीधे रूस को जिम्मेदार ठहराया। डैन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि रूस के संबंध में हम उचित कदम उठाएंगे। ... इस हमले के जिम्मेदार और इसके कारण को लेकर किसी तरह की कोई अस्पष्टता नहीं है।

भारत में कचरा सबसे तेजी से बढ़ते उत्सर्जन स्रोतों में से एक : रिपोर्ट

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। भारत में ठोस कचरे का आधा हिस्सा उपचारित न होकर डंपसाइट्स में जाने के कारण देश में अपशिष्ट (कचरा) क्षेत्र से होने वाला उत्सर्जन 2047 तक बढ़कर 119.5 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुंच सकता है। शुक्रवार को प्रकाशित एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 1994 से 2020 के बीच अपशिष्ट क्षेत्र से होने वाले उत्सर्जन में 226 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे यह भारत के सबसे तेजी से बढ़ते उत्सर्जन स्रोतों में से एक बन गया है। दिल्ली स्थित थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी में प्रकाशित विकसित भारत के लिए जैविक कचरा परिपत्र अर्थव्यवस्था नामक विश्लेषण के अनुसार, इस समस्या से निपटने का एक तरीका शहरी जैविक नगरपालिका कचरे का बेहतर प्रबंधन करना है।

गुवाहाटी में क्षेत्रीय कार्यशाला सेवा से समृद्धि का आयोजन

डिजिटल पंचायती राज और ग्रामीण सेवा वितरण पर हुआ मंथन

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं)। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने आज गुवाहाटी में सेवा से समृद्धि : पंचायत नेतृत्व में सेवा वितरण विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह आयोजन कॉमन सर्विसेज सेंटर (सीएससी-एसपीवी) और असम सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत में पंचायती राज संस्थाओं को अधिक जवाबदेह और सशक्त बनाकर नागरिकों के जीवन को सुगम बनाना है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मेजबान असम सहित आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान और तेलंगाना के पंचायत प्रतिनिधियों, ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) और राज्य सरकार के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों, किसानों और ग्रामीण आजीविका से होकर गुजरता है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि देश के सीएससी केंद्रों ने न केवल ग्रामीण रोजगार के बड़े अवसर पैदा किये हैं, बल्कि करोड़ों नागरिकों को पेंशन, बीमा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके घर तक पहुंचाया है। केंद्रीय मंत्री ने आधार, बैंक और भूमि रिकॉर्ड में डेटा की सटीकता को सुधारने की आवश्यकता बतायी, ताकि मामूली कमियों के कारण कोई भी पात्र लाभार्थी पीएम-किसान जैसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने सीएससी संचालकों के प्रशिक्षण और डिजिटल प्लेटफॉर्म को स्थानीय प्रशासन के साथ गहराई से जोड़ने का आह्वान किया ताकि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सके। इस मौके पर असम के परिवर्तन और विकास मंत्री रामेश्वर तेली ने केंद्र और राज्य सरकार के इस साझा प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम सरकार चाय जनजाति और आदिवासी समुदायों के कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यशाला के दौरान बेहतर काम करने वाली ग्राम पंचायतों और डिजिटल सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उद्यमियों को सम्मानित भी किया गया। इसमें ओडिशा की सुआकाटी ग्राम पंचायत और तेलंगाना की शिवारेड्डीगुडेम ग्राम पंचायत को उनके उत्कृष्ट डिजिटल गवर्नेंस के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही असम की गिरिजा नाथ, ओडिशा की सुमित्रा दास, पंजाब के अमनदीप सिंह और राजस्थान की सुरता देवी सैनी जैसी चैंपियन ग्राम स्तरीय महिला व पुरुष उद्यमियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंत्रालय की संयुक्त सचिव मुक्ता शेखर, असम के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी. कल्याण चक्रवर्ती और सीएससी के सीईओ अखिल कुमार ने भी अपने विचार रखे। अधिकारियों ने बताया कि सीएससी आज दुनिया का सबसे बड़ा लास्ट-माइल सर्विस डिलीवरी नेटवर्क बन चुका है, जिससे दूर-दराज के गांवों में रहने वाले लोग भी आधार, पैन, बैंकिंग और पेंशन जैसी सेवाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के सेवा वितरण प्लेटफॉर्म जैसे राजस्थान के ई-मित्र, पंजाब के ई-सेवा, मध्य प्रदेश के लोक सेवा गारंटी पोर्टल और आंध्र प्रदेश के पंचायत सचिवालय के बेहतरीन तौर-तरीकों पर चर्चा की गयी। साथ ही आईआईटी गुवाहाटी के डॉ. सिद्धार्थ सिन्हा और भाषिणी के सीईओ अमिताभ नाग ने तकनीकी सत्रों के जरिये ग्रामीण गवर्नेंस को और अधिक सुलभ व समावेशी बनाने की रूपरेखा साझा की।

CLASSIFIED

NAME CHANGE

I, DIMPLE AGARWAL, Wife of Vikash Agarwal, Daughter of Late Sanwar Mal Khaitan, Permanent Resident of Balukhad Road, Margherita, P.O. & P.S. Margherita, District Tinsukia, Assam have changed my name from " Santosh Khaitan " to " Dimple Agarwal " and Hereby declared That "DIMPLE AGARWAL" and "SANTOSH KHAITAN" are the names of the same and one identical WOMEN person i.e. myself Wife of Vikash Agarwal vide an affidavit before the notary at Margherita date 15/5/26.

NAME CHANGE

I, VIKASH AGARWAL, Son of Late Prahlad Roy Agarwal, a Permanent Resident of Balukhad Road, Margherita, P.O. & P.S. Margherita, District Tinsukia, Assam have changed my name from " Vikash Kumar Agarwal " to " Vikash Agarwal " and hereby further declare that "VIKASH AGARWAL" and "VIKASH KUMAR AGARWAL" are the names of the same and one identical person i.e. myself Son of Late Prahlad Roy Agarwal, vide an affidavit before the notary Margherita, date 15/05/2026.

मकाम कामरूप की काव्य गोष्ठी में कविता-गीत-वाद्य का अपूर्व समाहार

गुवाहाटी, 29 मई। महिला काव्य मंच, अंतर्राष्ट्रीय संस्था, कामरूप इकाई की बहुभाषी काव्य गोष्ठी वरिष्ठ कवि तथा प्राणी विज्ञान विभाग की सेवानिवृत्त अध्यापिका, प्रागज्योतिष कॉलेज, डॉ. गीता बसुमतारी के वासगृह में शाम 5 बजे संपन्न हुई। डॉ. गीता बसुमतारी की अध्यक्षता में महासचिव आमूना जेरियाना की सरस्वती वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मकाम की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर भारत इकाई की प्रभारी मालविका रायमेधि दास मेधा उपस्थित थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ लेखिका तथा सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, प्रागज्योतिष कॉलेज, गुवाहाटी की डॉ. सुचित्रा काकती एवं सदौ असम लेखिका समारोह समिति की उपाध्यक्ष मीना कुमारी रायमेधि की गरिमामय उपस्थिति ने बैठक में चार चांद लगा दिये। अतिथियों का स्वागत फुलाम गामोछा, मेमेंटो एवं काव्यग्रंथों द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन करने के पश्चात मालविका मेधा ने मकाम के संस्थापक डॉ. नरेश नाज का आभार प्रकट करते हुए मन से मंच तक महिलाओं से, महिलाओं के द्वारा, महिलाओं की अंतर्राष्ट्रीय संस्था मकाम के उद्देश्य की व्याख्या करते हुए कहा कि कविता के माध्यम से नारी समाज में अपनी एक अलग अस्मिता बना सकती है। हर महीने अनौपचारिक रूप से कविता की बैठक सजाकर महिलाओं में बौद्धिक जागरण के साथ सामाजिक विकास हेतु विविध विषयों पर काव्य रचा जाता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुचित्रा काकती ने मकाम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी संस्थाओं का समाज में बहुत आवश्यक है, जिससे

महिलाएं मन से मंच तक की राह स्वयं बना सकती हैं। डॉ. मंजुला हुसैन, अध्यक्ष, कामरूप इकाई के शानदार संचालन में बहुभाषी काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। गोष्ठी में भिन्न रस-स्वाद-अलंकार की भिन्न कविताओं से सर्वश्री पुष्पा सोनी, हेमलता तोदी, राजलक्ष्मी अग्रवाल, निजरा दत्त, प्रियलता डेका, अंजलि मुखिया, जेसिका बसुमतारी, पृथ्वीराज फुकन, डॉ. सुचित्रा काकती, डॉ. गीता बसुमतारी, मीना कुमारी रायमेधि, प्रीति फुकन, मिनती काकती, साधना फुकन, मालविका रायमेधि दास एवं डॉ. मंजुला हुसैन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रसिद्ध असमिया गायिका संध्या मेनन एवं मीरा दास सहरीया ने सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका के कालजयी गीत गाकर सबका मन मोह लिया तथा विद्यार्थी पृथ्वीराज फुकन के गिटार वादन ने कार्यक्रम का शोभावर्धन किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. गीता जी ने इतने सजीव, काव्यिक तथा सांगीतिक संध्या उपहार देने के लिए मकाम, कामरूप इकाई का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समापन असम के जातीय संगीत से हुआ। इस आशय की जानकारी संगठन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के जरिये दी गयी।

नीट प्रश्न पत्र लीक मामला : फारूक अब्दुल्ला ने गहन जांच व दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की

श्रीनगर, 29 मई (भा)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्न पत्र लीक मामले की शुक्रवार को गहन जांच की मांग की और कहा कि जिन पांच राज्यों में प्रश्न पत्र लीक हुए, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूछा कि अगर प्रणाली में खामियां न होतीं, तो क्या ऐसा होता? शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा के प्रश्न पत्र पहुंचाने के लिए सेना और भारतीय वायु सेना की मदद लेने की बात कही थी, जिस पर फारूक अब्दुल्ला प्रणाली में संभावित खामियों से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। अब्दुल्ला ने कहा कि जिन पांच राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में यह प्रश्न पत्र लीक हुआ, वहां भाजपा की सरकार है। उन्होंने कहा कि गहन जांच होनी चाहिए। जो भी इसमें शामिल हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए क्योंकि हमारे बच्चे परेशान हो रहे हैं। बच्चों को दोबारा परीक्षा देनी होगी और वह भी इस भीषण गर्मी में जब कुछ जगहों पर तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अल्लाह हम पर दया करें। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख ने जम्मू के राजौरी जिले में हुई मुठभेड़ के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यहां मुठभेड़ कब बंद हुई? उन्होंने कहा कि बातचीत के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। आज तो अमेरिका भी बातचीत के जरिए समाधान तलाशना चाहता है। यह पूछने पर कि बातचीत किसके साथ होनी चाहिए, जम्मू-कश्मीर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अब्दुल्ला ने कहा कि जिनके साथ हमारे मुद्दे हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

कर्म ही पूजा है, और भक्ति ही मार्ग है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

शनिवार, 30 मई, 2026

मौसम

अधिकतम 29
न्यूनतम 24

Ph.: 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

जालुकबाड़ी में रेलवे का चला बुलडोजर

200 से ज्यादा झोपड़ियां गिरायी गयी

गुवाहाटी, 29 मई (ख.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे विभाग ने आज गुवाहाटी के जालुकबाड़ी इलाके में बेदखली के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान कथित तौर पर रेलवे की ज़मीन पर बनी 200 से ज़्यादा झोपड़ियां गिरायी गयी। यह अभियान गुवाहाटी पुलिस, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और मजिस्ट्रेट की मदद से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चलाया गया। यह बेदखली रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए जरूरी जमीन खाली करने के लिए शुरू की गयी थी, जिसमें और ट्रैक बिछाना और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स को डेवलप करना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि जालुकबाड़ी के पास एक निचले वेटलैंड जोन में मौजूद कब्जा किये गये इलाके में हाल के सालों में रेलवे विभाग की कई बेदखली मुहिमों के बावजूद, बार-बार गैर-कानूनी कब्जे देखे गये थे। अधिकारियों के मुताबिक अभियान के दौरान गिराये गये कई स्ट्रक्चर रेलवे की जमीन पर बनी अस्थायी झोपड़िया थी। रेलवे विभाग के कामों के लिए जमीन की जरूरत है, जिसमें डबल रेलवे ट्रैक

बिछाना और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शामिल है। हम इन प्रोजेक्ट्स को आसान बनाने के लिए ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट से लेकर आदाबाड़ी साइड तक के हिस्से को साफ कर रहे हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि इस इलाके में लगभग 200 परिवार रह रहे थे और कई लोगों ने दावा किया कि वे पिछले पांच से छह सालों में वहां बस गये हैं। उन्होंने कहा कि यह बस्ती एक बड़े एरिया में फैली हुई है, जिसमें आदिल शाह लेन नाम का एक हिस्सा भी शामिल है। वहां रहने वालों से बातचीत के दौरान कई लोगों ने कहा कि वे यहां पांच से छह सालों से रह रहे हैं। हालांकि, यह जमीन अभी भी रेलवे की प्रॉपर्टी है और कब्जों को जारी रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती, खासकर तब जब इस साइट पर बड़े पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की योजना बनायी जा रही हो। अधिकारियों ने बताया कि पहले भी इस इलाके में कई बार बेदखली अभियान चलाये गये थे। हालांकि बताया जा रहा है कि ऑपरेशन के तुरंत बाद ही अतिक्रमण फिर से हो गये। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग पिछली बेदखली की कार्रवाई के बाद वापस आ गए और उन्होंने अस्थायी घर बना लिए, जिससे जमीन पर पक्के तौर पर कब्जा करना मुश्किल हो गया। अधिकारी ने आगे कहा कि बार-बार बेदखली की कार्रवाई के बावजूद नये स्ट्रक्चर बनते रहे हैं। कई मामलों में हटायी गयी झोपड़ियों को थोड़े समय में ही फिर से बना दिया गया। रेलवे विभाग जमीन को सुरक्षित करने और आगे कब्जा रोकने के लिए पक्का इरादा रखता है। यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक पूरी जमीन खाली नहीं हो जाती। अभियान के दौरान बुलडोजर और एक्सकेवेटर समेत भारी मशीनरी तैनात की गयी, जबकि सुरक्षाकर्मियों ने इलाके में कानून-व्यवस्था बनाये रखी।

विधायक विजय गुप्ता को सम्मान पत्र भेंट करते हुए पूर्वोत्तर यादव महासभा के अध्यक्ष जय प्रकाश यादव, सचिव रामबाबू राय व कोषाध्यक्ष संजय प्रसाद यादव। मौके पर योगेश चौधरी और रामजनम यादव भी मौजूद रहे।

अभामामस ने आयोजित की वैदिक श्लोक प्रतियोगिता

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस), उत्तर गुवाहाटी शाखा द्वारा संस्कार की धरोहर प्रकल्प के अंतर्गत आज रूपनगर स्थित वेद विद्यालय में वैदिक धर्म श्लोक प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं निर्णायक कंचन केजरीवाल एवं संगीता पौद्दार रही। विद्यालय के कुल 31 बच्चों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन द्वारा बच्चों को पूर्व में श्लोक लिखकर दिये गये थे, जिन्हें बच्चों ने कंठस्थ कर अत्यंत ओजस्वी एवं शुद्ध उच्चारण के साथ प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के अध्यक्ष विपुल चंद्र शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हमारे विद्यालय में बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त शिक्षा भी दी जाती है। उन्होंने मारवाड़ी महिला सम्मेलन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतना सुंदर और प्रेरणादायक कार्यक्रम हमारे विद्यालय में आयोजित करने के लिए सम्मेलन के सभी सदस्यों का हम हृदय से धन्यवाद करते हैं। शाखा अध्यक्ष इंदु पारीक ने सभी अतिथियों का स्वागत

किया और बताया कि मीटिंग में पास करके विद्यालय को गोद लेंगे। मंच संचालन उपाध्यक्ष निर्मला आलमपुरिया ने किया। संयोजिका उषा शर्मा रही। प्रतियोगिता में पांच पुरस्कार वितरित किये गये। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो सांत्वना पुरस्कार। निर्णायक मंडल ने बच्चों के आत्मविश्वास और उच्चारण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर बच्चों के बीच जूस, चिप्स, चॉकलेट, बिस्किट, फल, पान एवं मिठाइयां वितरित की गयी, जिसकी प्रायोजक मीना पोद्दार और निर्णायक गण रही। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रिंसिपल दीपक कुमार शर्मा एवं समस्त अध्यापकगण उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष पूनम पारीक, कोषाध्यक्ष गरिमा व्यास, उषा पारीक, किरण पारीक, सहित सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। सचिव राखी गुप्ता ने सभी का धन्यवाद करते हुए बताया कि संस्था का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का विशेष योगदान रहा।

सौरव झुनझुनवाला के प्रस्ताव को जीएमसी ने दी मंजूरी

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। महानगर में इज ऑफ डुविंग बिजनेज को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने वार्ड संख्या 15 के पार्षद सौरव झुनझुनवाला द्वारा प्रस्तुत उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिसमें नये ट्रेड लाइसेंस जारी करने के लिए अनिवार्य एनजीओ समझौता व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की गयी थी। पूर्व में नये ट्रेड

लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले व्यवसायियों को प्राथमिक कचरा संग्रहण से जुड़े एनजीओस के साथ समझौता करना अनिवार्य था। इस विषय को जीएमसी के समक्ष उठाते हुए बताया गया कि यह व्यवस्था विशेष रूप से छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स एवं नए उद्यमियों के लिए अनावश्यक प्रशासनिक बाधाएं उत्पन्न कर रही थी। विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात जीएमसी ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। अधिकृत कचरा संग्रहण एजेंसियों के साथ अनिवार्य समझौता व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। हालांकि व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के कचरा निस्तारण की व्यवस्था पर जीएमसी द्वारा समय-समय पर जांच एवं निगरानी जारी रहेगी। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्षद सौरव झुनझुनवाला ने कहा कि यह फैसला छोटे व्यापारियों और नये उद्यमियों को बड़ी राहत प्रदान करेगा तथा ट्रेड लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय व्यवसाय-अनुकूल प्रशासन और सकारात्मक शहरी शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस निर्णय से गुवाहाटी के हजारों व्यापारिक आवेदकों को लाभ मिलने की उम्मीद है तथा शहर में व्यापारिक वातावरण और अधिक मजबूत होगा।

राइजर दल ने सरकार पर गौ विवि को ध्वस्त करने का लगाया आरोप

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। राइजर दल ने राज्य सरकार पर गौहाटी विश्वविद्यालय (गौ विवि) जैसे शैक्षिक प्रतिष्ठान को ध्वस्त करने का आरोप लगाया है। मठघरिया स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए राइजर दल की महासचिव और जातीय युवा वाहिनी की अध्यक्ष डॉ. ज्ञानेश्री बोरा ने कहा कि राज्य सरकार की गलत नीतियों के कारण आज गौहाटी विश्वविद्यालय ध्वंस होने के कगार पर है। विश्वविद्यालय 80 से 90 करोड़ रुपये घाटे में हैं। या खुद विश्वविद्यालय के पंजीयक डॉ. उत्पल शर्मा ने स्वीकार किया है। उन्होंने पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और चार वर्षीय सेल फाइनेंसिंग कोर्स की फीस को लेकर जारी गतिरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने बिना अनुदान तथा स्थायी शिक्षकों और बुनियादी ढांचे के इन पाठ्यक्रमों को कार्यान्वित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार साल दर साल गौहाटी विश्वविद्यालय को मिलने वाले अनुदान में कटौती कर रही है। यहां तक की मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा 2025 में विश्वविद्यालय को 250 करोड़ रुपये पांच वर्षों के लिए देने की घोषणा किये थे, लेकिन आज तक उक्त राशि को जारी नहीं किया गया। यहां तक कि 2019-20 में विश्वविद्यालय को रखरखाव ग्रांड के नाम पर मात्र 120 करोड़ रुपये दिये गये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागु करने का दावा तो करती हैं, परंतु इसके तहत जो बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं देती। उन्होंने सरकार से विश्वविद्यालय को 80 से 90 करोड़ रुपये आवंटित करने की मांग की ताकि विश्वविद्यालय जो आर्थिक बोझ के तले दबी हुई है उसे पूरा किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 250 करोड़ रुपये को निर्धारित समय के भीतर जारी करने की मांग की है। बोरा ने राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति, छात्र-छात्राओं के लिए सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग की है।

पार्टी ने मीडिया प्रभारी को दिखाया बाहर का रास्ता

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। तृणमूल कांग्रेस टीएमसी की प्रदेश इकाई ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए पार्टी के मीडिया प्रभारी अभिजीत मजूमदार को निष्कासित कर दिया है। पार्टी के महासचिव शिशिर देव कलिता द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार पार्टी के अनुशासन प्राधिकरण के फैसले के बाद मजूमदार को तत्काल प्रभाव से प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ उनके पास मौजूद सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। पार्टी नेतृत्व की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अभिजीत लगातार विभिन्न समाचार पोर्टलों और मीडिया प्लेटफॉर्मों पर पार्टी विरोधी बयानों और गतिविधियों में शामिल पाए गए थे। इन गतिविधियों को देखते हुए पार्टी की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने उन्हें कई बार चेतावनी दी थी और अपने बयानों को वापस लेते हुए ऐसी हरकतों से दूर रहने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद उन्होंने पार्टी के निर्देशों का पालन नहीं किया। पार्टी हाईकमान ने उनके इस आचरण को बेहद गंभीरता से लिया और संगठन के अनुशासन व अखंडता को बनाए रखने के लिए उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने का अंतिम निर्णय लिया। यह निष्कासन आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है।

राष्ट्रीय कवि संगम की आवृत्ति व काव्य प्रतियोगिता आयोजित

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। राष्ट्रीय कवि संगम, असम इकाई द्वारा राष्ट्रभाषा प्रभाकर हिंदी विद्यालय में आज आवृत्ति, काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष पुष्पा सोनी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ललित कुमार झा का सुरेंद्र कुमार सिंह द्वारा फूलाम गामोछा पहनाकर अभिनंदन किया गया। धनजीत तालुकदार ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। प्रतियोगिता में लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने सोहनलाल द्विवेदी, मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्रा कुमारी चौहान सहित अनेक प्रतिष्ठित कवियों की रचनाओं का प्रभावपूर्ण आवृत्ति पाठ प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में गंगा कांगो ने प्रथम, खुशी कुमारी ने द्वितीय तथा सौम्या कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को उपहार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा। अंत में सचिव हेमलता गोलछा ने हिंदी भाषा के विकास तथा बच्चों में काव्य के प्रति रुचि जागृत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं सभी विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सावरियां सखी समिति ने कैंसर पीड़ितों को कराया भोजन

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। भीषण गर्मी को देखते हुए आज सावरियां सखियों ने कैंसर पीड़ित और वहां उपस्थित लोगों को भोजन, केला और जूस पिलाया। लोगों की आवश्यता को देखते हुए समिती की ओर से फिर दो-चार दिन में गन्ने का जूस पिलाने का भी निर्णय लिया गया। समय-समय पर समिति अपना योगदान देती रहती है। पुरुषोत्तम मास मे पूज्य प्रियांशु चैतन्य द्वारा नानी बाई रो मायरो में भी समिति की बहनों का सहयोग मिला। समिति की सरोज मित्तल, रंजू पटवारी, कांता मित्तल, प्रीति खेमका, बिमला जाजोदिया, सुमित्रा काबरा, सरला काबरा, अपर्णा, अलका, रेणु मोदी, नीलम जालान, उषा जालान, मधु अग्रवाल, विनीता शर्मा, मधु हरलालका, ममता, पुष्पा कयाल ने आज के कार्यक्रम को सफल बनाया।

मायुमं का एमवाईएमबीसीएल 3.0 संपन्न

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित एमवाईएमबीसीएल 3.0 मोहन मिल कम्पाउंड में 22, 23 और 24 मई को आयोजित किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समाज के बड़े, बच्चों और बुजुर्गों ने इस खेल स्पर्द्धा में हिस्सा लिया। कुल 150 से भी ज्यादा खिलाड़ी और 18 टीमों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। सभी ने खेल भावना एवं नीति नियमों का पालन करते हुए खेल भावना का अद्भुत परिचय दिया। 24 मई को पूर्व अध्यक्ष राजेश पारीक के पिता के आकस्मिक निधन पर खेल को विराम दिया गया तथा उनके दाह संस्कार पश्चात खेल को फिर से प्रारंभ किया गया। अंत में टीम नो मर्सी जिनके मेंटर पंकज बैद और अंकित मंत्री हैं, विजयी रहे तथा महिलाओं में जागृति रॉक्स विजयी रही। सभी ने खेल प्रतियोगिता की बहुत सराहना की तथा आगे भी ऐसे आयोजन करते रहने की इच्छा जतायी।

मायरा भरने के लिए नरसी दास ने प्रभु से लगायी अरदास

गौशाला में आज भरा जाएगा नानी बाई का मायरा

गुवाहाटी, 29 मई (ख.सं.)। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान में चल रहे आठ दिवसीय नानी बाई रो मायरो संग भक्तमाल कथा के छठे दिन भक्त शिरोमणि सूरदास की भक्ति एवं नानी बाई रो मायरो प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन हुआ। व्यासपीठ पर विराजमान मुख्य कथा वाचक गौरव व्यास ने कथा को आगे बढ़ाते हुए भक्त शिरोमणि सूरदास महाराज के जीवन, उनकी कृष्ण भक्ति तथा उनकी अमर रचनाओं का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो उठे। उन्होंने बताया कि सूरदास महाराज का संपूर्ण जीवन भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम, वात्सल्य और भक्ति को समर्पित था। उनका जन्म रुनकता नामक गांव में हुआ था। वे जन्म से नेत्रहीन थे, किन्तु उनके हृदय में ज्ञान, भक्ति और अध्यात्म का अथाह सागर विद्यमान था। उन्होंने महाप्रभु वल्लभाचार्य की शरण ग्रहण की तथा अष्टछाप कवियों में प्रमुख स्थान प्राप्त किया। सूरदास ने अपने जीवन का अधिकांश समय ब्रजभूमि में

व्यतीत करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अद्भुत वर्णन किया। कथा के दौरान व्यास ने सूरदास के प्रसिद्ध पद मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके नटखट स्वरूप का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत किया। इस प्रसंग को सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। व्यास ने आगे बताया कि सूरदास की प्रमुख रचना सूरसागर को हिंदी साहित्य का महाकाव्य माना जाता है। इसके अतिरिक्त सूरसारावली एवं साहित्य-लहरी भी उनकी अत्यंत प्रसिद्ध एवं महत्वपूर्ण कृतियां हैं, जिनमें भक्ति, प्रेम और अध्यात्म का अद्भुत समावेश देखने को मिलता है। इसी क्रम में नानी बाई रो मायरो कथा का भी मार्मिक प्रसंग प्रस्तुत किया गया। व्यास ने नरसी और नानी बाई के बीच हुए भावनात्मक संवाद का वर्णन करते हुए बताया कि नरसी ने अपनी पुत्री नानी बाई के मायरे को भरने के लिए ठाकुर से विनम्र प्रार्थना की। इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भक्ति, विश्वास और भगवान के प्रति समर्पण का संदेश दिया। आयोजकों ने बताया कि कल गौशाला प्रांगण में नानी बाई का मायरा भरा जाएगा। आयोजन समिति के सुरेंद्र लाठ ने बताया कि कथा के छठे दिवस पंडित प्रकाश शास्त्री की देखरेख में समिति के सदस्य रेणु-संतोष चौधरी, कृष्ण सुरेश सोनी द्वारा दैनिक पूजा करायी गयी। वही गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज डॉ. अशोक कुमार धानुका ने व्यास पीठ की पूजा अर्चना कर महाराज से आशीर्वाद लिया।

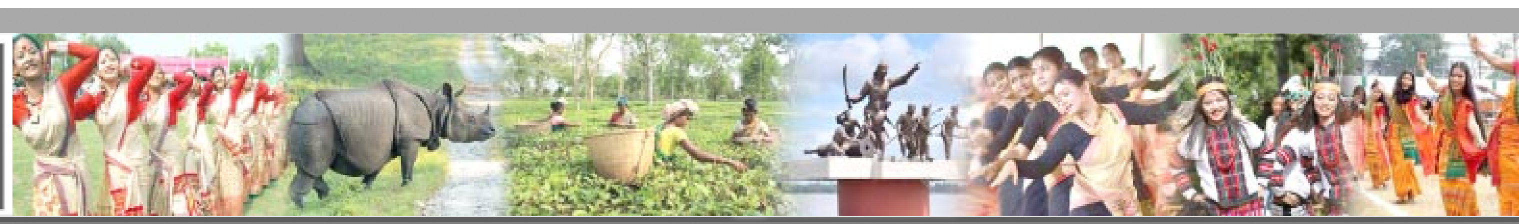

प्रातः खबर
शनिवार, 30 मई 2026

डीसी ने की जिला निगरानी समिति के साथ समीक्षा बैठक

रंगिया, 29 मई (ख.सं)। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता और निगरानी समिति की एक समीक्षा बैठक आज अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित की गयी। इस बैठक में बोको-छयगांव निर्वाचन क्षेत्र के विधायक राजू मेष, पलाशबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हिमांशु शेखर वैश्य और कामरूप के जिला आयुक्त देब कुमार मिश्र उपस्थित थे। बैठक में गृह दौरे (होम विजिट) की स्थिति और मूल्यांकन दक्षता। आभा कार्ड और अपार आईडी की प्रगति। पोषण अभियान के तहत 21 दिनों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति।-1 और के प्रथम एवं द्वितीय चरण के कार्यों की प्रगति आदि महत्वपूर्ण विषयों की अग्रगति पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में दोनों विधायकों ने चल रहे सभी कार्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सभी योजनाओं और पहलों को सुचारू रूप से लागू करने तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को चर्चा किए गए विषयों पर सक्रियता से काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकारी योजनाओं और सेवाओं के प्रति जनता में अधिक जागरूकता पैदा करने पर विशेष बल दिया। बैठक में कामरूप की अतिरिक्त जिला आयुक्त गीताश्री लाचित, जिला समाज कल्याण अधिकारी भूपेन भट्टाचार्य, सभी खंड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी और कामरूप जिले के अंतर्गत विधायकों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सिलचर में 18 करोड़ की याबा टैबलेट जब्त

सिलचर, 29 मई (ख.सं)। कल रात नारकोटिक्स के गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन के बारे में भरोसेमंद इनपुट पर कार्रवाई की गयी। नाका चेकिंग के दौरान मिजोरम की तरफ से आ रही एक महिंद्रा गाड़ी को रोका गया। अलग-अलग गवाहों की मौजूदगी में और वीडियोग्राफी के तहत गाड़ी की तलाशी लेने पर, ये सामान बरामद और जब्त किये गये। इनमें 60,000 संदिग्ध टैबलेट, एक मोबाइल किट में मेथामफेटामाइन पॉजिटिव पाया गया। पकड़े गये लोगों की पहचान नगामलेन (44), जाओलेन कुम्बीपुखरू के रूप में की गयी। ये दोनों मणिपुर के चुराचानपुर के निवासी बताये जाते हैं। जब्त याबा टैबलेट की कीमत 18 करोड़ रुपये आंकी गयी है।

तालाब में गिरने से एक की मौत

रंगिया, 29 मई (नि.सं)। रंगिया के कररा गढ़भीतर में एक हृदय विदारक घटना सामने आयी है। सड़क किनारे स्थित तालाब में गिरने से तपन कलिता की मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि कल रात लगभग 10.30 बजे तपन कलिता अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क से सटे तालाब में गिर जाने से उनकी दर्दनाक मौत हो गयी। लगभग 20 फीट गहरे इस तालाब में न तो कोई गार्ड वॉल थी और न ही किसी प्रकार की फेंसिंग की व्यवस्था। खुले पड़े इस तालाब की खुदाई फोकलैंडर मशीन से की गयी थी। आरोप है कि तालाब के मालिक नृपेन कलिता ने लापरवाही बरतते हुए इस खतरे को अनदेखा किया है। ग्रामीणों ने कई बार नृपेन कलिता से सुरक्षा व्यवस्था करने की गुहार लगायी थी लेकिन उन्होंने ग्रामीणों की बातों को नजरअंदाज कर दिया। दुर्भाग्यपूर्ण इस घटना के बाद तपन कलिता के घर में शोक का माहौल है।

अवैध रूप से साल के पेड़ काटने के आरोप में नेता अबुल शेख गिरफ्तार

कोकराझाड़, 29 मई (ख.सं)। कोकराझाड़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए (विलेज काउंसिल डेवलपमेंट कमेटी) के अध्यक्ष और (बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट) के केंद्रीय सांगाठानिक सचिव अबुल शेख को गिरफ्तार किया है। आरोपी अबुल शेख को (बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल) के कार्यकारी सदस्य मुनमुन ब्रह्मा का करीबी माना जाता है। पुलिस के अनुसार अबुल शेख पर पर्वतझोरा अनुमंडल के महामाया वन क्षेत्र में बेशकीमती साल के पेड़ों की अवैध कटाई में संलिप्त होने का गंभीर आरोप है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गुरुवार रात उसे बगरीबारी से गिरफ्तार किया। आज दोपहर उसे कोकराझाड़ सदर थाने लाया गया। अबुल शेख न केवल लकड़ी की तस्करी, बल्कि पहाड़ियों से अवैध रूप से लाल मिट्टी खोदने और उसकी तस्करी के रैकेट में भी शामिल रहा है।

बारीकनगर में गौहत्या का आरोप, 5 गिरफ्तार

सिलचर, 29 मई (ख.सं)। गौहत्या के आरोपों को लेकर इलाके में तीव्र तनाव व्याप्त है। बजरंग दल ने आरोप लगाया है कि कल गुपचुप तरीके से गौहत्या की गयी। खबर फैलते ही इलाके में हलचल मच गयी और संगठन के सदस्य घटनास्थल पर जमा हो गये। बजरंग दल का दावा है कि ईद-उल-अजहर की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता विश्व शर्मा के आदेश पर कुछ मुस्लिम संगठनों ने गौहत्या न करने का आह्वान किया था, लेकिन यह घटना बारिकनगर क्षेत्र में गुपचुप तरीके से अंजाम दी गयी। संगठन ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी और अनुकरणीय सजा की भी मांग की है। स्थिति बिगड़ने पर घुंघुर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों और कछार जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। कानून व्यवस्था को नियंत्रण में रखने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किये गये है पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना में संलिप्तता के संदेह में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण है। पुलिस किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रख रही है।

विधायक कौशिक राय को सिलचर सपोर्टिंग कल्ब ने किया सम्मानित

सिलचर, 29 मई (ख.सं)। बराकघाटी के सबसे पुराने खेल संगठन, सिलचर स्पोर्टिंग क्लब ने नव निर्वाचित विधायक और असम सरकार के पूर्व मंत्री कौशिक रॉय से शिष्टाचार भेंट की और उनका हार्दिक स्वागत एवं शुभकामनाएं दीं। आज क्लब के अधिकारी विधायक के बारासांगन स्थित आवास पर उनसे मिलने गये और उन्हें क्लब की 90वीं वर्षगांठ के समारोह में आमंत्रित किया। इस दिन क्लब अध्यक्ष डॉ. अनुप कुमार रॉय ने विधायक को सूचित किया कि ब्रिटिश काल में स्थापित सिलचर स्पोर्टिंग क्लब इस वर्ष 90 वर्ष का हो गया है। उन्होंने बताया कि वे इसके 90 वर्षों के लंबे इतिहास का जश्न मनाना चाहते हैं और इसके लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सिलचर स्पोर्टिंग क्लब की स्थापना ब्रिटिश काल में इंडिया क्लब के बाद हुई थी और बाद में टाउन क्लब का गठन हुआ। अध्यक्ष अनुप रॉय ने विधायक को बताया कि ये तीनों क्लब ब्रिटिश काल में स्थापित हुए थे और आज भी खेल जगत के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। जब विधायक कौशिक रॉय को पता चला कि सिलचर स्पोर्टिंग बराक घाटी में ब्रिटिश काल में स्थापित दूसरा सबसे पुराना खेल संगठन है, तो वे क्लब से संबंधित विभिन्न मामलों को लेकर बेहद उत्साहित हुए। विधायक राय ने चालीस मिनट तक सौहार्दपूर्ण माहौल में सिलचर में खेल जगत से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें मैदान की वर्तमान स्थिति, मैदान का स्थान, मैदान के आसपास की परिस्थितियां और क्लब से जुड़े पूर्व अधिकारियों के विचार शामिल थे। उन्होंने क्लब के विकास में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इसी दौरान, क्लब के अधिकारियों ने भी आशा व्यक्त की कि कौशिक रॉय को असम मंत्रिमंडल के विस्तार में अवश्य शामिल किया जाएगा और उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दीं। यह उल्लेखनीय है कि उस दिन के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष डॉ. अनुप कुमार रॉय के अलावा महासचिव सिद्धार्थ खान, उपाध्यक्ष निर्मल दास, कोषाध्यक्ष सत्यजीत दास, 90वीं वर्षगांठ समारोह स्वागत समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ सदस्य मुलचंद वैद्य, कार्यकारी समिति के सदस्य सुदीप रॉय चौधरी और रामकृष्ण पाल भी उपस्थित थे।

जनगणना 27 के पहले चरण का प्रशिक्षण शुरू

रंगिया, 29 मई (ख.सं)। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना से संबंधित एक जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पिछले 27 मई से गुवाहाटी बायोटेक पार्क के सभागार में तीन दिनों के लिए आयोजित किया गया है, जो आगामी 30 मई को समाप्त होगा। आगामी जनगणना को सुचारू रूप से संपन्न करने के उद्देश्य से कामरूप जिला जनगणना कार्यालय द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त विक्रम छेत्री, मोनिका बरगोहाईं, रंगिया की सह-जिला आयुक्त मृदुस्मिता बोरा, बोको-छयगांव के सह-जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज, पलाशबाड़ी के सह-जिला आयुक्त भास्करज्योति कलिता के साथ-साथ एनआईसी के जिला सूचना अधिकारी मृदुल डेका और जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में मकान सूचीकरण और जनगणना कार्य, डेटा संग्रह के तरीके, डिजिटल गणना प्रणाली और जनगणना 2027 के पहले चरण को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए आवश्यक समन्वय व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गयी। प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की जनगणना का कार्य आगामी 17 अगस्त से 15 सितंबर तक संपन्न होगा। दूसरी ओर जनसंख्या गणना का कार्य 2027 के फरवरी महीने से शुरू होगा। इस बार की जनगणना की एक विशेष विशेषता यह है कि देश में पहली बार डिजिटल पद्धति से जनगणना आयोजित की जाएगी। स्मार्टफोन और सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से डेटा एकत्र किया जाएगा और परिवार वेब पोर्टल के माध्यम से अपनी स्व-गणना कर सकेंगे।

रंगिया सिविल अस्पताल में फिर से चोरी की घटना

रंगिया, 29 मई (नि.सं)। रंगिया के राजकीय चिकित्सालय में पुनः चोरी की घटना होने की जानकारी प्रकाश में आयी है। इस बार चोरों की नजर एसी से जुड़े इस्तेमाल किये गये तारों पर पड़ी। तार चोरी होने के बाद जबसे अस्पताल प्रबंधन को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद से अस्पताल में ऑपरेशन का कार्य प्रभावित हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही रंगिया के गैर-राजनीतिक संगठन नागरिक मंच का एक प्रतिनिधिमंडल अस्पताल पहुंचा और इस विषय पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के साथ-साथ अस्पताल प्रशासन से बातचीत की। उल्लेखनीय है कि रंगिया सिविल अस्पताल में इस तरह की चोरी की घटनाएं लगातार होती रही हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा कई बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। इस बार भी घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस के पास लिखित शिकायत दर्ज करायी है। अस्पताल प्रबंधन और नागरिक मंच के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने और अधिक गंभीरता से पेट्रोलिंग करने की मांग की है। साथ ही अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया गया है।

फुटबॉल खेलते समय पानी में डूबने से दो छात्रों की गयी जान

हैलाकांदी, 29 मई (ख.सं)। हैलाकांदी जिले के पांचग्राम थानांतर्गत चिपसांगन गांव में फुटबॉल खेलते समय पानी में डूबने से दो स्कूली छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। कल शाम हुई इस दुखद घटना से स्थानीय निवासी परिजन और सहपाठी स्तब्ध हैं। मृत दोनों छात्रों की पहचान अनुपम सिन्हा और अभिनव सिन्हा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों अपने दोस्तों के साथ गांव के मैदान में फुटबॉल खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद पास के एक गहरे जलाशय में चली गयी। गेंद निकालने के लिए सबसे पहले अनुपम सिन्हा पानी में उतरा, लेकिन जलाशय अधिक गहरा होने के कारण वह डूबने लगा। अपने मित्र को संकट में देखकर अभिनव सिन्हा उसे बचाने के लिए पानी में कूद पड़ा परंतु वह भी गहरे पानी में डूब गया।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर काफी प्रयास के बाद दोनों किशोरों को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पांचग्राम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हैलाकांदी सिविल अस्पताल भेज दिया। आज पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। बाद में शोकाकुल परिवार और रिश्तेदारों की उपस्थिति में दोनों छात्रों का अंतिम संस्कार किया गया। परिवार सूत्रों के अनुसार अनुपम सिन्हा पांचग्राम के कैम्ब्रिज स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता का नाम असीम सिन्हा है और उनका घर कछार जिले के पूर्व शिंगारी क्षेत्र में है। वहीं अभिनव सिन्हा जवाहर नवोदय विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता सुकांत सिन्हा हैं और उनका घर चिपसांगन गांव में स्थित है।दो प्रतिभाशाली छात्रों की असमय मृत्यु से चिपसांगन और पांचग्राम क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। स्कूल के शिक्षक, छात्र और स्थानीय निवासी इस घटना से बेहद दुखी हैं।

रंगिया के हिंदू उपासना स्थल के समीप फेंकी गयी आपत्तिजनक सामग्री

रंगिया, 29 मई (नि.सं)। रंगिया में एक बार फिर सनसनी फैल गयी है। रंगिया पुलिस थाना क्षेत्र के भेहबारी में एक विवादित घटना सामने आयी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि श्रीश्री भैरवेश्वरी मंदिर के पानी भरने वाले घाट पर आपत्तिजनक सामग्री फेंकी गयी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गयी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रतिबंधित गो-मांस को इस घाट पर फेंका गया था। इस घटना को लेकर जागरूक नागरिकों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हिंदू उपासना स्थल के समीप इस प्रकार आपत्तिजनक सामग्री फेंके जाने को लेकर पूरे रंगिया क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

वरिष्ठ शिक्षक चित्तरंजन दास को दी गयी विदाई

लमडिंग, 29 मई (ख.सं)। लमडिंग के शास्त्रीगांव स्थित हातीखाली एनसी प्राइमरी स्कूल में कल एक भावुक एवं गरिमामयी वातावरण के बीच विद्यालय के प्रधानाध्यापक चित्तरंजन दास को उनकी दीर्घ एवं समर्पित सेवाओं के उपरांत सम्मानपूर्वक विदाई दी गयी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, अभिभावक, स्थानीय गणमान्य नागरिक तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। चित्तरंजन दास ने 1 अक्तूबरे 1993 को अपने शिक्षकीय जीवन की शुरुआत की थी। तीन दशकों से अधिक लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय निष्ठा, कर्तव्यपरायणता एवं ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कीं। वे केवल एक शिक्षक तक सीमित नहीं रहे, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक विकास एवं सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय परिसर में आयोजित विदाई एवं सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने चित्तरंजन दास के योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने विनम्र व्यवहार, अनुशासित कार्यशैली तथा शिक्षण के प्रति अटूट समर्पण से विद्यालय को नई पहचान दिलाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में अनेक विद्यार्थियों ने शिक्षा एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित की। समारोह के दौरान कई छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक भावुक हो उठे।

एनटीपीसी बंगाईगांव को मिली दोहरी राष्ट्रीय उपलब्धि

सुरक्षा व सीएसआर क्षेत्र में मिला सम्मान

कोकराझाड़, 29 मई (ख.सं)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने परिचालन उत्कृष्टता, कार्यस्थल सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किये हैं। यह सम्मान संस्थान के सतत प्रयासों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है। उत्कृष्टता पुरस्कार में स्वर्ण की चमक संस्थान को इंटरनेशनल बिजनेस कॉन्फ्रेंस द्वारा एक्सीलेंस अवार्ड 2026 के गोल्ड कैटेगरी से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया है। एनटीपीसी बंगाईगांव की ओर से यह सम्मान एजीएम (सुरक्षा) राजीव रंजन ने ग्रहण किया। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को नयी दिशा, मिला 12वां ग्रीनटेक सीएसआर पुरस्कार अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका को और मजबूत करते हुए एनटीपीसी बंगाईगांव को स्वास्थ्य सेवा संवर्धन (ग्रामीण) श्रेणी में 12वां ग्रीनटेक सीएसआर पुरस्कार 2026 प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और सामुदायिक कल्याण के लिए किये गये सराहनीय कार्यों को मान्यता देता है। यह सम्मान सीएसआर विभाग की कार्यकारी स्मृति दास ने प्राप्त किया। प्रमुख ने टीम की सराहना की पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, इन्हें एनटीपीसी बंगाईगांव के परियोजना प्रमुख अर्नब मैत्रा को सौंपा गया। मैत्रा ने सुरक्षा और सीएसआर टीमों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमारे कर्मचारियों और हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने सभी से भविष्य में भी सुरक्षा मानकों, पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक कार्यों में उत्कृष्टता के साथ काम करने का आग्रह किया। ये सम्मान एनटीपीसी बंगाईगांव की कार्यक्षमता और एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में राष्ट्र के विकास में योगदान देने के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

एनटीपीसी बंगाईगांव ने किया मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन

कोकराझाड़, 29 मई (ख.सं)। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और युवा शिक्षार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत एनटीपीसी बंगाईगांव ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत कोकराझाड़ के सलाकाटी एमई स्कूल में मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन सुप्रवा रॉय, एसीएस, अतिरिक्त जिला आयुक्त, कोकराझाड़ ने रिजु दत्ता, सचिव, सेवा भारती पूर्वांचल, मधुरज्या सिंघा लाहकर, डीजीएम (कॉर्पोरेट संचार), एनटीपीसी बंगाईगांव, संदिता ब्रह्म, प्रधानाचार्य, सलाकाटी एमई स्कूल, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, सेवा भारती पूर्वांचल के प्रतिनिधियों, शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों की उपस्थिति में किया। लगभग 58 लाख की लागत से कार्यान्वित इस परियोजना का उद्देश्य व्यावहारिक और गतिविधि-आधारित शिक्षा को सीधे विद्यालयों तक पहुंचाकर विज्ञान शिक्षा को सुदृढ़ करना है। इस पहल का लक्ष्य सैद्धांतिक कक्षा शिक्षण और व्यावहारिक प्रयोगों के बीच के अंतर को कम करना है, विशेष रूप से उन शिक्षण संस्थानों में जहां प्रयोगशाला सुविधाएं सीमित हैं। इस कार्यक्रम का पहला चरण कोकराझार जिले में शुरू हो चुका है और इसके बाद चिरांग और बंगाईगांव जिलों के स्कूलों में भी इसे लागू किया जाएगा। एक वर्ष के भीतर, मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला 60 स्कूलों तक पहुंचेगी और उम्मीद है कि इंटरैक्टिव प्रदर्शनों, वैज्ञानिक प्रयोगों और पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से लगभग 30,000 छात्रों को लाभ होगा। वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोग किट और शैक्षिक उपकरणों से सुसज्जित, मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला को विज्ञान सीखने को अधिक आकर्षक, सुलभ और आनंददायक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पहल से छात्रों में जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं की उनकी समझ में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर बोलते हुए सुप्रवा रॉय ने इस पहल के लिए एनटीपीसी बंगाईगांव की सराहना की और छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक विज्ञान से प्रारंभिक परिचय जिज्ञासा, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल को प्रेरित कर सकता है, जिससे छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में भविष्य के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। सेवा भारती पूर्वांचल के प्रतिनिधियों ने परियोजना के संचालन ढांचे की व्याख्या की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला ग्रामीण और अर्ध-शहरी विद्यालयों के छात्रों को वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यवहार में देखने और प्रयोगों में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाएगी, जिससे कक्षा में सीखने की प्रक्रिया समृद्ध होगी। उद्घाटन कार्यक्रम में असम के सेवा भारती पूर्वांचल के सचिव रिजु दत्ता, एनटीपीसी बंगाईगांव के डीजीएम (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) मधुरज्या सिंघा लहकर, सलाकाटी एमई स्कूल की प्रिंसिपल संदिता ब्रह्म, शिक्षा विभाग के अधिकारी, सेवा भारती पूर्वांचल के प्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र और स्थानीय समुदाय के सदस्य उपस्थित थे। गणमान्य व्यक्तियों ने छात्रों से बातचीत की और विश्वास व्यक्त किया कि मोबाइल साइंस लैब पूरे क्षेत्र के युवा शिक्षार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने में सहायक होगी। एनटीपीसी बंगाईगांव की सीएसआर पहलों में शिक्षा प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक है। मोबाइल साइंस लैब जैसी परियोजनाओं के माध्यम से एनटीपीसी बंगाईगांव छात्रों के लिए सार्थक सीखने के अवसर पैदा करता है और ज्ञान, नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से भावी पीढ़ियों के लिए एक मजबूत नींव बनाने में योगदान देता है।

आईएलपी मुद्दों पर खांडू सरकार ने गठित की उच्चस्तरीय कमेटी

इटानगर, 29 मई (एजें)। पेमा खांडू ने आज घोषणा की कि अरुणाचल प्रदेश सरकार एपीएसटी प्रमाणपत्रों की समीक्षा करने, गैर-एपीएसटी संतानों से संबंधित मुद्दों की जांच करने, इनर लाइन परमिट (आईएलपी) ढांचे को मजबूत करने और राज्य में घुसपैठ की जांच करने के लिए चार उच्चाधिकार प्राप्त समितियों का गठन करेगी। हितधारकों द्वारा उठायी गयी प्रमुख मांगों पर अरुणाचल इंडिजिनस ट्राइब्स फोरम (एआईटीएफ), समुदाय-आधारित संगठनों, ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन (एएपीएसयू), एसटी बचाओ आंदोलन समिति, सरकारी अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया गया। बैठक के बाद खांडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज चार उच्चाधिकार प्राप्त समितियों के गठन पर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, समितियां मुद्दों की विस्तार से जांच करेंगी और उचित उपाय सुझाएंगी। पैनल के गठन

की आधिकारिक अधिसूचना सोमवार तक जारी होने की उम्मीद है। समितियां अलग से अरुणाचल प्रदेश अनुसूचित जनजाति (एपीएसटी) प्रमाणपत्रों के पुनः सत्यापन, गैर-एपीएसटी संतानों से संबंधित मुद्दों, आईएलपी दिशानिर्देश 2026 की समीक्षा सहित आईएलपी तंत्र को मजबूत करने और घुसपैठ से संबंधित चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करेंगी। खांडू ने कहा कि प्रत्येक समिति का नेतृत्व एक कैबिनेट मंत्री करेगा और इसमें समावेशी और कार्य-उन्मुख प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एआईटीएफ, एएपीएसयू, एसटी बचाओ आंदोलन समिति के प्रतिनिधि, कानूनी विशेषज्ञ, अनुसंधान विद्वान और महिला प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह कदम राज्य सरकार और हितधारकों के बीच आयोजित परामर्शों की एक शृंखला के बाद उठाया गया है, जिसमें 27 मई को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक और शुक्रवार को नागरिक सचिवालय में एक और परामर्श सत्र शामिल है। समितियों को छह महीने के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, हालांकि क्षेत्रीय अध्ययन और हितधारक परामर्श के आधार पर समयसीमा बढ़ायी जा सकती है। प्रक्रिया की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए समितियों के कार्य के दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में तीन समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। आईएलपी शासन के मजबूत कार्यान्वयन और आदिवासी पहचान, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न समुदायों की स्थिति से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए स्वदेशी समूहों की बढ़ती मांगों के बीच यह विकास हुआ है।

बांग्लादेश को अभी भी 2,680 अवैध प्रवासी मामलों का करना है सत्यापन : विदेश मंत्रालय

इटानगर, 29 मई (एजें.)। भारत ने आज कहा कि देश में रहने वाले सभी अवैध विदेशी नागरिकों से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा, जबकि यह ध्यान दिया गया कि निर्वासन से जुड़े हजारों मामलों में बांग्लादेश से राष्ट्रीयता सत्यापन लंबित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत पहले ही राष्ट्रीयता के सत्यापन के लिए 2,680 से अधिक मामलों को बांग्लादेश भेज चुका है। जयसवाल ने कहा कि भारत में रहने वाले सभी अवैध नागरिकों से कानून के अनुसार निपटा जाएगा। बांग्लादेश के मामले में, हमने राष्ट्रीयता सत्यापन के लिए 2,680 से अधिक मामलों को बांग्लादेशी पक्ष को भेजा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश द्वारा सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद बांग्लादेशी नागरिकों का निर्वासन आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एक बार यह राष्ट्रीयता सत्यापन हो जाने के बाद हम बांग्लादेश के इन नागरिकों को निर्वासित करने की स्थिति में होंगे। जयसवाल ने आगे कहा कि ऐसे कई सत्यापन अनुरोध पांच वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं और उन्होंने बांग्लादेश से शीघ्र प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि कई मामलों में, ये सत्यापन पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं। हमारी उम्मीद है कि हमें बांग्लादेश से शीघ्र प्रतिक्रिया मिलेगी, ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत, इन लोगों को बांग्लादेश वापस भेजा जा सके। यह टिप्पणी असम और त्रिपुरा सहित कई पूर्वोत्तर राज्यों में अवैध आव्रजन और सीमा प्रबंधन के मुद्दों पर बढ़ते राजनीतिक और प्रशासनिक फोकस के बीच आयी है।

मेघालय में रास चुनाव 18 को, नामांकन प्रक्रिया एक से

शिलांग, 29 मई (एजें.)। भारत निर्वाचन आयोग के द्विवार्षिक चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, मेघालय 18 जून को अपने राज्यसभा प्रतिनिधि का चुनाव करेगा, उसी दिन मतदान और मतगणना पूरी होनी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीडीआर तिवारी ने घोषणा की कि चुनाव अधिसूचना 1 जून को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन 8 जून तक दाखिल किये जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी और उम्मीदवारों को अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए 11 जून तक का समय होगा। 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होना है, उसके बाद शाम 5 बजे गिनती होगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक समाप्त होने की उम्मीद है। चुनाव से पहले, तिवारी ने शिलांग में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उन्हें चुनाव कार्यक्रम, नामांकन आवश्यकताओं और मतदान प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गयी। अधिकारियों ने एकल हस्तांतरणीय मत

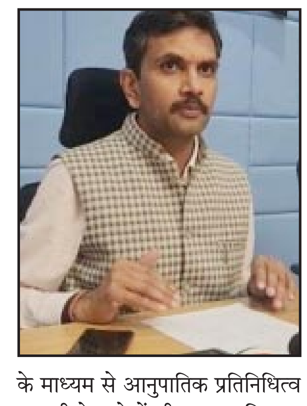

के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के बारे में भी बताया, जिसका उपयोग राज्यसभा चुनावों के लिए किया जाता है। राजनीतिक दलों को सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप उम्मीदवारों के आपराधिक इतिहास का अनिवार्य खुलासा करने की याद दिलायी गयी। चुनाव अधिकारियों ने विधायकों के लिए मतदान नियम भी स्पष्ट किये। राजनीतिक दलों से संबंधित विधायक अपने चिह्नित मतपत्र केवल अपनी पार्टी के अधिकृत एजेंट को दिखा सकते हैं, जबकि स्वतंत्र विधायकों को अपने मतपत्र किसी भी एजेंट को दिखाने की मनाही है। बैठक के दौरान, चुनाव अधिकारियों ने मतदाता प्राथमिकताओं को दर्ज करने, मतपत्र की वैधता, वोटों की गिनती और विजयी कोटा की गणना से संबंधित प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार की। राजनीतिक दलों को नामांकन के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी दी गयी, जिसमें शपथ पत्र, पार्टी प्राधिकरण फॉर्म और सुरक्षा जमा शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, राज्यसभा चुनाव की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं, जिसमें सुचारू और पारदर्शी मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्थल निरीक्षण और हितधारकों के साथ समन्वय शामिल है। ईसीआई ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट के लिए भी राज्यसभा चुनाव होंगे। आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटों, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तीन-तीन सीटों और झारखंड में दो सीटों पर चुनाव होने हैं।

टिपरा मोथा के एक विधायक ने की शाह को पत्र लिखकर त्रिपुरा में घुसपैठ रोकने की अपील

अगरतला, 29 मई (भा)। टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के विधायक रंजीत देबबर्मा ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे त्रिपुरा में अवैध प्रवासियों का पता लगाने, उन्हें हिरासत में लेने और वापस भेजने की अपील की। शाह को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों का मुद्दा देश की आंतरिक सुरक्षा और संप्रभुता के लिए अत्यंत संवेदनशील एवं खतरनाक है। उन्होंने राज्य के बाहर से आने वालों के लिए इनर लाइन परमिट लागू करने के वास्ते केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि कमजोर प्रशासन तथा बेईमान नेताओं और अधिकारियों की प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष मदद का फायदा उठाते हुए अवैध विदेशी राज्य में प्रवेश कर रहे हैं। देबबर्मा ने दावा किया कि त्रिपुरा में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में प्रवेश करने वाले अधिकतर अवैध प्रवासी कई राज्यों में जाकर अशांति फैला रहे हैं। टीएमपी विधायक ने आरोप लगाया है कि कुछ अवैध प्रवासी रोजी-रोटी कमाने के लिए काम करते हैं, लेकिन कुछ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं। देबबर्मा ने दावा किया कि घुसपैठिए सीमावर्ती राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना को बदल रहे हैं, बेरोजगारी और भूमि संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं तथा सीमा पार अपराध में लिप्त हैं। विधायक ने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में किसी भी सरकारी तंत्र ने अवैध प्रवासियों के इतने संवेदनशील मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की है। मैं केंद्र और राज्य सरकार को घुसपैठ रोकने के उद्देश्य से सीमावर्ती राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लागू करने के लिए लिख चुका हूं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे पर उच्चस्तरीय समिति गठित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रशंसा की तथा इसे कानून व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा बनाये रखने के लिए उठाया गया एक समयोचित कदम बताया। देबबर्मा ने पांच जून को राज्य के प्रस्तावित दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात करने की भी इच्छा व्यक्त की।

अट्ठारह करोड़ मूल्य की 60 हजार संदिग्ध याबा गोलियों के साथ गिरफ्तार

इंफाल, 29 मई (एजें.)। पुलिस ने मिजोरम और मणिपुर को जोड़ने वाले मार्ग पर नाका चेकिंग के दौरान एक वाहन को रोककर काले बाजार में लगभग 18 करोड़ रुपये मूल्य की 60,000 संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त कीं। मिजोरम की ओर से आ रही पंजीकरण संख्या एएस-12यू-7746 वाली एक महिंद्रा बोलेरो को स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में और वीडियोग्राफी के बीच रोका गया और तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने 60,000 संदिग्ध याबा टैबलेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया। ड्रग डिटेक्शन किट (डीडीके) का उपयोग करके प्रारंभिक परीक्षण से जब्त की गयी गोलियों में मेथामफेटामाइन की उपस्थिति का संकेत मिला। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के जाओलेन कुंबीपुखरू गांव के निवासी नगमलेन (44) के रूप में पहचाने जाने वाले एक व्यक्ति को जब्ती के सिलसिले में पकड़ा गया था। पुलिस ने कहा कि आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गयी है, और खेप के स्रोत और इच्छित गंतव्य का निर्धारण करने के लिए जांच जारी है।

अरूणाचल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की 18 के रास चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

इटानगर, 29 मई (भा)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पवन कुमार सैन ने राज्यसभा के आगामी द्विवार्षिक चुनाव की तैयारियों की आज समीक्षा की और अधिकारियों को सुचारू, पारदर्शी और कुशल चुनाव के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सैन ने यहां निर्वाचन भवन में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा और सूचना एवं जनसंपर्क (आईपीआर) विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए चुनाव कार्यक्रम और विभिन्न विभागों की प्रमुख जिम्मेदारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि राज्य से एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए मतदान 18 जून को होगा और चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव इसलिए कराया जा रहा है क्योंकि अरुणाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले एक राज्यसभा सदस्य का कार्यकाल 23 जून को समाप्त हो रहा है। सैन ने बताया कि चुनाव की अधिसूचना एक जून को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आठ जून है। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को होगी और उम्मीदवार 11 जून तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से अपराह्न चार बजे तक होगा, जिसके बाद उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना होगी। सैन ने बताया कि विधानसभा के सचिव को निर्वाचन अधिकारी और उप सचिव को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। अधिकारियों की पूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने के लिए, सीईओ कार्यालय पांच जून को निर्वाचन अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी और मतदान एवं मतगणना कर्मियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

त्रिपुरा मजबूत डिजिटल शासन की ओर आगे बढ़ रहा है : मुख्य सचिव

अगरतला, 29 मई (एजें.)। जितेंद्र कुमार सिन्हा ने 29 मई को कहा कि त्रिपुरा सरकार ने राज्य भर में डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने और ई-गवर्नेंस का विस्तार करने के लिए कई पहल की हैं। अगरतला के प्रज्ञा भवन में टेक इनेबल्ड नामक कार्यशाला के उद्घाटन पर बोलते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि इस तरह की पहल डिजिटल प्रशासन को सशक्त बनाने और प्रशासनिक दक्षता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यशाला का आयोजन त्रिपुरा सरकार के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सेवा निगमित (एनआईसीएसआई) द्वारा किया गया था। सिन्हा ने कहा कि राज्य प्रशासन के कई क्षेत्रों में डिजिटलीकरण पहले ही लागू किया जा चुका है और एक ई-गवर्नेंस प्रणाली वर्तमान में कैबिनेट स्तर से लेकर ग्राम पंचायतों तक चालू है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने डिजिटल प्रशासन बनाने के लिए राज्य, जिला और उप-विभागीय स्तरों पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली शुरू की है। बिजली क्षेत्र में ई-बिलिंग और स्वास्थ्य क्षेत्र में ई-अस्पताल सेवाएं भी शुरू की गयी हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण से समय बचाने और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता में सुधार करने में मदद मिली है। मुख्य सचिव ने आगे कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में त्रिपुरा वर्तमान में पूर्वोत्तर राज्यों में एक मजबूत स्थिति रखता है और विश्वास व्यक्त किया कि प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएं विभिन्न विभागों की दक्षता को और बढ़ाएंगी। कार्यक्रम में आलोक तिवारी ने कहा कि डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी-संचालित शासन प्रणालियों का समर्थन करने के लिए टेक इनेबल्ड पहल शुरू की गयी थी।

इंफाल पश्चिम में बड़े पैमाने पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ शुरू

इंफाल, 29 मई (एजें.)। जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), इंफाल पश्चिम के कार्यालय ने 29 मई को मतदाता सूची, 2026 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मीडिया को जानकारी दी, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची में अपात्र व्यक्तियों के प्रवेश को रोकते हुए सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करना सुनिश्चित करना है। लाम्फेलपत में डीसी इंफाल पश्चिम कार्यालय परिसर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उपायुक्त और जिला चुनाव अधिकारी मायांगलंबम राजकुमार सिंह ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग ने 1 जुलाई, 2026 को योग्यता तिथि के रूप में मणिपुर में चरण- के हिस्से के रूप में अभ्यास का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि अभ्यास का प्रारंभिक चरण 20 मई को शुरू हुआ और 29 मई को समाप्त होगा, जिसके बाद बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) जिले भर में 30 मई से 28 जून तक व्यापक घर-घर दौरे करेंगे। इसी अवधि के दौरान मतदान केंद्रों का युक्तिकरण भी किया जाएगा। डीईओ के अनुसार, मतदाता सूची का प्रारूप 5 जुलाई को प्रकाशित किया जाएगा, जबकि दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 4 अगस्त तक जारी रहेगी। दावे और आपत्तियों का निपटारा 2 सितंबर तक पूरा किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची 6 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। इंफाल पश्चिम में एसआईआर अभ्यास में 3,90,196 मतदाता शामिल होंगे, जिनमें 1,85,005 पुरुष मतदाता, 2,05,093 महिला मतदाता और 98 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। सुचारू कार्यान्वयन के लिए 13 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 13 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और 530 बीएलओ तैनात किये गये हैं। राजकुमार सिंह ने कहा कि बीएलओ दौरे के दौरान मतदाताओं को पहले से भरे हुए गणना फॉर्म की दो प्रतियां वितरित करेंगे और कहा कि फॉर्म को चुनाव आयोग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी डाउनलोड और जमा किया जा सकता है।

त्रिपुरा रेलवे स्टेशन पर 9 लाख रुपये के गांजे के साथ एक बंदी

अगरतला, 29 मई (एजें.)। अधिकारियों ने 29 मई को बताया कि त्रिपुरा पुलिस ने उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर रेलवे स्टेशन पर देर रात चेकिंग अभियान के दौरान कथित तौर पर लगभग 9 लाख रुपये की गांजा ले जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान स्वपन नाथ (35) के रूप में हुई है। डीएसपी मुकुलेंदु दास के अनुसार, जब भी ट्रेनें धर्मनगर शहर से प्रस्थान करती हैं तो पुलिस नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाती है। आज रात एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, एक व्यक्ति के गांजा ले जाने की सूचना मिलने पर पुलिस रेलवे स्टेशन पहुंची। संदिग्ध को स्टेशन पर हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ रखने की बात

स्वीकार की गयी। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 19 किलो गांजा बरामद कर नशीला पदार्थ जब्त कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, नाथ ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने धर्मनगर पहुंचने से पहले पश्चिम त्रिपुरा जिले के मोहनपुर से गांजा एकत्र किया था। अधिकारियों ने कहा कि जब्त किये गये गांजे की अनुमानित काला बाजारी कीमत लगभग 9 लाख रुपये है।

विधायक अभिषेक देबराय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में संभाला कार्यभार

अगरतला, 29 मई (एजें.)। माताबारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक अभिषेक देबराय ने 29 मई को आधिकारिक तौर पर त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नये अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया और संगठन को जमीनी स्तर से मजबूत करने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। कार्यभार ग्रहण

समारोह अगरतला में राज्य भाजपा कार्यालय में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और निवर्तमान राज्य भाजपा अध्यक्ष के साथ-साथ सांसद राजीव भट्टाचार्जी की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान देबराय ने औपचारिक रूप से भट्टाचार्जी से संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाली। पदभार संभालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए देबरॉय ने कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान भाजपा की विचारधारा और कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक ले जाना और हर स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ करीबी समन्वय के माध्यम से पार्टी की उपस्थिति को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का दृष्टिकोण और सिद्धांत समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी के महत्व पर बल दिया। खुद को एक युवा पार्टी कार्यकर्ता बताते हुए देबराय ने कहा कि वह अनुभवी नेतृत्व और युवा कार्यकर्ताओं को समान महत्व देते हुए वरिष्ठ और कनिष्ठ दोनों नेताओं के साथ समन्वय में काम करेंगे। उन्होंने राज्य में संगठन को और मजबूत करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से निरंतर समर्थन और सहयोग मांगा। अपनी नयी भूमिका में संभावित चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर, देबराय ने कहा कि उन्हें तत्काल किसी कठिनाई की आशंका नहीं है, उन्होंने हमेशा जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया है और समर्पण के साथ ऐसा करना जारी रखेंगे।

ब्रूस ली की फिल्म एंटर द ड्रैगन ने मुझे ताइक्वांडो सीखने की प्रेरणा दी : सीएम

इंफाल, 29 मई (भा)। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि अभिनेता ब्रूस ली की फिल्म एंटर द ड्रैगन ने उन्हें ताइक्वांडो सीखने के लिए प्रेरित किया। सिंह ने कल शाम यहां मणिपुरी फिल्म कार्यक्रम में कहा कि मैं यह बताना चाहता हूं कि सिनेमा इंसानों को प्रेरित कर सकता है। एक सरल उदाहरण यह है कि 1978/79 में जब ब्रूस ली की फिल्म एंटर द ड्रैगन आयी, तो इसने मुझे प्रेरित किया। मैं लखनऊ भी गया और ताइक्वांडो सीखा। सिंह (63) ने मणिपुरी फिल्मों के विकास के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया। वह 16 वर्ष की आयु से ही इस मार्शल आर्ट का अभ्यास कर रहे हैं। सिंह का राजनीति के अलावा ताइक्वांडो से भी गहरा जुड़ाव रहा है। वह ब्लैक बेल्ट धारक हैं तथा भारतीय ताइक्वांडो महासंघ के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। वह पूर्वोत्तर में इस खेल को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। उन्होंने 1982 में ऑल असम ताइक्वांडो एसोसिएशन की भी स्थापना की।

तेजी से बढ़ रही पर्यटन में ग्रामीण आजीविका को लेकर मेघालय लगा रहा होमस्टे पर दांव

शिलांग, 29 मई (एजें.)। मेघालय अपने होमस्टे नेटवर्क का विस्तार कर रहा है क्योंकि बढ़ते पर्यटक आगमन ने आवास क्षमता पर दबाव डाला है, राज्य समुदाय-आधारित पर्यटन को नौकरियों और ग्रामीण आय के प्रमुख चालक के रूप में पेश कर रहा है। यह कदम राज्य के पर्यटन क्षेत्र में निरंतर वृद्धि के बीच उठाया गया है। पर्यटकों का आगमन 2018 में लगभग 12 लाख से बढ़कर 16 लाख से अधिक हो गया है, जबकि सरकार ने 2028 तक 21 लाख आगंतुकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। राज्य की बढ़ती अपील यात्रा रुझानों में भी परिलक्षित हुई है, स्काईस्कैनर की 2025 रिपोर्ट में शिलांग भारत के सबसे अधिक खोजे जाने वाले यात्रा गंतव्य के रूप में उभरा है। नीति आयोग की एक हालिया रिपोर्ट ने मेघालय की पर्यटन साख को और मजबूत किया है, इसकी पहचान देश के उन कुछ गंतव्यों में से एक के रूप में की गयी है, जहां बिना ऑफ-सीजन के भी कोई स्थान नहीं है। रिपोर्ट में जीवित जड़ पुलों, गुफा प्रणालियों और स्वदेशी सांस्कृतिक परंपराओं जैसे आकर्षणों पर प्रकाश डाला गया है, जो राज्य के साल भर के गंतव्य के रूप में उभरने को रेखांकित करता है। अधिकारियों का कहना है कि पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि ने कई पर्यटन हॉटस्पॉटों में आवास सुविधाओं की कमी को उजागर किया है। पूरी तरह से बड़ी होटल परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय, सरकार ने स्थानीय परिवारों के लिए आय उत्पन्न करते हुए आवास का विस्तार करने के तरीके के रूप में होमस्टे को बढ़ावा देने का विकल्प चुना। प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के साथ 2023 में शुरू की गयी मेघालय पर्यटन होमस्टे योजना, 10 लाख तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए 70 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

एनएफआर के न्यू बंगाईगांव कारखाना ने आधुनिक कोच पुनर्स्थापन को दी गति

मालीगांव, 29 मई। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने न्यू बंगाईगांव स्थित कैरेज एवं वैगन कारखाना में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जो आधुनिकीकरण, संरक्षा संवर्धन और परिचालन उत्कृष्टता पर इसके निरंतर फोकस को दर्शाती हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों में से एक, न्यू बंगाईगांव कारखाना में लिंकहॉफमैनबुश (एलएचबी) कोचों के लिए मिड-लाइफ रिहैबिलिटेशन (एमएलआर) कार्य की सफल शुरुआत है। यह विकास कार्य यात्रियों के आराम, परिचालन संरक्षा और आधुनिक कोचिंग स्टॉक की विश्वसनीयता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिलवक्त, पहला एमएलआरकोच पूर्ण होने के अंतिम चरण में है और जल्द ही इसके तैयार होकर सेवा में आने की उम्मीद है। यह इस कारखाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी। एक और उल्लेखनीय उपलब्धि के तौर पर, इस कारखाना ने एलएचबीमें बोगी लोड टेस्टिंग सुविधा को सफलतापूर्वक स्थापित और चालू किया है। इस सुविधा के साथ, अब लोड की स्थिति में बोगी के सभी

महत्वपूर्ण मापदंडों की जांच और सत्यापन, अब डिस्पैच से पहले किया जा रहा है; जिससे ओवरहॉल की गयी एलएचबीबोगियों के लिए उच्च विश्वसनीयता, गुणवत्ता आश्वासन और बेहतर संरक्षा मानकों को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, कारखाना में एलएचबी के बोगी फ्रेम और बोल्स्टर के लिए शॉट ब्लास्टिंग मशीन को भी चालू किया गया है। इस पहल से बेहतर सतह फिनिश गुणवत्ता के साथ मशीनीकृत शॉट ब्लास्टिंग संभव हो पायी है, जिससे रखरखाव के बेहतर मानकों और परिचालन दक्षता में योगदान मिला है। ये पहल पूरे जोन में उन्नत तकनीकों को अपनाने, रखरखाव कार्यों में सुधार करने और रेलवे की बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रति पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

लामडिंग मंडल पर पार्किंग ठेका हेतु ई-नीलाम

लामडिंग मंडल पर 03 (तीन) सालों की एक अवधि हेतु पार्किंग ठेका का ई-नीलाम। रेट यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क। ट्रिप्स/दिन: 1096।

ऑक्सन कैटलॉग संख्या. PARKING-LMG-08-		
[illegible] संख्या	[illegible] संख्या/श्रेणी	विवरण
[illegible]/1	पार्किंग [illegible] (पार्किंग-मिक्सड)	लामडिंग मंडल के [illegible] स्टेशन पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहियावाले वाहनों के लिए पार्किंग लॉट
[illegible]/2	पार्किंग-[illegible] 28 24 1 (पार्किंग-मिक्सड)	लामडिंग मंडल के [illegible] स्टेशन पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहियावाले वाहनों के लिए पार्किंग लॉट

नीलाम प्रारंभ होने की तारीख एवं समय: 15-06-2026 तारीख के 10.00 घंटे में एवं बंद होगी: 10.40 घंटे में। प्रत्याशित बोलीदाताओं को आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in में ई-नीलाम [illegible] अवलोकन करने की सलाह दी जाती है।

मंडल रेलवे प्रबंधक (सी), लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

न्यू बंगाईगॉव पर वार्षिक रख-रखाव का ठेका

निविदा सं. CMT-MET-F-08-Part-IIA-CAM तारीख: 25-05-2026। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और तरफ से निम्नलिखित कार्यों के लिए "ई-टेंडरिंग" प्रणाली के माध्यम से कार्ड [illegible] निविदा आमंत्रित किया गया है: कार्य का नाम: पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के न्यू बंगाईगॉव स्थित कैरियेज एंड वगन वर्कशॉप पर खुली निविदा के आधार पर शाइटस द्वारा आपूर्ति की गई 05 संख्यक मशीनों के 02 सालों के लिए विस्तृत वार्षिक रख-रखाव का ठेका। निविदा राशि: ₹6,22,450/-। धरोहर राशि: ₹12,500/-। ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 12-06-2026 को 15:00 बजे में। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

सीडब्ल्यूएम/न्यू बंगाईगॉव
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पे एंड यूज टायलेट्स के संचालन और प्रबंधन के लिए ई-नीलामी

[illegible] मंडल के अंतर्गत पे एंड यूज टायलेट्स के संचालन और प्रबंधन के लिए अनुबंध के लिए ई-नीलामी [illegible] नीचे दिये गये हैं। नीलामी कैटलॉग सं.: PNU-LMG-06-2025। नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय (सभी लॉट): 10-06-2026 को 12:00 बजे। नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय: 10-06-2026 को 12:50 बजे। दर इकाई: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क फेरे/दिन: 1096

क्र. सं.	लॉट नं./कटेगरी	विवरण
[illegible]	[illegible] एलएमजी [illegible] टार्ग आई-39-26-। (पे एंड यूज -टायलेट्स)	[illegible] स्टेशन में पे एंड यूज टॉयलेट के संचालन और रखरखाव के लिए अधिकार प्रदान करने के लिए ई-नीलामी।
[illegible]	[illegible] एलएमजी-[illegible] टार्ग आई-62-26-। (पे एंड यूज -टायलेट्स)	[illegible] रेलवे स्टेशन पर 03 वर्षों के लिए पे एंड यूज टॉयलेट का व्यवस्था।
[illegible]	[illegible] एलएमजी-[illegible] टार्ग आई-45-26-। (पे एंड यूज -टायलेट्स)	[illegible] स्टेशन में पे एंड यूज टॉयलेट के संचालन और रखरखाव के लिए अधिकार प्रदान करने के लिए ई-नीलामी।

भावी बोलीदाताओं से आग्रह किया जाता है कि वे आईआरईपीएस के ई-नीलामी [illegible] वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

मंडल रेलवे प्रबंधक (सी), लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कांग्रेस के लिए अग्नि परीक्षा है सिद्धारमैया का इस्तीफा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा कांग्रेस के लिए एक केवल सामान्य राजनीतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि पार्टी की एक बड़ी अग्नि परीक्षा बन गया है। लंबे समय से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच आखिरकार सिद्धारमैया को अपना पद छोड़ना ही पड़ा, जो बताता है कि कांग्रेस के भीतर सत्ता संतुलन और गुटीय राजनीति अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति आने वाले समय में पार्टी की एकता और विश्वसनीयता दोनों की परीक्षा ले सकती है। सिद्धारमैया कर्नाटक की राजनीति में सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों की राजनीति के मजबूत नेता माने जाते हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने गारंटी योजनाओं के माध्यम से जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत की। ग्रामीण क्षेत्रों, अल्पसंख्यकों और ओबीसी वर्ग में उनकी लोकप्रियता कांग्रेस की बड़ी ताकत रही है। ऐसे में उनका इस्तीफा कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। विपक्ष विशेषकर भाजपा इसे ओबीसी नेतृत्व की उपेक्षा के रूप में प्रस्तुत कर रही है। उसने कहा है कि कांग्रेस के पास अब एक भी ओबीसी का मुख्यमंत्री नहीं है। भाजपा का यह हमला कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकता है। दूसरी ओर नेतृत्व परिवर्तन से एक नये व्यक्ति को अवसर मिलेगा। यदि डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री की जिम्मेवारी मिलती है, जिसकी पूरी संभावना है, तो कांग्रेस दक्षिण कर्नाटक और वोक्कालिगा समुदाय में अपनी स्थिति और मजबूत करने का प्रयास करेगी। लेकिन उसके समक्ष सबसे बड़ी चुनौती होगी - सिद्धारमैया समर्थक नेताओं और विधायकों को संतुष्ट रखना। यदि असंतोष बढ़ा, तो इसका असर सरकार की स्थिरता पर पड़ सकता है। कांग्रेस के लिए यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ मजबूत विकल्प बनने की कोशिश कर रही है। ऐसे में किसी भी राज्य में आंतरिक कलह या नेतृत्व संकट का संदेह पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति को कमजोर कर सकता है। कर्नाटक मौजूदा समय में दक्षिण भारत में कांग्रेस का सबसे बड़ा राजनीतिक आधार है। यदि यहां अस्थिरता बढ़ती है, तो इसका असर अन्य राज्यों में भी पार्टी की छवि पर पड़ सकता है। हालांकि यह भी सत्य है कि लोकतंत्र में नेतृत्व परिवर्तन स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कांग्रेस इस बदलाव को शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से संभाल लेती है, तो यह संदेश जाएगा कि पार्टी में सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक लोकतंत्र मौजूद है। लेकिन यदि गुटबाजी खुलकर सामने आती है, तो विपक्ष को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा अवसर मिल जाएगा। यानी सिद्धारमैया का इस्तीफा कांग्रेस के लिए एक राजनीतिक परीक्षा है, जिसमें केवल सरकार बचाना ही उद्देश्य नहीं होगा, बल्कि सामाजिक संतुलन, संगठनात्मक एकता और जनता का विश्वास बनाये रखना होगा। आने महीनों में यह स्पष्ट होगा कि कांग्रेस इस चुनौती को अवसर में बदल पाती है या नहीं।

फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

लचीली भूराजनीति यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है, जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभ : संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा-सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। मित्र और प्रतिद्वंद्वी दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरण : अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदा : भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश मल्टी-अलाइनमेंट नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड में भी है, ब्रिक्स में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभ : एप्पल, टेस्ला, माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियां देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहां लाने की कोशिश करते हैं और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि -

पहला, छोटे और कमजोर देशों का : अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फँस जाते हैं।

दूसरा, वैश्विक स्थिरता का : ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि तात्कालिक हित देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं कमजोर पड़ती हैं।

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी खुल जा सिमसिम कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षत: यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूंजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

- कमलेश पांडे

| संपादकीय |

अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, होने नी रेत, ने खोने नो डर और भारिया कहते हैं डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नयी देखे। इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या? जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाइयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी राक्षस ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखाएंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी।

यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाये जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचंडता, प्रगल्भता और प्रबलता से डीलिस्टिंग की अपनी पुरानी मांग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गये हैं, जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड का लाभ लेते हैं, दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गयी कि जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना। लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई बूढ़ादेव, बड़ादेव और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अंतर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं किरात (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर सांस्कृतिक विभाजन की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए लव जिहाद और लैंड जिहाद के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम यानी पेसा कानून का कार्य भली-भांति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गयी कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल मांग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणा-पत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को धर्मनिरपेक्षता के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी अस्मिता की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नये उलगुलान (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

ट्रंप की चीन यात्रा के राजनीतिक मायने ज्यादा

राजीव रंजन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान राजशाही जमाने के बगीचे चोंगनानहाय में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रंप की चहलकदमी भले ही एक औपचारिक दृश्य लगे, परंतु चीन की नजर में इसका मतलब कहीं गहरा था. यह एक कूटनीतिक कदम था, ताकि उस रिश्ते को फिर से पटरी पर लाया जा सके, जो दशकों से राजनीतिक उलझन और सामरिक तनाव में रहा है। चोंगनानहाय परिसर में शी द्वारा ट्रंप की अगवानी करना एक राजनयिक संकेत है कि बीजिंग वाशिंगटन से अपने रिश्तों को लेकर गंभीर है, वहीं यह ट्रंप के अहम को साधने का सटीक बाण भी था।

यह दौरा न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि वर्षों के टकराव के बाद दोनों महाशक्तियों का आर्थिक वास्तविकताओं के आगे नतमस्तक होना भी था। इसने स्पष्ट कर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन की भूमिका को न तो नकारा जा सकता है, न ही उससे आसानी से पल्ला झाड़ा जा सकता है। नौ वर्ष में पहली बार कोई अमेरिकी राष्ट्रपति बीजिंग गया था। सो, चीन के लिए यह एक कूटनीतिक दौरा भर नहीं था, बल्कि वह अपने द्विध्रुवीय दुनिया की सोच पर अमेरिकी मुहर लगा रहा था। इस यात्रा का सबसे दिलचस्प पहलू था ट्रंप के साथ आया कारोबारी दल, जिसमें सत्रह बड़े सीइओ शामिल थे।

एलन मस्क, टिम कुक, जेंसन हुआंग, बोइंग के प्रमुख और ब्लैकरॉक तथा गोल्डमैन सैक्स के दिग्गजों की मौजूदगी चीन की अहमियत खुद बता रही थी। अमेरिका को तेल, गैस, सोयाबीन, मकई, हवाई जहाज और वित्तीय सेवाओं के बड़े सौदे चाहिए थे। बोइंग को चीन से अपने विमानों के ऑर्डर चाहिए थे, कृषि कंपनियों को नये समझौते, और चिप कंपनियां तकनीक हस्तांतरण पर छूट की उम्मीद में थीं। चीन ने इन कारोबारियों का गर्मजोशी से स्वागत कर साफ संदेश दिया कि चीनी दरवाजे खुले हैं और 1.4 अरब लोगों के इस बाजार और विनिर्माण क्षमता को नजरअंदाज करना अमेरिका के लिए मुमकिन नहीं।

वास्तव में ट्रंप की इस यात्रा ने दिखाया कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे पर कितनी निर्भर हैं। अमेरिकी कंपनियां चीन की उत्पादन क्षमता और विशाल उपभोक्ता आधार के बिना अपनी वैश्विक वृद्धि की कल्पना भी नहीं कर सकतीं। उधर चीन भी अमेरिकी प्रौद्योगिकी, निवेश और बाजार से लाभान्वित होता रहा है। दोनों देशों के बीच तनातनी से अमेरिकी किसानों के सोयाबीन निर्यात में भारी कमी आयी थी, जबकि चीनी कंपनियों को आपूर्ति शृंखला में अड़चन। इस पृष्ठभूमि में ट्रंप का यह दौरा व्यावहारिक जरूरतों का परिणाम लगता है। यात्रा के दौरान अनौपचारिक बातचीत के लिए जो जगहें चुनी गयीं, वे भी कई संकेत दे रही थीं।

पीपुल्स ग्रेट हॉल में औपचारिक बैठक तो रस्म के मुताबिक थी, पर मिंग राजवंश के 600 साल पुराने स्वर्ग मंदिर इमारत की गोल स्वर्ग, चौकोर पृथ्वी दार्शनिकता के माध्यम से शी ने ट्रंप को चीनी सभ्यता और शासन पद्धति का बड़प्पन दिखाया। जब ट्रंप ने चीन को बेहद खूबसूरत कहा, तो उसे चीनी मीडिया ने चीनी संस्कृति और विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता से जोड़कर देखा। यह सांस्कृतिक प्रदर्शन चीन की प्राचीन सभ्यता की निरंतरता और उसके वर्तमान वैश्विक महत्व को रेखांकित करने का तरीका था। शी ने बातचीत के दौरान तीन सवाल उठाये। पहला, क्या दोनों देश थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं, यानी क्या दो बड़ी ताकतें बिना लड़े साथ रह सकती हैं। दूसरा, क्या वे जलवायु बदलाव और दुनिया के दूसरे संकटों पर मिलकर काम कर सकते हैं। तीसरा, क्या दोनों देश अपने लोगों और पूरी मानवता की भलाई को प्राथमिकता दे सकते हैं। इन प्रश्नों के जरिये शी जिनपिंग को वैश्विक दक्षिण की नजर में एक जिम्मेदार और दूरदर्शी नेता के रूप में पदस्थापित करने की चीनी सोच सामने आयी।

पूरी यात्रा में ट्रंप काफी संयमित और गंभीर दिखे। उन्होंने शी को पुराना दोस्त कहा और रिश्ते की अहमियत की तारीफ की. इसके पीछे कई वजहें थीं। देश में मध्यावधि चुनाव की तैयारियां चल रही हैं, महंगाई से लोग परेशान हैं और 2025 के व्यापार आंकड़ों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की कमजोरियां उजागर कर दी हैं। एक अनुभवी व्यवसायी की तरह ट्रंप समझ गये हैं कि लंबा टकराव अमेरिका के लिए भी महंगा सौदा है। इस दौरान शी ने अमेरिका-चीन संबंधों के लिए पुनः एक नया ढांचा रचनात्मक रणनीतिक स्थिरता सामने रखा। मतलब यह कि प्रतिस्पर्धा हो, पर नियंत्रित और टकराव से बचा जाए। पर प्रश्न यह है कि महाशक्तिशाली देशों के लिए नये प्रकार के संबंध की जो चीनी अवधारणा थी, उसकी भांति अमेरिका इस अवधारणा को भी तवज्जो न दे तो।

क्योंकि चीन अब अपनी अवधारणा, मानक और आदर्शों को बड़े सलीके से वैश्विक शासन प्रतिमान में ढाल रहा है। दूसरी ओर ताइवान, तकनीक और टैरिफ पर अमेरिका और चीन में गहरे मतभेद अभी भी बने हुए हैं। ट्रंप की चीन यात्रा ने साबित किया कि आर्थिक हकीकतें राजनयिक बयानबाजी से ज्यादा असरदार और प्रभावी हैं। हालांकि, ट्रंप के अप्रत्याशित व्यवहार और नीतियों को देखते हुए, अमेरिका-चीन संबंधों में आमूलचूल सकारात्मक बदलाव आयेगा, यह सोचना बेमानी होगा, पर एक ठहराव की गुंजाइश दिख तो रही है।

उजाले अपनी यादों के हमारे पास रहने दो...

डॉ. चंदर त्रिखा

हमारे इस कालखंड में जिन बड़े शायरों के कलाम एवं गजलें, मुहावरों की तरह आम आदमी व इलीट-क्लास की जुबान पर अक्सर सवार रहते हैं, उनमें बशीर बद्र का नाम पहली पंक्ति में बना रहेगा।

वह एक करीबी दोस्त थे, इसलिए निजी सरमाया भी थे, मगर इसके इलावा इनसे अदबी रिश्ता भी था। कालजयी शायरी क्या होती है, इसकी कोई मिसाल देखनी हो तो बशीर की शायरी से गुजर कर देखिए। हर कदम पर उनके शेर आपका रास्ता रोक लेंगे और मजबूर कर देंगे कि वाह? क्या बात है कहे बिना आगे नहीं जाएंगे। बशीर की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि अपनी अनूठी शैली, बानगी व मौलिक प्रस्तुति के साथ उसने सामयिक मुद्दों को भी बेहद नजाकत के साथ उठाया है।

नगरीय एवं कस्बाई हिंसा पर उनका यह तंज अब भी जिक्र में बना हुआ है लोग टूट जाते हैं, एक घर बनाने में/तुम रहम नहीं खाते, बस्तियां जलाने में। जिंदगी की शाम वाला उनका शेर विदायगी के हर मौके पर गूंजता है उजाले अपनी यादों के/हमारे पास रहने दो/न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए। जिन दो शायरों का प्रयोग कमोबेश हर राजनीतिज्ञ ने भी किया है, उनमें दुष्यंत के इलावा दूसरा नाम बशीर बद्र का है।

91 की उम्र में वह चले गये। सुना था डिमेंशिया सरीखी बीमारियों से पीड़ित लोग लंबी उम्र तक बने रहते हैं। इन दिनों वह हल्का-हल्का बहाल भी होने लगे थे, मगर उस तरह चलने की मशक्कत करने ही लगे थे कि बीच सफर में ही लौट गये। इस बार का लौटना अंतिम था और आज वे शारीरिक तौर पर हमारे बीच नहीं हैं। उर्दू का महान शायर बशीर बद्र इन दिनों अस्वस्थ चल रहा है। मेरे जेहन में वे पुराने दिन उदास बदलों की तरह जिंदगी की उमस से जूझने लगते हैं, जब एक प्यारे अजीज दोस्त के रूप में वह पुश्तैनी शहर अबोहर आये थे। हम दो दिन उस शहर में एक नहर के किनारे घूमते रहे थे। मैं, मेरे दोस्त एवं उर्दू अदीब मोहनलाल, वहां के बोहिमियन्ज क्लब के सूत्रधार प्रो. सत्य प्रकाश, युवा पत्रकार साथी राजसदोष और साथ में बशीर बद्र। हम लोगों ने तय किया कि बशीर के कलाम से हिंदी में उर्दू शायरी को जज्ब करने वाली नयी पीढ़ी को रू-ब-रू कराया जाए। मोहन लाल उर्दू व पंजाबी के कहानीकार एवं उपन्यासकार थे। उनके मशविरे व पहलकदमी से शब्दलोक प्रकाशन का बैनर बुना गया, जिसके तले उर्दू शायरी के दो मजमूओं (संकलनों) के हिंदी में प्रकाशन की योजना बनी थी। बशीर बद्र ने अपने मजमूए का नाम तुम्हारे लिए तय किया, जबकि दूसरे शायर प्रो. आजाद गुलाटी ने नयी गजलों की पांडुलिपि सौंप दी। ये किस्सा करीब 45 बरस पुराना है। तब 1100 प्रतियां छापना ज़ोखिम भरा प्रयास था। मगर सभी प्रतियां 6 माह में खप गयीं। खरीददार कमोबेश सभी युवा चेहरे थे।

उन्हीं दिनों पत्रकार व अदीब निरुपमा दत्त ने इंडियन एक्सप्रेस में इस कृति पर एक समीक्षात्मक लेख लिखा था, जैसे ही आधुनिक उर्दू गजल की बात चलती है तो एकदम जेहन में बशीर बद्र का ख्याल आता है। बशीर बद्र एक ऐसे शायर हैं, जिन्होंने गजल की नफासत और नजाकत को समझते हुए नये-नये प्रयोग किये हैं। वे इस विधा को बदलते हुए युग के साथ जोड़ने में बखूबी सफल रहे हैं। अपनी लचीली आवाज में जब वह मंच पर शेर पेश करते हैं तो हर बार मुशायरा लूट ले जाते हैं।

मुझे याद है अंबाला व गुरुग्राम के वे मुशायरे जिनमें ज्यादातर शायर यही आग्रह करते थे कि उन्हें बशीर से पहले पढ़ा दिया जाए क्योंकि एक बार बशीर शुरू हुए तो फिर श्रोता उन्हीं के नाम को आगे बढ़ाते रहने की जिद्द करेंगे। इसी वर्ष 17 फरवरी को मध्य प्रदेश के राज्यपाल लाल जी टंडन जो कि बशीर साहब के प्रशंसक भी रहे थे, उनके 85वें जन्मदिन पर उनके आवास पर गये और उन्हें एक भव्य गुलदस्ता व शॉल आदि उपहार सौंपे। बशीर साहब की बेगम राहत बद्र ने अर्द्धचेतनावस्था में बिस्तर में ही बशीर साहब को लखनऊ से लाल जी टंडन के मुबारिकबाद देने को आने की बात बतायी।

बशीर बद्र किसी खेमे का नाम नहीं! बशीर बद्र किसी एक वैचारिक प्रतिबद्धता का नाम नहीं! बशीर बद्र गालिब-मीर का, मोमिन का लकीरी वारिस नहीं - लेकिन इन सब बातों के बावजूद उसके प्रशंसक, उन्माद की हद तक उसके ही हैं।

बशीर बद्र की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। बशीर ने जहां महानगरीय सभ्यता की विद्रूपता पर गहरी मार की है, वहां उसने कस्बाई संस्कृति की संवेदना का मुखर रूप देने में भी उतनी ही सफलता प्राप्त की है। उसकी कलम एक तरफ सावधान करती है कि कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से/ये नये मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो। वहीं इस बात पर संतोष भी व्यक्त करती है कि कदीम कस्बों में कैसा सकून होता है/थके थकाये हमारे बुजुर्ग सोते हैं।

शैली की ताजगी, नये मुहावरे का प्रयोग व पुराने मुहावरों को नये अर्थ देना बशीर की एक और विशिष्टता है। बशीर ने गजल को सामंती महफिलों से उठाकर केवल कॉफी-हाउसों तक ही नहीं पहुंचाया बल्कि सामान्य अदबी इंसानों के जेहनों में भी बैठाया है। अक्सर गजलों में मतला कमजोर पड़ जाता है। लेकिन बशीर बद्र की लगभग सभी गजलों का मतला अनुभूति की तीव्रता लिये हुए है। जैसे होंटों पे मुहब्बत के फसाने नहीं आते/साहिल पे समंदर के खजाने नहीं आते।

विषयों की विविधता, सही शब्दों का चयन, हर शेर में एक पूरा अफसाना कह डालने की तीव्र ईमानदारी और संवेदना के धरातल पर इंसान के हर लम्हे के साथ जुड़ पाने की क्षमता भी उनकी शायरी में है। जदीद गजल को जो खूबसूरत पहरावा बशीर बद्र ने दिया है, वह शायद ही अब तक किसी दूसरे शायर ने दिया हो। यदि अतिशयोक्ति न समझा जाए तो गजल के इस युग को बड़ी आसानी व दलील के साथ बशीर बद्र-युग कहा जा सकता है।

व्यंग्य

चमचा पुराण : जहां मलाई, वहीं हम भाई!

चमचा एक अद्भुत जीव है। यह आदमी की उस नस्ल से आता है, जो पैदा तो इंसान होती है, पर धीरे-धीरे जी सर, वाह सर, आप तो महान हो सर करते-करते स्टील में बदल जाती है। चमचा किसी भी धातु का हो पर चमचे की चांदी जरूर होती है। चम्मच की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह हमेशा मुंह लगा होता है। कभी दाल में डूबता है, कभी खीर में, कभी मंत्रीजी की प्लेट में, कभी अफसर की फाइल में। उसका कोई धर्म नहीं, कोई ईमान नहीं। उसका एक ही सिद्धांत है, जहां मलाई, वहीं हम भाई!

इतिहास गवाह है कि चमचों की प्रजाति बहुत प्राचीन है। महाभारत काल से लेकर मुगलों के दरबार तक में चमचे इतने विकसित हो गये थे कि बादशाह छींक भी दे तो बोल पड़ते जहांपनाह, क्या ऐतिहासिक छींक थी! अंग्रेजों के जमाने में चमचों ने नया रूप लिया। वे अंग्रेजी में यस सर बोलने लगे। देश आजाद हुआ, सरकारें बदल गयी पर चमचे अमर हो गये।

असल में चमचा कभी एक का हो ही नहीं सकता। जैसे असली चम्मच हर दिन नया मुंह देखती है, वैसे ही चमचे रोज नया पाला पकड़ते हैं। सुबह एक नेता के चरणों में, शाम को दूसरे के ड्राइंग रूम में।

आजकल चमचे डिजिटल भी हो गये हैं। सोशल मीडिया ने चमचों को पंख दे दिये। अब वे कमेंट सेक्शन में पाये जाते हैं। पोस्ट के नीचे ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे बरसात में मेढक।

पहले सामने बैठकर मक्खन लगाते थे, अब ह्वाट्सएप स्टेटस और फेसबुक पोस्ट से लगाते हैं। कमेंट ऐसा करेंगे जैसे राष्ट्र निर्माण अकेले साहब जी ने ही किया हो। और मजे की बात देखिए कि चमचे खुद को कभी चम्मच नहीं मानते। हर चमचा खुद को विश्वासपात्र, करीबी, विशेष सहयोगी कहलवाना चाहता है। पर जनता सब जानती है।

अंत में बस इतना ही कि थाली बदलने से चम्मच नहीं बदलता, औकात वही रहती है, बस दाल बदल जाती है! सच्चाई तो ये है चमचा कभी किसी का नहीं होता। वह बस कुर्सी का होता है। जहां कुर्सी घूमी, चमचा भी घूम गया। पते की बात यह है कि चमचे कभी वफादार नहीं होते और जो वफादार होते हैं, वे चमचे नहीं होते।

- शमीम शर्मा

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की भेंट

नयी दिल्ली, 29 मई (भा.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीर डाली। उसने एक्स पर लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट की। चौधरी को इस साल 15 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी थी। वह बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री हैं।

उत्पाद विभाग की टीम पर हमले के मामले में दो गिरफ्तार

पटना, 29 मई (भा.)। बिहार के पटना जिले के बख्तियारपुर इलाके में शराब सेवन के आरोप में हिरासत में लिए गये तीन लोगों को छुड़ाने के प्रयास में मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम पर हमला किये जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, उत्पाद थाना की टीम ने गुरुवार शाम बख्तियारपुर के रानीसराय क्षेत्र में छापेमारी कर शराब सेवन के संदेह में तीन लोगों को हिरासत में लिया था। बाढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-2) आयुष श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया ने बताया कि इसी दौरान हिरासत में लिए गये लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गये और उत्पाद विभाग की टीम पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले में उत्पाद विभाग की एक एसयूवी वाहन क्षतिग्रस्त हो गयी, जबकि विभाग के तीन कर्मी घायल हो गये। श्रीवास्तव ने बताया कि घायलों की पहचान चालक कन्हैया कुमार, सिपाही आदित्य राज और मंटू कुमार के रूप में हुई है और तीनों का बख्तियारपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी है। अधिकारी ने बताया कि मामले में बख्तियारपुर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान बड़ी महमूदपुर निवासी रामचंद्र पासवान उर्फ रामानंद पासवान और कन्हैया कुमार के रूप में हुई है।

अमेठी में मोटरसाइकिल पर पलटा ट्रक, तीन लोगों की मौत

अमेठी, 29 मई (भा.)। मुंशीगंज थाना क्षेत्र के रायबरेली-सुल्तानपुर राजमार्ग के शंकरगंज चौराहा मोड़ के पास गुरुवार की देर रात एक ट्रक अनियंत्रित होकर दो मोटरसाइकिल पर पलट गया। ट्रक के नीचे दबने से तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार देर रात को प्रिंस वर्मा (15), सनी वर्मा (25), राजू वर्मा (24) और अजीत वर्मा दो मोटरसाइकिल से अपने रिश्तेदार ओमप्रकाश वर्मा के घर भंडारे में शामिल होने गये थे और वहीं से वापस अपने घर के लिए जा रहे थे। मुंशीगंज के थाना प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि मुंशीगंज थाना क्षेत्र के शंकरगंज चौराहा मोड़ पर गौरीगंज की ओर से आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे मोटरसाइकिल सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें पुलिस प्रतिक्रिया वाहन (पीआरवी) और एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। ट्रक पर प्याज लदा था। थाना प्रभारी ने बताया कि चिकित्सकों ने राजू वर्मा, प्रिंस वर्मा और सनी वर्मा को मृत घोषित कर दिया और अजीत वर्मा का उपचार हो रहा है। ये चारों आपस में रिश्तेदार थे। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मऊ में जमीनी विवाद में किसान की गोली मारकर हत्या

मऊ, 29 मई (भा.)। जिले के हलदलपुर थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर 60 वर्षीय किसान राम जन्म राजभर की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार देर शाम ढोलवन गांव में घटी। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने बताया कि मृतक की पहचान ढोलवन गांव के निवासी राम जन्म राजभर (60) के रूप में हुई है। वह गुरुवार शाम गेहूं पिसवाकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान, रास्ते में मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पीछे से उन्हें गोली मार दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घायल राम जन्म को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों ने गांव के ग्राम प्रधान रामबदन यादव पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पिछले वर्ष अक्टूबर से खेत पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था और राम जन्म को कई बार जान से मारने की धमकी दी गयी थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम गठित कर दी गयी है और क्षेत्र में नाकाबंदी कर तलाश की जा रही है।

मोतिहारी में किसान के ऊपर गिरी बरगद की डाल, मौके पर मरा

पूर्वी चम्पारण, 29 मई (एजें.)। जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सिसवा मलदहिया गांव के समीप निर्माणाधीन रेलवे लाइन के पास एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार किसान की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान सिसवा मलदहिया निवासी जमादार सिंह के 40 वर्षीय पुत्र मनोज सिंह के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गये। जानकारी के अनुसार, मनोज सिंह अपने खेत से मक्का के बाल बोरे में भरकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गयी। बारिश से बचने के लिए वे रेलवे लाइन के पास स्थित एक बरगद के पेड़ के नीचे रुक गये। तभी अचानक पेड़ की एक भारी डाल टूटकर उनके ऊपर गिर गयी। डाल के नीचे दबने से उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गयी है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर पहाड़पुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन आगे की कार्रवाई में जुटा हुआ है। बता दें कि पिछले सप्ताह हरसिद्धि के गायघाट चौक के पास भी बरगद की डाल गिरने से मजदूर महेंद्र महतो की मौत हो गयी थी।

पुलिस के लिए बड़ी चुनौती था रामचंद्र डकैत, एसपी ने कर दिया एनकाउंटर

पटना राजनीति और अपराध का गठजोड़ आज कोई नया नहीं है। पिछले साठ-सत्तर दशक से यह राजनीति का अनिवार्य हिस्सा रहा है। कभी कम तो कभी ज्यादा, लेकिन हमेशा रहा है। इस मामले में कोई दल अछूता नहीं है। कांग्रेस, राजद, भाजपा, जदयू, लोजपा लगभग सभी दलों पर ये आरोप लगता रहा है। 1980 में कांग्रेस दोबारा सत्ता में लौटी थी। उस दौर में भी विधायक अपराधियों को संरक्षण देते थे और पुलिस पर दबाव बनाते थे कि इन अपराधियों पर कोई कठोर एक्शन न लिया जाए। बिहार के पूर्व डीजीपी देवकी नंदन गौतम (डीएन गौतम) ने एक ऐसे ही अपवित्र गठबंधन का जिक्र किया है। डीएन गौतम 1982 में रोहतास के एसपी थे। फिर वे शाहाबाद रेंज के डीआईजी बने। उस समय रोहतास- कैमूर को मिनी चम्बल कहा जाता था। पहाड़, जंगल और नदियों ने यहां की भौगोलिक स्थिति को बिल्कुल चम्बल क्षेत्र की तरह बना दिया था। चम्बल की तरह रोहतास- कैमूर में कई डकैत गिरोह सक्रिय थे। इन्हीं परिस्थितियों के बीच डीएन गौतम रोहतास के एसपी बने थे। डकैत घने जंगलों में छिपे रहते। उन तक पहुंचने का रास्ता इतना दुर्गम और निर्जन था कि पुलिस के जवान भी वहां जाने में हिचकते थे। ऐसे में पुलिस के जवानों का मनोबल बढ़ाना जरूरी था। डीएम गौतम के मुताबिक उस समय डकैत रामचंद्र कोइरी का बहुत आतंक था। लेकिन दिक्कत ये थी पुलिस की नजर में रामचंद्र कोइरी

बिहार में मदरसा और संस्कृत विद्यालयों की होगी जांच, मंत्री मिथिलेश तिवारी ने किया एलान

पटना, 29 मई (एजें.)। बिहार में चलने वाले फर्जी मदरसे और संस्कृत विद्यालयों पर सम्राट सरकार ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि बिहार में चलने वाले सभी मदरसों और संस्कृत विद्यालयों की जांच कराई जाएगी। जांच के बाद जिसने फर्जी मदरसा और संस्कृत विद्यालय पाए जाएंगे, उनको बंद किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि बिहार सरकार राज्य में शिक्षा के नाम पर किसी भी तरह के फर्जीवाड़े को बर्दाश्त नहीं करेगी। नियमों के विरुद्ध चलने वाले सभी विद्यालय, मदरसों पर ताला लगाया जाएगा। मंत्री से राज्य के 11 संस्कृत विद्यालय जो बंद हो गये, उन्हें लेकर सवाल पूछा गया था। इस पर मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि ये दुखद है। जो हमारे 11 राजकीय संस्कृत विद्यालय थे, उनकी समीक्षा की गयी। समीक्षा में पाया गया कि हमारे जो 11

संस्कृत विद्यालय थे, वो कहीं न कहीं उपेक्षा के शिकार हुए। एक निजी न्यूज चैनल से बात करते हुए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बिहार सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है, जिस प्रकार हम मदरसों को पूरी प्रामाणिकता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं, उसी प्रकार हमें संस्कृत विद्यालयों को भी आगे बढ़ाना है। किसी भी स्थिति में डिस्क्रिमिनेशन नहीं होगा। इसी वजह से हमने मदरसा बोर्ड और संस्कृत शिक्षा बोर्ड, दोनों के ही माध्यम से संचालित होने वाले राज्यभर के तमाम मदरसों और संस्कृत विद्यालयों की जांच के आदेश दिये हैं। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि जांच रिपोर्ट में जितने भी मदरसा और संस्कृत विद्यालय फर्जी पाए जाएंगे, उन्हें पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सम्राट सरकार का पूरा ध्यान उन्हीं विद्यालयों, मदरसों को आगे बढ़ाने पर है, जो पूरी प्रामाणिकता और नियमों के तहत चल रहे हैं।

आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान, सीएम ने दिये सर्वेक्षण के निर्देश

पटना, 29 मई (भा.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कृषि विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग को राज्य के कई जिलों में अचानक आई तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों तथा पेड़ों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराने के शुक्रवार को निर्देश दिये ताकि प्रभावित किसानों को समुचित राहत उपलब्ध करायी जा सके। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि किसानों की फसलों और पेड़ों पर लगे फलों को हुए नुकसान को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। उन्होंने संबंधित विभागों को नुकसान का आकलन कराने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित किसानों को सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर उचित राहत दी जाएगी। इस बीच, मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के कई जिलों में तेज आंधी आने, बादल गरजने, बिजली कड़कने और मध्यम बारिश की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग द्वारा जारी पहले अलर्ट में भोजपुर, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पटना, सारण और सिवान जिलों को रेड अलर्ट की श्रेणी में रखा गया है। इन जिलों में बादल गरजने, बिजली कड़कने, तेज हवाएं चलने और मध्यम बारिश होने की संभावना जतायी गयी है। दूसरे अलर्ट में गया, जहानाबाद, वैशाली, शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, नालंदा और पटना जिलों को रेड अलर्ट के दायरे में रखा गया है। इन जिलों में भी बादल गरजने, बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ बारिश की आशंका व्यक्त की गयी है। मौसम विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचने की अपील की है। विशेष रूप से खेतों में कार्य करने वाले किसानों, निर्माण कार्य में लगे मजदूरों तथा यात्रा कर रहे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गयी है। विभाग ने कहा है कि बादल गरजने और बिजली कड़कने के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े न हों तथा बिजली के खंभों और खुले मैदानों से दूरी बनाए रखें।

बिहार के स्कूल कैम्पस में टीचर पर ही गिर गयी बिजली, मौत

औरंगाबाद, 29 मई (एजें.)। बिहार में बिगड़े मौसम का कहर एक स्कूल पर टूटा। औरंगाबाद के एक स्कूल के कैम्पस में ही बिजली गिरी। उस वक्त वहां एक टीचर खड़े थे, जो उसकी चपेट में आ गये। टीचर पर जैसे ही बिजली गिरी, मौके पर ही उनकी मौत हो गयी। दरअसल राजधानी पटना समेत कई जिलों में शुक्रवार की सुबह से ही अचानक मौसम बदल गया। अचानक से आसमान में काले बादल घुमड़ने लगे। औरंगाबाद में भी लोगों को गर्मी से राहत मिली। लेकिन इसी के साथ आफत ने भी बिजली की शक्ल में कदम रख दिया। तेज आंधी के कारण कुछ जगहों पर पेड़ों की डालियां टूटकर सड़क पर गिर गईं। इसी बीच स्कूल में ये हादसा हो गया। ये हादसा औरंगाबाद जिले के रफीगंज प्रखंड में हुआ। शुक्रवार की सुबह बदले मौसम के दौरान भीखनपुरा प्राथमिक विद्यालय में ड्यूटी पर पहुंचे एक शिक्षक की आसमानी बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गयी, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक शिक्षक की पहचान 43 वर्षीय सुनील कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो रफीगंज प्रखंड के पांडे करमा गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह वो रोज की तरह औरंगाबाद के रफीगंज के भीखनपुरा प्राइमरी स्कूल में बाइक से विद्यालय पहुंचे थे।

3.10 लाख लंबित म्यूटेशन के लिए तारीख तय, सीओ को संभलकर करना होगा काम

पटनाबिहार सरकार ने राज्यभर में लंबित दाखिल-खारिज आवेदनों के निष्पादन को लेकर बड़ा कदम उठाया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर विभागीय सचिव जय सिंह ने सभी समाहर्त्ताओं को पत्र जारी कर डिफेक्ट चेक स्तर पर अटके करीब 3.10 लाख आवेदनों का अधिकतम 15 दिनों के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा है। विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि राजस्व कर्मचारियों और अंचल अधिकारियों के सामूहिक अवकाश के कारण बड़ी संख्या में आवेदन स्क्रूटनी स्तर पर लंबित हो गये हैं। सरकार के सात निश्चय पार्ट-3 के तहत ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इन मामलों का जल्द निपटारा आवश्यक माना गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि मामूली तकनीकी त्रुटियों के आधार पर आम लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि दाखिल-खारिज प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना सरकार की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार ने निर्देश दिया है कि राजस्व कर्मचारी आवेदनों की स्क्रूटनी सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ करें और केवल छोटी या तकनीकी वजहों से आवेदनों को वापस न करें। सभी लंबित मामलों का डिफेक्ट चेक अधिकतम 15 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके साथ ही विभाग ने एक नया प्रावधान भी लागू किया है। अब यदि कोई राजस्व कर्मचारी किसी आवेदन को त्रुटिपूर्ण चिह्नित करता है, तो संबंधित अंचल अधिकारी द्वारा उस त्रुटि की अनिवार्य जांच की जाएगी। यदि जांच में त्रुटि अनुचित पाई जाती है तो आवेदन सीधे आवेदक को वापस नहीं किया जाएगा, बल्कि संबंधित कर्मचारी को दोबारा भेजा जाएगा ताकि आवेदन स्वीकार कर आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

खगड़िया से मधेपुरा को जोड़ने वाला पीपा पुल टूटा कई गांवों का टूटा संपर्क

खगड़िया, 29 मई (एजें.)। अभी भागलपुर के विक्रमशिला सेतु में टूट का मामला पुराना हुआ भी नहीं था कि एक और नया मामला सामने आ गया। हालांकि इस बार पुल धंसा है, खुशकिस्मती ये है कि पुल परमानेंट न होकर पीपा था। लेकिन इस पीपा पुल के टूटने से कई गावों का संपर्क टूट गया है। हाल के दिनों में उत्तर बिहार खासकर कोसी क्षेत्र में खूब बारिश हुई है। इस बारिश के चलते कोसी नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ गया है। कोसी नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी होने के कारण खगड़िया के बीरवास और कपसिया गांव के बीच नदी पर बने पीपा पुल पर संकट आ गया। खगड़िया से मधेपुरा तक को जोड़ने वाले इस पीपा पुल तका साइडर ही धंस गया। ये पीपा पुल मधेपुरा जिला के कपसिया और खगड़िया जिला के बीरवास गांव के जरिए दो जिलों को जोड़ता है। रोजाना इस पुल के जरिए सैकड़ों लोगों की आबादी खगड़िया से मधेपुरा जाती है। लेकिन पुल के स्लाइडर के धंसने से दोनों जिलों के बीच दूरी कम करने का रास्ता बंद हो गया है। कपसिया के तरफ से पीपा पुल का साइडर धंस जाने के कारण लोगों के लिए अब नाव ही आवागमन का एकमात्र साधन बचा है। पीपा पुल से संपर्क भंग होने से कई गांव के लोगो को काफी परेशानी शुरु हो गयी है। बताते चलें कि पिछले 28 जनवरी को ही इस पीपा पुल का उद्घाटन किया गया था। हालांकी 15 जून तक ही इस पीपा पुल से आवागमन होना था। जून के आसपास जैसे ही नदी का जलस्तर बढ़ाता, पीपा पुल को बंद कर दिया जाता। लेकिन अचानक कोसी नदी के जलस्तर बढ़ने से 15 जून से पहले ही लोगों के आवागमन की समस्या खड़ी हो गयी है। पुल पर आवागमन बाधित होने की खबर मिलने के बाद गोगरी एसडीओ ने भी पुल की स्थिति की जानकारी ली है। उनका कहना है कि मधेपुरा के उदाकिशनगंज एसडीओ से भी बात कर उन्हें पूरी जानकारी दी गयी है। बहरहाल पीपा पुल के साइडर के धंसने के बाद खगड़िया और मधेपुरा के कई गांवों का संपर्क तो टूट ही गया है।

आँखों के इलाज के लिए लालू यादव जा रहे सिंगापुर

पटना, 29 मई (एजें.)। कभी रोहिणी आचार्य ने राबड़ी आवास से अपमानजनक परिस्थितियों में निकाले जाने का आरोप लगाया था। उस समय रोहिणी ने बहुत कहा था। लेकिन इस मामले लालू यादव और राबड़ी देवी ने कुछ नहीं कहा था। फिर दुखी मन से रोहिणी सिंगापुर चली गयीं। हाल ही में जब तेजस्वी यादव के बेटे का जन्म दिन गाजियाबाद में मनाया गया तो रोहिणी नहीं आयीं। यानी वे अब भी अपने परिवार से नाराज हैं। इन्हीं परिस्थितियों के बीच अब लालू यादव आंखों के इलाज के लिए सिंगापुर जा रहे। वे रोहिणी आचार्य के घर रुकेंगे। वक्त का खेल देखिए, लालू यादव अब उस रोहिणी आचार्य के दरवाजे पर पधारेंगे जो उनके सरकारी घर से रोते हुए निकली थीं। लेकिन मैं क्या, पूरा बिहार रोहिणी आचार्य के विराट हृदय का कायल है। रोहिणी ने लालू जी को किडनी देकर उनके जीवन की रक्षा की। मुझे विश्वास है कि उच्च मानवीय मूल्यों

वाली रोहिणी पुरानी बातों को भुला कर लालू यादव की दिल से सेवा करेंगी। लेकिन लालू यादव और तेजस्वी यादव पर तो सवाल उठेंगे ही। इन्होंने रोहिणी के लिए क्या किया? क्या तेजस्वी अपनी गलती मान कर रिश्ते ठीक करने की कोशिश करेंगे? ऐसी अटकलें थीं कि लालू प्रसाद यादव रोहिणी आचार्य को वधान परषिद भेजने का फैसला सुना सकते हैं। लेकनि अब खुद रोहिणी ने इस खबर का खंडन कर दिया है। ये शब्द हैं गोपीनाथ गोपाल के। गोपीनाथ भोजपुरी के कवि हैं। राजनीतिक मंचों पर लच्छेदार भाषण देते हैं। लालू यादव की टिपिकल भोजपुरी के फैन हैं। उनका मानना है कि लालू यादव के कारण भोजपुरी को बहुत लोकप्रियता मिली। इससे पहले भोजपुरी कवि गोपीनाथ से जब इस बारे में चर्चा की गयी थी और उनसे पूछा गया था कि क्या लालू यादव जब सिंगापुर पहुंचेंगे तो नाराज रोहिणी आचार्य को मनाएंगे? उन्हें बिहार विधान परिषद का चुनाव लड़ने के लिए राजी करेंगे। क्या ये मुमकिन है? इस सवाल पर गोपीनाथ गोपाल ने कहा था, नवंबर 2025 में रोहिणी यादव ने मीडिया से कहा था, मेरा कोई परिवार नहीं है। अब ये जाकर संजय, रमीज और तेजस्वी यादव से पूछिए। मेरा कोई परिवार नहीं है। उन्ही लोगों ने मुझे परिवार से निकाला है क्योंकि उन्हें जिम्मेदारी लेनी नहीं है। पूरा देश दुनिया सवाल कर रहा है कि पार्टी का ऐसा हाल (25 सीट) क्यों हुआ? उन्होंने कहा था कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें कितने प्रतिष्ठाजनक ढंग से इसके लिए प्रस्ताव दिया जाता है। जाहिर है उनके दिल को गहरी चोट लगी तभी तो उन्होंने इस बात को सार्वजनिक किया और घर छोड़ने का इतना बड़ा फैसला लिया।

नहीं मिलेगा गैस और सिलिंडर पर सब्सिडी 30 जून से पहले करें ई-केवाईसी

पटना, 29 मई (एजें.)। एलपीजी के जिन ग्राहकों ने अभी तक अपनी जानकारी अपडेट नहीं की है, उन्हें यह जानना चाहिए कि एलपीजी कनेक्शन को आधार से लिंक करना सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सब्सिडी की निरंतर प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है। यह प्रक्रिया सिस्टम में पहचान, आवासीय पता और स्वामित्व विवरण के सटीक सत्यापन में भी सहायक है। ईकेवाईसी को पंजीकृत मोबाइल नंबर का उपयोग करके इंडेन या भारत गैस के आधिकारिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन पूरा किया जा सकता है, जिससे वितरक के पास जाए बिना ही जानकारी अपडेट करने की प्रक्रिया आसान हो जाती है। उपभोक्ताओं को यह जानकारी होनी चाहिए कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों ने पहले ही ईकेवाईसी पूरा कर लिया है, उनके लिए इसे दोबारा पूरा करना आवश्यक नहीं है, क्योंकि बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण अनिवार्यता केवल अप्रमाणित उपयोगकर्ताओं पर लागू होती है। इंडेन गैस कनेक्शन की सुविधा से ग्राहकों को उनके पंजीकृत पते पर एलपीजी गैस सिलेंडरों की निर्धारित डिलीवरी प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। इंडेन गैस कनेक्शन की सुविधा सीधे ग्राहकों की पहचान और बैंक खातों से जुड़ी होती है, जिससे डीबीटी के माध्यम से सरकारी सब्सिडी के लाभों के साथ एलपीजी गैस सुविधा का सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित होता है। इंडेन के साथ अपने केवाईसी को अपडेट करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह गैस सिलेंडरों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपकी पहचान, पता और बैंक खातों को प्रमाणित करता है।

पीलीभीत में भाजपा नेता के भाई की गोली मारकर हत्या

पीलीभीत, 29 मई (भा.)। पीलीभीत में बिलसंडा नगर पंचायत के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता डीके गुप्ता के चचेरे भाई पप्पू गुप्ता (48) की गुरुवार देर शाम गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, पप्पू गुप्ता अपने पड़ोसी व्यापारी मित्र पंकज को पिटता देख उन्हें बचाने गये थे। इसी दौरान हमलावरों में से एक ने पप्पू गुप्ता के सीने में गोली मार दी। गोली लगने के बाद पप्पू गुप्ता सड़क पर गिर पड़े और लगभग 15 मिनट तक तड़पते रहे, लेकिन लोग वीडियो बनाते रहे और उन्हें बचाने कोई नहीं आया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस के सहयोग से परिवार ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें बरेली रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गयी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुकीर्ति माधव ने बताया कि हमलावरों की खोज के लिए पांच टीम बनाई गयी हैं। यह घटना बिलसंडा थाना क्षेत्र के वमरौली तिराहे की है। पुलिस के अनुसार बिलसंडा कस्बा निवासी पंकज कटियार साइकिल कारोबारी हैं। पंकज का उनकी पत्नी शीतल से लंबे समय से विवाद था। दोनों की शादी दिसंबर, 2023 में हुई थी। शीतल शाहजहांपुर के रोजा थाना क्षेत्र के मुकरमपुर गांव की रहने वाली है। पंकज ने पुलिस को बताया कि पत्नी ने उनके विरुद्ध दहेज और प्रताड़ना से जुड़ा मामला दर्ज कराया था। गुरुवार देर शाम शीतल के पिता रामनाथ कृपाल, विमल, रितेश और अन्य लोग दो मोटरसाइकिल से बिलसंडा पहुंचे और पंकज के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पंकज के साथ मारपीट की सूचना पाकर बगल के दुकानदार कपड़ा कारोबारी पप्पू गुप्ता व्यापारी मित्र को बचाने पहुंचे। सुकीर्ति माधव ने बताया कि हमलावरों की तलाश में एसओजी, अपराध शाखा, सर्विलांस, स्थानीय पुलिस समेत पुलिस की पांच टीम गठित की गयी है। ये सभी टीम हत्या के आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। कस्बे में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से छह श्रमिकों की मौत, तीन अन्य घायल

हमीरपुर, 29 मई (भा.)। हमीरपुर जिले में शुक्रवार तड़के तेज आंधी के दौरान बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से छह श्रमिकों की मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य श्रमिक घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना तड़के करीब तीन बजे लालपुरा थाना क्षेत्र में हुई, जब परसनी और कुरारा कंदौर गांव के बीच निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि पुल निर्माण कार्य में लगे कई मजदूर स्लैब के ऊपरी हिस्से पर सो रहे थे। इसी दौरान अचानक स्लैब गिर गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान लोकेन्द्र (22), कुलदीप निषाद (19), सावंत यादव (28), सभाजीत (30), पुष्पेंद्र चौहान (34) और राजेश पाल (42) के रूप में हुई है। वहीं,

अवधेश निषाद, कल्लू यादव और राजेश निषाद पिलर के नीचे फंसकर घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने घायलों को बाहर निकाला और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लालपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार सरोज ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और मलबा हटाकर यह देखा जा रहा है कि कहीं कोई अन्य व्यक्ति तो हताहत नहीं है। हमीरपुर के जिला अधिकारी अभिषेक गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि दो वर्ष पहले शुरू हुई इस परियोजना का निर्माण कार्य एक निजी कंपनी द्वारा कराया जा रहा था और श्रमिकों के लिए सुरक्षा के सभी उपाय निर्माण स्थल पर किये गये थे। उन्होंने इस दुर्घटना में अभी तक छह श्रमिकों की मृत्यु होने की पुष्टि की। गोयल ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग और जिला प्रशासन ने आंधी-तूफान और बारिश के संबंध में गुरुवार शाम चेतावनी जारी की थी और निवासियों व कर्मचारियों को सचेत करने के लिए गांवों में मुनादी भी कराई गयी थी। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने कहा, प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन को एसडीआरएफ के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य तेजी से संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं।

भाजपा नेता ने जरांगे से अनशन शुरू नहीं करने की अपील की, ओबीसी संगठन प्रमुख ने विरोध की चेतावनी दी

मुंबई, 29 मई (भा.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रसाद लाड ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अपना प्रस्तावित अनिश्चितकालीन अनशन वापस लेने की शुक्रवार को अपील की, जबकि राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) महासंघ के अध्यक्ष बबनराव तायवाडे ने चेतावनी दी कि ओबीसी के आरक्षण को प्रभावित करने वाले किसी भी कदम के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किये जाएंगे। जरांगे ने घोषणा की है कि वह मराठा समुदाय की अधूरी मांगों को लेकर 30 मई से महाराष्ट्र में जालना जिले के अंतरवाली सराटी में अनशन शुरू करेंगे। यह स्थान मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर है। विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) लाड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर जरांगे से भीषण गर्मी में अनशन नहीं करने की अपील की। लाड ने कहा, मैं अपना वादा निभाने आ रहा हूं... मैं समिति के अध्यक्ष को भी अपने साथ ला रहा हूं लेकिन मुझे एक भाई के नाते आपका वचन चाहिए। इस भीषण गर्मी में खुद को कष्ट मत दीजिए... अब अनशन करना आपके स्वास्थ्य के लिए असहनीय होगा। हम आपकी अपेक्षाएं पूरी करने आ रहे हैं... हमारे मराठा समुदाय को आपकी जरूरत है। जरांगे मांग कर रहे हैं कि सभी मराठाओं को कुनबी माना जाए। कुनबी कृषक जाति है, जो ओबीसी श्रेणी में शामिल है। मराठाओं को कुनबी माने जाने पर मराठा समुदाय के लोग सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र हो जाएंगे। हालांकि, ओबीसी समुदाय को डर है कि मराठाओं को इस श्रेणी में शामिल करने से उनके आरक्षण पर असर पड़ेगा। जरांगे ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि पिछले अनशनों से उनकी सेहत पर गंभीर असर पड़ा है लेकिन वह अपना आंदोलन जारी रखने को लेकर दृढ़ हैं। उन्होंने कहा, मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। मेरे पेट में जलन हो रही है और मुझे बहुत दर्द हो रहा है। मैं अपने समुदाय के बच्चों के कल्याण के लिए इस हालत में भी चिलचिलाती धूप में खड़ा हूं। सरकार को कम से कम यह समझना चाहिए। उन्होंने सरकार पर मराठा समुदाय के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप सत्ता में इसलिए आए क्योंकि मराठाओं ने बड़ी संख्या में आपको वोट दिया। फिर ऐसा अन्याय क्यों? ओबीसी और मराठाओं के बीच यह भेदभाव क्यों? अगर हमने कुछ गलत किया है तो हमें फांसी पर चढ़ा दीजिए लेकिन गरीब मराठाओं की जिंदगी क्यों बर्बाद कर रहे हैं? जरांगे ने आरोप लगाया कि सरकार पहले लोगों की चिंताओं का समाधान करने के बजाय चुनावों और दलों की आंतरिक राजनीति में व्यस्त है। उन्होंने कहा, आप अपनी राजनीति, चुनाव और उम्मीदवारों के चयन में व्यस्त हैं। आप लोगों को कब खुश करेंगे? गरीब लोग आपको कोसेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अनशन वापस लेंगे, जरांगे ने कहा कि वह पहले सरकार के रुख और मंत्रियों द्वारा लाए जाने वाले प्रस्तावों का आकलन करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे देखने दीजिए कि सरकार का रुख क्या है, वे क्या अमल करते हैं और कौन-कौन आ रहा है लेकिन मैं आपको साफ बता रहा हूं कि 30 तारीख को अनशन निश्चित रूप से होगा। गरीबों के कल्याण के लिए यह अभूतपूर्व होगा। इस बीच, तायवाडे ने संवाददाताओं से कहा कि ओबीसी समुदाय देखो और इंतजार करो की स्थिति में है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ओबीसी समुदाय के आरक्षण पर असर पड़ा तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, हमें जरांगे की मांगों या उनके आंदोलन से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन मूल ओबीसी आरक्षण को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। यदि ओबीसी आरक्षण में जरा भी कमी आती है तो समुदाय पूरे राज्य में जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगा।

केरल के राज्यपाल ने विधानसभा में वंदे मातरम प्रोटोकॉल का पालन न करने पर जतायी नाराजगी

तिरुवनंतपुरम, 29 मई (भा.)। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शुक्रवार को इस बात पर नाराजगी जतायी कि जब वह संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के नीतिगत अभिभाषण के लिए विधानसभा में मौजूद थे, तब वंदे मातरम पूरा नहीं गाया गया। उन्होंने कहा कि जब राज्यपाल ऐसे कार्यक्रमों में उपस्थित हों, तब उचित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। केरल विधानसभा में राज्यपाल के नीतिगत अभिभाषण से पहले और बाद में एक बैंड दल ने वंदे मातरम के शुरुआती अंतरे प्रस्तुत किये। विधानसभा से लौटने के बाद लोक भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह पहले से तय था कि जब भी राज्यपाल सदन में मौजूद हों, तब वंदे मातरम पूरा गाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गीत केवल बजाया गया, गाया नहीं गया। उन्होंने कहा, जब भी राज्यपाल उपस्थित हों, तब इसे पूरा गाया जाना चाहिए। इसे गाया नहीं गया, केवल बजाया गया। आर्लेकर ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष तिरुवंचूर राधाकृष्णन से बात की है और उन्हें उम्मीद है कि इस मामले का समाधान किया जाएगा।

भाजपा के सत्ता में आने के बाद शिक्षण संस्थानों में आरएसएस से संबद्ध संगठनों का तेजी से विस्तार

कोलकाता, 29 मई (भा.)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के महज तीन हफ्तों बाद राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में वैचारिक बदलाव की प्रक्रिया में तेजी दिखाई देने लगी है, क्योंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संगठन उन परिसरों, कर्मचारी कक्षों और शैक्षणिक नेटवर्कों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आक्रामक रूप से आगे बढ़ रहे हैं जिन पर लंबे समय से वामपंथी और तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा है। उत्तर बंगाल के कॉलेज कैंटीन से लेकर कोलकाता के विश्वविद्यालय विभागों तक बिना अधिक शोर शराबे के लेकिन स्पष्ट रूप से बदलाव दिख रहा है। बंगाल की छात्र राजनीति में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दशकों तक हाशिए में रही, लेकिन राज्य में भाजपा की जीत के बाद अचानक उसकी सदस्यता के लिए अनुरोधों में वृद्धि हुई है, साथ ही व्हाट्सऐप पर जानकारी हासिल करने वालों की संख्या भी बढ़ी है और परिसर में इकाइयां बनाने के निमंत्रण भी अधिक मिल रहे हैं। शिक्षकों, प्रोफेसरों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच भारतीय शिक्षण मंडल और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षणिक महासंघ (एबीआरएसएम) भी चार मई के चुनाव परिणामों के बाद अभूतपूर्व रूप से प्रचार-प्रसार में वृद्धि की रिपोर्ट कर रहे हैं और इन परिणामों ने लगभग आधी सदी में पहली बार बंगाल के वैचारिक और राजनीतिक परिश्य को बदल दिया है। चुनाव परिणामों के बाद व्यापक आत्मविश्वास जताते हुए आरएसएस के वरिष्ठ नेता जिष्णु बसु ने कहा, हिंदू राष्ट्रवाद और वंदे मातरम गीत की उत्पत्ति बंगाल की धरती से हुई है। कई दशकों तक यह कोशिश की गयी कि हम अपने इतिहास, संस्कृति और जड़ों को भूल जाएं। अब बंगाल ने अपनी जड़ों की ओर लौटने का फैसला किया है। एबीवीपी नेताओं ने दावा किया कि चुनाव परिणामों से पहले छात्र संगठन की उपस्थिति केवल 96 कॉलेजों में थी लेकिन महज दो सप्ताह में यह संख्या 400 से अधिक हो गयी है और नौ जून से औपचारिक सदस्यता अभियान शुरू होने से पहले ही अनौपचारिक नेटवर्क उभर कर सामने आ रहे हैं। एबीवीपी दक्षिण बंगाल के सचिव नीलकंठ भट्टाचार्य ने बताया, विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के कई छात्र हमसे संपर्क में हैं और एबीवीपी में शामिल होना चाहते हैं तथा अपने कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में एबीवीपी इकाइयां खोलना चाहते हैं।

बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा ने अन्नपूर्णा योजना के विस्तृत आवेदन पत्र का किया बचाव

कोलकाता, 29 मई (भा.)। पश्चिम बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष नकद अंतरण (डीबीटी) योजना अन्नपूर्णा योजना के 12 पृष्ठों के विस्तृत आवेदन पत्र का बचाव करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस विस्तृत प्रक्रिया के जरिए यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कल्याणकारी योजनाओं का वित्तीय लाभ केवल भारतीय नागरिकों तक ही पहुंचे। इस लंबे आवेदन पत्र में महिला लाभार्थियों से परिवार के प्रत्येक सदस्य के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी गयी है। इसे लेकर कई वर्गों ने आलोचना की है और कुछ लोगों ने आरोप लगाया है कि अत्यधिक दस्तावेजीकरण से कई वास्तविक लाभार्थी इस कल्याणकारी योजना का लाभ पाने से वंचित रह सकते हैं। अग्निमित्रा ने आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार गैर-नागरिकों को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा, क्या तृणमूल को लगता है कि भाजपा सरकार उन रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को लाभ देगी, जो बांग्लादेश सीमा के पास लंबी कतारों में खड़े हैं? हम अन्नपूर्णा योजना या किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ उन लोगों तक नहीं पहुंचाना चाहते, जो भारतीय नागरिक नहीं हैं। यह हमारा पैसा है, आपका पैसा है, जनता का पैसा है। स्वाभाविक है कि हमें पूरी जानकारी चाहिए। महिला एवं बाल विकास तथा सामाजिक कल्याण मंत्री अग्निमित्रा ने कहा कि भाजपा को तृणमूल से सबक लेने की जरूरत नहीं है।

तमिलनाडु के इरोड में जंगली हाथी के हमले में किसान की मौत

इरोड, 29 मई (भा.)। तमिलनाडु के इरोड जिले में शुक्रवार को एक जंगली हाथी के हमले में 40 वर्षीय किसान की मौत हो गयी। एपाथम्पालायम गांव का निवासी थंगराज सुबह शौच के लिए गया था। इसी दौरान एक नर हाथी ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। परिवार के सदस्य और पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत वन विभाग और पुलिस अधिकारियों को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर थंगराज के मौत की पुष्टि की। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरीदाबाद अस्पताल के बाहर प्रसव की घटना को लेकर हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़, 29 मई (भा.)। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में सेक्टर-3 स्थित सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खुले पार्किंग स्थल में एक महिला द्वारा कथित तौर पर टॉर्च की रोशनी में बच्चे को जन्म देने के मामले में संबंधित प्राधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने इस मामले को मानवीय गरिमा, जीवन के अधिकार और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच से जुड़ा बेहद संवेदनशील मामला माना है। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने इस मामले में आरोप की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए संबंधित प्राधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। आयोग के समक्ष की गयी शिकायत और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के अनुसार, प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला को 15 और 16 मई की दरमियानी रात बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया था। मानवाधिकार आयोग के 25 मई के आदेश के अनुसार, उसके समक्ष रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री में चिकित्सकीय लापरवाही और प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया गया है क्योंकि महिला को अस्पताल के बाहर खुले पार्किंग क्षेत्र में बच्चे को जन्म देना पड़ा। आदेश में कहा गया, ये परिस्थितियां दुखद रूप से उस आदिम समय की याद दिलाती हैं, जब उचित चिकित्सा सुविधाओं, संस्थागत देखभाल और पेशेवर सहायता के अभाव में घरों में प्रसव कराए जाते थे। आयोग के समक्ष रखी गयी सामग्री के अनुसार, महिला के साथ आए लोगों ने अस्पताल पहुंचने पर कथित तौर पर पाया कि अस्पताल का मुख्य द्वार बंद था और आपातकालीन वार्ड में चिकित्सा सहायता तत्काल उपलब्ध नहीं थी। यह भी आरोप लगाया गया कि परिवार के सदस्यों के बार-बार प्रयास करने के बावजूद मरीज को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिली जिसके कारण महिला को अस्पताल के बाहर पार्किंग क्षेत्र में बच्चे को जन्म देना पड़ा। यह भी आरोप है कि परिजनों को व्हीलचेयर की व्यवस्था खुद करनी पड़ी और अस्पताल कर्मियों के मौके पर पहुंचने से पहले उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

पृष्ठ 1 का शेष

प्रदेश भाजपा ने...

भुइयां को इस समिति का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस समिति में कई अन्य प्रमुख चेहरों को बतौर सदस्य शामिल किया गया है, जो संकट के समय राहत और प्रबंधन कार्यों को गति देंगे। समिति के सदस्यों में उपाध्यक्ष रत्ना सिंह, महासचिव ऋतुपर्ण बरुवा, विधायक बिजय मालाकार, विधायक ऋतुबरन शर्मा, विधायक नीलिमा देवी और विधायक पवित्र राभा शामिल हैं। इनके साथ ही सचिव रातुल शर्मा, सचिव बितुपोन डोले, सचिव सिधांकु अंकुर बरुवा, आईटी प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. मृगांक तालुकदार और सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक विद्यासागर बोरा को भी इस टीम में सदस्य के रूप में जगह दी गयी है। यह पूरी समिति राज्य में किसी भी प्राकृतिक या अन्य आपदा के दौरान पार्टी के राहत कार्यों और प्रशासनिक तालमेल को संभालने का काम करेगी।

बीएसएफ के कार्यक्षेत्र...

दिवस पर उसकी सीमा सुरक्षा की अवधारणा में पूरी तरह बदलाव करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम चार-स्तरीय अवधारणा पर आधारित एक सुरक्षा ग्रिड स्थापित करेंगे और पारंपरिक सीमा सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा का एक नया मॉडल भी शुरू करेंगे। इसमें आम जनता, नागरिक प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना की भागीदारी होगी; स्वाभाविक रूप से बीएसएफ के जवान इस प्रयास में केंद्रीय भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी परियोजना के तहत किये जा रहे इस सहयोगात्मक प्रयास के माध्यम से सरकार भारत की पूरी सीमा पर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने का कार्य कर रही है, जिसमें बांग्लादेश और पाकिस्तान से लगती दोनों सीमाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में हजारों करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इसकी योजना बनाने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। कुछ प्रस्तुतियां पहले ही दी जा चुकी हैं, जबकि कुछ अभी बाकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ड्रोन, रडार, वॉचटावर, अत्याधुनिक तकनीक और बीएसएफ के वीर जवानों जैसे विभिन्न मजबूत घटकों को एकीकृत करके एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम आपके कार्यक्षेत्र के विस्तार पर भी विचार कर रहे हैं, ताकि इसमें अतिरिक्त जिम्मेदारी वाले क्षेत्र शामिल किए जा सकें। निकट भविष्य में बीएसएफ को नये सेक्टर और परिचालन क्षेत्र सौंपने पर हम सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल से सटी बांग्लादेश सीमा का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी संवेदनशीलता इसी क्षेत्र में है। उन्होंने कहा कि अब बंगाल में भाजपा सरकार बन गयी है और मुख्यमंत्री ने केवल एक सप्ताह के भीतर ही बाड़बंदी के लिए आवश्यक सभी भूमि आवंटित करने का सैद्धांतिक निर्णय लिया है तथा इस भूमि के कुछ हिस्सों को सौंपने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। शाह ने कहा कि एक बार बाड़बंदी पूरी हो जाने के बाद सरकार बड़े पैमाने पर घुसपैठ रोकने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों के लिए केवल जंगल, पहाड़ और नदी मार्ग ही बचेंगे और इन क्षेत्रों में तकनीकी बाड़बंदी समाधानों को लागू करने का काम जारी है। केंद्रीय मंत्री शाह देश के सीमावर्ती क्षेत्रों के विस्तारित दौरे पर हैं, जहां वे सुरक्षा समीक्षा कर रहे हैं और स्थानीय अधिकारियों तथा बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने सुबह सीमा चौकी जी-7 का उद्घाटन किया, ओपी टावर 1170 के नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और हरामी नाला खाड़ी का दौरा किया, जहां उन्होंने एक पौधा लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने कठोर मौसम की स्थिति में बीएसएफ कर्मियों को होने वाली कठिनाइयों को कम करने के लिए आवश्यक धनराशि आवंटित करने और नवीनतम तकनीकी प्रगति का उपयोग करने में कभी संकोच नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैं यहां स्थापित किये गये निगरानी टावर की स्थापना में शामिल तकनीकी चुनौतियों से भलीभांति अवगत हूं, लेकिन हमारे कर्मियों ने तकनीकी समाधान निकाले और इस टावर का सफलतापूर्वक निर्माण किया। शाह आज बाद में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करने के साथ ही बीएसएफ कर्मियों से बातचीत करने वाले थे। उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत राजस्थान के बीकानेर से की, जहां उन्होंने सांचू स्थित बीएसएफ चौकी का दौरा किया, प्रहरी सम्मेलन में भाग लिया और बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीमा सुरक्षा की समीक्षा करने से पहले महिला कर्मियों के लिए बैरकों का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि वे बांग्लादेश सीमा का भी दौरा कर सकते हैं, जिसकी शुरुआत 5 जून को त्रिपुरा से होगी, जिसके बाद वे पश्चिम बंगाल जाएंगे।

असम व मेघालय...

सहमति व्यक्त की। शर्मा ने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना से प्रेरित होकर असम और मेघालय विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं और सहयोग के ऐसे अवसर तलाश रहे हैं, जो अष्टलक्ष्मी क्षेत्र के विकास पथ को गति प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को भारत की अष्टलक्ष्मी कहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि चर्चा में असम-मेघालय सीमा सहित प्रमुख अंतर्राज्यीय मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने आपसी सम्मान, मित्रता और निरंतर संवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित 12 क्षेत्रों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।

पिंपरी चिंचवड व...

कथित आपूर्ति के संबंध में एक प्रमुख तस्कर सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पिंपरी चिंचवड के पुलिस उपायुक्त (जोन-प्रथम) संदीप आटोले ने कहा कि फुगेवाडी में कई मौतों के बाद हमने जांच शुरू की। अब तक संदिग्ध जहरीली शराब के सेवन से सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन अन्य का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि मौत के सही कारण की पुष्टि के लिए जांच रिपोर्ट का इंतजार है। अधिकारी ने बताया कि राज्य आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। हडपसर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक संजय मोगले ने बताया कि इलाके में पांच लोगों की संदिग्ध जहरीली शराब पीने से मौत हो दी। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है और हमारी जांच जारी है। राज्य आबकारी आयुक्त अतुल कानडे ने कहा कि फुगेवाडी में हुई मौतों के बाद विभाग ने जांच शुरू कर दी है। कानडे ने कहा कि हमने योगेश वानखेडे को हिरासत में लिया है, जो फुगेवाडी और हडपसर दोनों जगह जहरीली शराब की आपूर्ति में संलिप्त था। उसे पिंपरी चिंचवड पुलिस को सौंप दिया गया है और कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि यह बेहद गंभीर घटना है। इस मामले में तत्काल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा कुछ और गिरफ्तारियां भी संभव हैं। हमने इसके पीछे के पूरे नेटवर्क की पहचान कर ली है। उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है और यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नेटवर्क कितना व्यापक है। पुलिस आबकारी विभाग के साथ मिलकर काम कर रही है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) नेता रोहित पवार एवं पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने हडपसर इलाके में एक शराब के अड्डे पर तोड़फोड़ की। पवार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया कि पुणे के हडपसर और फुगेवाडी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 18 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने घटना को बेहद भयावह बताते हुए आरोप लगाया कि यह घटना गृह विभाग के भ्रष्ट कामकाज को उजागर करती है। राकांपा (शप) नेता ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। अब भी कई लोग जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। राज्य में बेरोकटोक हो रही अवैध गतिविधियों पर बार-बार चिंता जतायी दी, लेकिन सरकार उन पर लगाम नहीं लगा सकी और 18 लोगों की मौत के लिए पूरी तरह राज्य सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार तकनीकी रूप से बड़े बहुमत के साथ सत्ता में है, लेकिन नैतिक रूप से उसने जनता का भरोसा खो दिया है।

जुबिन मामला : श्यामकानु...

गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति ननी गोपाल महंत उनके बड़े भाई हैं। ननी गोपाल महंत मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के शिक्षा सलाहकार भी रह चुके हैं, विशेष त्वरित अदालत की न्यायाधीश शर्मिला भुइयां ने 26 मई को इस मामले में गिरफ्तार सात आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किये थे। प्रसिद्ध असमिया गायक जुबिन गर्ग की पिछले वर्ष 19 सितंबर को सिंगापुर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो दी थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के चौथे संस्करण में शामिल होने के लिए सिंगापुर गये थे। मामले में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, बैंड सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत, उनके चचेरे भाई एवं असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग तथा निजी सुरक्षा अधिकारी नंदेश्वर बोरा और प्रबीन वैश्य आरोपी हैं और जेल में बंद हैं। मुख्य आरोपी श्यामकानु महंत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की आठ अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप लगाये गये हैं, जबकि सिद्धार्थ शर्मा पर सात आरोप तय किये गये हैं। गोस्वामी और अमृत प्रभा पर छह-छह, बोरा और वैश्य पर दो-दो तथा संदीपन गर्ग पर एक आरोप तय किया गया है। इन आरोपियों पर हत्या, गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का कारण समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। असम पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष जांच दल (एसआईटी)ने राज्यभर में 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की जांच की थी। सिंगापुर पुलिस बल की अलग जांच में किसी साजिश के साक्ष्य नहीं मिले थे। सिंगापुर की कोरोनर अदालत ने भी कहा था कि लोकप्रिय भारतीय गायक अत्यधिक नशे की हालत में थे और लाइफ जैकेट लेने से इनकार करने के बाद लाजारस द्वीप के पास समुद्र में डूब गये। असम के अधिकारियों ने कहा है कि सिंगापुर की जांच रिपोर्ट का यहां चल रहे मामले पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ट्विशा मामला...

ले जाया गया। वहीं समर्थ सिंह को पिछली पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद अदालत में पेश किया गया। ट्विशा शर्मा की मौत के बाद करीब एक सप्ताह तक फरार रहने के बाद भोपाल पुलिस ने समर्थ को 22 मई को जबलपुर से गिरफ्तार किया था। ट्विशा शर्मा 12 मई को कटारा हिल्स स्थित ससुराल में फंदे पर लटकी मिली थीं। इसके बाद उनके परिजनों ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और हत्या के आरोप लगाये थे। मामले ने तूल पकड़ने के बाद इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गयी। इससे पहले 23 मई को समर्थ सिंह को ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास की अदालत में पेश किया गया था, जहां से उसे 29 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया था। अब सीबीआई ने आगे की पूछताछ के लिए उसकी नयी रिमांड मांगी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। रिमांड के दौरान सीबीआई समर्थ सिंह को कथित घटनास्थल पर भी लेकर गयी। दिल्ली से आयी फॉरेंसिक टीम ने कटारा हिल्स स्थित घर पर कई घंटे तक जांच की। टीम ने फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और अन्य तकनीकी जांच के जरिए साक्ष्य जुटाये। साथ ही 12 मई की रात की घटनाओं को लेकर समर्थ से पूछताछ की गयी। गिरिबाला सिंह की गिरफ्तारी उस दिन हुई, जब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

प्रधानंत्री को सिर्फ...

की अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता है, फिर भी इसे जल्दबाजी में आगे बढ़ा दिया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि तो मैं फिर से पूछता हूं - कौन चाहता था कि सीओईएमपीटी जीते? किसने धीरे-धीरे मानकों को इतना कम किया कि यह कंपनी इसे पार कर सके? उन्होंने कहा कि प्रधान जी और सीबीएसई का कहना है कि कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। यह कोई जवाब नहीं है, यह जवाबदेही नहीं है। सवाल यह है कि क्या अनुबंध ईमानदारी से उस सर्वश्रेष्ठ कंपनी को दिया गया था जो काम को सही ढंग से कर सकती थी? गांधी ने कहा कि 18.5 लाख बच्चों का भविष्य एक ऐसी कंपनी के हाथों में सौंप दिया गया, जो केवल तब अर्हता प्राप्त कर सकी जब उसके लिए नियमों में ढील दी गयी। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने के कारण मुझ पर हमला करने वाले भाजपा मंत्रियों के लिए मैंने पहले दिन से ही स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। इसे (जांच को) सीबीएसई से लेकर सीओईएमपीटी को दिये गये हर अनुबंध तक विस्तारित करें। हमारे युवाओं को सच्चाई जानने का हक है। गांधी ने कहा कि मोदी जी, सीबीएसई की गड़बड़ी पर आपकी चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफ आपकी निष्क्रियता देश को बताती है कि आपको वास्तव में किसकी परवाह है - लाखों छात्रों के भविष्य की नहीं, बल्कि सिर्फ अपनी सरकार के अस्तित्व की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि उनसे यह खुलासा हुआ है कि सीबीएसई ने इस साल की कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली प्रदान करने वाले ठेकेदारों के लिए प्रस्तावों के वास्ते अपने अनुरोध में तकनीकी शर्तों को लगातार नरम किया। रमेश ने अन्य चिंताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यूनतम स्कैनिंग रेजोल्यूशन को 300 डीपीआई से घटाकर 200 डीपीआई कर दिया गया और अनिवार्य कैपेबिलिटी मैच्योरिटी मॉडल इंटीग्रेशन (सीएमएमआई) प्रमाणन को स्तर-5 से घटाकर स्तर-3 कर दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जुर्माना के प्रावधानों को इस तरह बदला गया कि उनका ध्यान त्रुटियों के बजाय गति पर केंद्रित हो गया। उन्होंने कहा कि साथ ही उत्तर-पुस्तिकाओं की स्पाइन (बाइंडिंग) काटे बिना स्कैन करने की शर्त हटा दी दी और रोबोटिक स्कैनर के प्रावधान को भी खत्म कर दिया गया। रमेश ने अपने पोस्ट में कहा कि अंतिम आरएफपी अगस्त 2025 में जारी किया गया था, जो सीबीएसई कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं से केवल छह महीने पहले था। हम पहले से ही जानते हैं कि ओएसएम को लागू करने की जल्दबाजी में क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रायोगिक परियोजना आयोजित करने के सीबीएसई बोर्ड के समझदारी भरे सुझाव को नजरअंदाज कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पष्ट रूप से, सीबीएसई की कार्रवाई में अनावश्यक जल्दबाजी तथा गुणवत्ता एवं छात्र-केंद्रित प्रावधानों को कमजोर करने की झलक मिलती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस वर्ष से ही ओएसएम को अपना लिया जाए। कांग्रेस नेता ने अपनी पोस्ट में प्रश्न किया कि कई सवाल उठते हैं- आरएफपी में तकनीकी शर्तों को क्यों कमजोर किया गया? क्या यह निविदा के लिए बोली लगाने वाले ठेकेदारों के कहने पर किया गया था? सीबीएसई ने उन प्रावधानों (उच्च स्कैनिंग रिज़ॉल्यूशन, गलत तरीके से स्कैन की दी प्रतियों के लिए जुर्माना आदि) को क्यों कमजोर किया जो त्रुटियों को कम कर सकते थे और छात्रों व मूल्यांकनकर्ताओं की सहायता कर सकते थे? किस तरह का दबाव था? रमेश ने यह सवाल भी उठाया कि क्षेत्रीय स्तर पर प्रायोगिक परियोजना के जरिए गहन जांच किये बिना और तकनीकी बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता से समझौता करके ओएसएम को अपनाने में इतनी जल्दबाजी दिखाने के पीछे क्या कारण था। उन्होंने सवाल किया कि क्या सीओईएमपीटी की पृष्ठभूमि की जांच की दी थी, जिसे अंततः सीबीएसई ने अनुबंध दिया? क्या सीबीएसई ने इस तथ्य पर विचार किया कि सीओईएमपीटी का नाम पहले ग्लोबारेना था और वह विवादों में घिरी रही थी? क्या मोदी सरकार के राजनीतिक आकाओं की ओर से यह सुनिश्चित करने का दबाव था कि ठेका सीओईएमपीटी को ही मिले? कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि सीबीएसई को पाक साफ होना चाहिए और वेंडर के चयन, आरएफपी में किये गये संशोधनों, ओएसएम को अपनाने में दिखायी दी जल्दबाजी के कारणों और परीक्षाओं से पहले आयोजित बोर्ड बैठकों के विवरण से संबंधित सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने चाहिए। शायद मंत्री प्रधान कीचड़ उछालने और राजनीति करने के बजाय इन सवालों के जवाब दे सकते हैं।

सिद्धरमैया ने राहुल...

सूचित किया कि उन्होंने अनुरोध के अनुसार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि सिद्धरमैया अपने बेटे और वफादार नेताओं के लिए नये कर्नाटक मंत्रिमंडल में पद की मांग भी कर सकते हैं, जिसमें उपमुख्यमंत्री पद भी शामिल है। उन्होंने बताया कि सिद्धरमैया ने बाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की और कर्नाटक में नयी सरकार के गठन और पार्टी में अपनी भविष्य की भूमिका पर चर्चा की। सिद्धरमैया और राहुल गांधी की एक घंटे लंबी बैठक के दौरान मौजूद कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि यह एक बहुत ही सुखद बैठक थी। उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की। यह पूछे जाने पर कि क्या कर्नाटक में सत्ता का हस्तांतरण सुचारू रूप से होगा, तो उन्होंने कहा कि बिल्कुल। राज्य में सत्ता के सुचारू हस्तांतरण में कोई बाधा नहीं है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्धरमैया का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कल औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया। सूत्रों के अनुसार उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार गठन को लेकर कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल के साथ अलग से चर्चा करेंगे। शिवकुमार के कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने की संभावना है। सूत्रों ने यह भी बताया कि कांग्रेस कर्नाटक में पार्टी संगठन के पुनर्गठन पर भी काम करेगी, जिस पर शुक्रवार को चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में नयये मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक होने की संभावना है। दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिद्धरमैया जनता दल (सेक्युलर) छोड़कर 2006 में कांग्रेस में शामिल हो गये थे।

एनटीए को...

नरेंद्र मोदी खुद नीट पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं, ताकि कोई चूक न हो। इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से नीट-यूजी परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुधार किये हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। नीट-यूजी री-टेस्ट के लिए नये तरीके अपनाये गये हैं। देशभर में 3 मई को नीट-यूजी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आयी थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गयी। 21 जून को री-एग्जाम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को भंग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान 2024 में नीट पेपर लीक के बाद बनायी गयी हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई। राधाकृष्णन ने बताया कि समिति की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं। नीट-पीजी, 2025 सफल रहा और इस साल सामने आयी कमजोरियों को आगामी री-टेस्ट से पहले दूर किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए अभी स्थायी और मजबूत संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार एनटीए को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एनटीए को आईआईटी और दूसरे बड़े संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षाएं सुरक्षित तरीके से हो सकें।

एनजीटी ने भीषण...

आवश्यकता है। अधिकरण ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजधानी स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली सरकार और उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों को प्रतिवादी के रूप में शामिल किया है। एनजीटी ने कहा कि अगली सुनवाई (18 अगस्त) से कम से कम एक सप्ताह पहले अधिकरण के समक्ष हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब/प्रतिउत्तर दाखिल करने के लिए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया जाए। पीठ ने कहा कि जलवायु परिस्थितियों और गर्मियों के दौरान मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ते तापमान से निपटने के लिए राज्यों और उनके अधिकारियों से अल्पकालिक और दीर्घकालिक अनुकूलन रणनीति की आवश्यकता है। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि समाचार में गर्मी के जोखिम पर एक समर्पित अनुसंधान कार्यक्रम, एक मजबूत सहायता प्रणाली, जमीनी अवलोकन, उच्च-रिजॉल्यूशन थर्मल मैपिंग, सचल तापमान सर्वेक्षण, ओपन-एक्सेस डेटा, पर्यावरणीय प्रभाव और जलवायु अनुकूलन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। पीठ ने कहा कि यह मुद्दा बहुत गंभीर है, क्योंकि यह जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों से संबंधित है। इसलिए एक उचित अनुकूलन रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है और जैसा कि समाचार में रेखांकित किया गया है, क्षेत्र-विशिष्ट सूक्ष्म योजना की आवश्यकता है, क्योंकि साल-दर-साल तापमान बढ़ने की आशंका है, जिससे पानी की उपलब्धता और अन्य बुनियादी जरूरतें प्रभावित होंगी। तदनुसार इनसे निपटने के लिए अनुकूलन उपाय किये जाने चाहिए।

मणिपुर के उखरुल...

को पकड़ने और कानून के अनुसार उन्हें दंडित करने के लिए आसपास के क्षेत्रों में तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसके बाद दोनों पक्षों में कुछ देर तक मुठभेड़ चली। उन्होंने बताया कि मृत ट्रक चालक की पहचान 57 वर्षीय नीतीश कुमार के रूप में हुई है। अधिकारी के अनुसार यह घटना शांगकाई गांव से लगभग छह किलोमीटर दूर हुई, जहां प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों को आज सुबह प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। मुख्यमंत्री ने बुधवार को मणिपुर ट्रक ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर कानून व्यवस्था और माल परिवहन की सुगमता पर चर्चा की थी। सिंह ने कहा था कि सरकार वाहनों की सुरक्षित एवं सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय राजमार्गों को हर तरह की बाधाओं से मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हनुमानगढ़ में किसानों का आर-पार का एलान, सड़क पर बिछाये गद्दे; रोड जाम कर प्रशासन को घेरा

हनुमानगढ़, 29 मई (एजें.)। हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा और गोलूवाला में किसानों ने गेहूं खरीद की अंतिम तारीख बढ़ाने और पर्याप्त बारदाना उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। किसानों ने सूरतगढ़ रोड पर जाम लगाया और प्रशासन पर केवल आश्वासन देने का आरोप लगाया। गेहूं खरीद की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों ने पीलीबंगा में सूरतगढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया है। इससे पहले दो दिन तक किसान एसडीएम ऑफिस के सामने धरने पर बैठे थे। किसानों की ओर से गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद की आखिरी तारीख बढ़ाने की मांग की जा रही है। इधर, गोलूवाला में किसानों ने उपतहसील कार्यालय के सामने पड़ाव लगा दिया है। इससे पहले गुरुवार को पीलीबंगा में आंदोलन के दौरान किसानों और प्रशासन के बीच हुई कई दौर की वार्ता में कोई नतीजा नहीं निकला। गुरुवार को जिला मुख्यालय से एडीएम उम्मेदीलाल मीणा पीलीबंगा पहुंचे थे। उन्होंने 75 हजार बारदाना तुरंत उपलब्ध करवाने की बात कही, लेकिन किसानों ने बताया कि 8 लाख बैग की जरूरत है। माकपा नेता रघुवीर वर्मा ने बताया कि अधिकारियों से वार्ता हो रही है, लेकिन इसका कोई औचित्य नहीं है। गेहूं खरीद का लक्ष्य और अंतिम तारीख बढ़ाने का निर्णय सरकार के स्तर पर होगा। ऐसे में अधिकारी सिर्फ आश्वासन ही दे रहे हैं। शुक्रवार को पूर्व घोषणा के अनुसार किसानों ने सूरतगढ़ रोड पर गद्दे लगाकर जाम कर दिया। किसानों का कहना है कि गेहूं की सरकारी खरीद आर-पार की लड़ाई है। किसान पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध करवाने और खरीद की अंतिम तारीख बढ़वाने तक आंदोलन जारी रखेंगे। इधर, गोलूवाला में किसान उपतहसील कार्यालय के सामने पड़ाव लगाकर बैठ गये हैं। किसान गेहूं खरीद अवधि बढ़ाने और बारदाना उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे हैं। खास बात यह है कि व्यापारी अपने स्तर पर बारदाना वितरण में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि बारदाना वितरण में अनियमितता बरती गयी और चहेते लोगों को प्राथमिकता दी गयी। जिले में इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद का लक्ष्य 7.52 लाख मीट्रिक टन रखा गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार करीब 90 प्रतिशत खरीद पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद मंडियों में बड़ी मात्रा में गेहूं पड़ा हुआ है। किसानों और व्यापारिक संगठनों की ओर से लगातार खरीद अवधि 30 जून तक बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मंडियों में बारदाने की कमी, गेहूं उठाव में देरी और स्लॉट बुकिंग जैसी समस्याओं ने हालात और बिगाड़ दिये हैं। कई किसान पिछले कई दिनों से खरीद केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि यदि खरीद अवधि नहीं बढ़ाई गयी तो बड़ी संख्या में किसानों को अपना गेहूं औने-पौने दामों में बेचना पड़ सकता है। इस बार गेहूं उत्पादन और बुवाई क्षेत्र दोनों में बढ़ोतरी हुई है। जिले में गेहूं का रकबा करीब 6 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, पिछले साल की तुलना में उत्पादन भी अधिक बताया जा रहा है। इसके बावजूद खरीद लक्ष्य कम रखने से किसानों की चिंता बढ़ गयी है।

सीनियर अकाउंटेंट ने उड़ाये 1.10 करोड़ रुपये, पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 29 मई (एजें.)। जयपुर साउथ पुलिस ने एक निजी कंपनी से करीब 1.10 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और गबन करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कंपनी में सीनियर अकाउंटेंट एक्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत था और उसने कंपनी के बैंकिंग सिस्टम का दुरुपयोग करते हुए करोड़ों रुपए अपने और परिचितों के खातों में ट्रांसफर कर दिये। मामले का खुलासा कंपनी की ऑडिट के दौरान हुआ। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि 26 मई को पीड़ित नरेश गुप्ता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर सोडाला थाना पुलिस ने जांच शुरू की और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक खंडेलवाल (28) पुत्र रतन लाल बनिया निवासी गांव खेलना, थाना प्रागपुरा, जयपुर के रूप में हुई है। जांच में पता चला कि आरोपी ने बिना किसी अनुमति के कंपनी के खाते से करीब 1 करोड़ 3 लाख 72 हजार 881 रुपए अपने, पत्नी, रिश्तेदारों और परिचितों के खातों में ट्रांसफर कर दिये। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी पत्नी नाजिया बानो सहित कई अन्य व्यक्तियों और फर्मों के खातों में रकम भेजी। जिन खातों में पैसे ट्रांसफर किये गये, उनका कंपनी से कोई व्यावसायिक संबंध नहीं था।

दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक के नीचे चल रहा था काम, अचानक धंसी मिट्टी और चली गयी दो अधिकारियों की जान

कोटा, 29 मई (एजें.)। राजस्थान के कोटा जिले में नेशनल हाईवे-52 पर दरा की नाल के पास अंडरपास निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां मिट्टी के नीचे दबने से रेलवे के दो अधिकारियों की मौत हो गयी। दोनों अधिकारी अंडरपास निर्माण कार्य के दौरान निगरानी कर रहे थे। हादसा दरा की नाल में बनाए जा रहे दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर अंडरपास के पास हुआ। दोनों शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है। रामगंजमंडी पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि रेलवे ट्रैक के नीचे बनाए जा रहे अंडरपास निर्माण कार्य का रेलवे अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर पंकज कुमार झा और जूनियर इंजीनियर प्रभात सिंह मिट्टी के नीचे दब गये। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मशीनरी की मदद से दोनों अधिकारियों को मिट्टी से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद रेलवे मंडल में हड़कंप मच गया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गये और वहां काम कर रहे मजदूरों से घटना की जानकारी ली। पुलिस और रेलवे प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि हादसे की जांच के आदेश दे दिये गये हैं। जिस स्थान पर हादसा हुआ है, वहां से गुजरने वाली ट्रेनों पर 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा लागू कर दी गयी है। साथ ही ट्रेनों को रोक-रोककर और धीमी गति से निकालने के निर्देश दिये गये हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दरा की नाल में अंडरपास निर्माण के लिए पुश ब्लॉक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इस तकनीक में तीन ब्लॉकों के जरिए अंडरपास तैयार किया जा रहा है। इन ब्लॉकों को रेलवे पटरी के नीचे स्थापित किया जा रहा था। दोनों इंजीनियर इसी कार्य की निगरानी और निरीक्षण के लिए मौके पर मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी ने की आत्महत्या

जोधपुर, 29 मई (भा.)। राजस्थान के जोधपुर के लालसागर इलाके में एक सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ने अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान दशरथ सिंह चरण के रूप में हुई है, जो करीब दो साल पहले सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने हाल में लालसागर क्षेत्र में एक नया मकान बनवाया था और करीब एक सप्ताह पहले ही अपनी पत्नी के साथ वहां रहने आए थे। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, चरण की पत्नी गुरुवार को किसी रिश्तेदार से मिलने गयी थीं। जब वह घर लौटीं, तो उन्होंने चरण को फंदे पर लटका हुआ पाया। घटना के बाद उनके रिश्तेदार उन्हें तुरंत अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंडोर के थाना प्रभारी शेषकरण ने बताया कि घटना की सूचना शाम करीब चार बजे मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी ने बताया कि चरण जोधपुर लौटने से पहले पिछले कुछ वर्षों से जयपुर में रह रहे थे। जांच अधिकारियों ने अंदेशा जताया है कि वे कुछ समय से तनाव में थे, हालांकि कथित आत्महत्या का सटीक कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। चरण के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

मंत्री के खिलाफ पुलिसकर्मियों को अपशब्द कहने व धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज

जयपुर, 29 मई (भा.)। राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक के खिलाफ पुलिसकर्मियों को सरेआम धमकाने और उनसे अपशब्द कहने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चित्तौड़गढ़ के डूंगला थाने में दक के खिलाफ यह मामला एक ऑडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद गुरुवार को दर्ज किया गया। इस ऑडियो में कथित तौर पर उन्हें एक पुलिसकर्मी से गाली-गलौज करते सुना जा सकता है। वहीं, मंत्री ने एक वीडियो बयान जारी कर दावा किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस ऑडियो से उनका कोई लेना-देना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (राजकार्य में बाधा), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (जानबूझकर अपमान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। थाना प्रभारी शैतान सिंह द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना सोमवार की है जब वह पुलिस थाने में मौजूद थे और मंत्री ने उन्हें फोन कर बाहर बुलाया। थाना प्रभारी ने दावा किया कि मंत्री ने उनसे दो कांस्टेबल विष्णु कुमार व लक्ष्मीनारायण के बारे में पूछा और उन्हें बुलाने को कहा जब दोनों कांस्टेबल वहां पहुंचे तो मंत्री ने कथित तौर पर उन्हें अपशब्द कहना शुरू कर दिया तथा लोगों के सामने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि मंत्री ने मारपीट करने की कोशिश भी की। थाना प्रभारी का आरोप है कि दक ने लक्ष्मीनारायण के बड़ी सादड़ी थाने से हुए पिछले तबादले का हवाला देकर पुलिसकर्मियों को धमकाया। प्राथमिकी के अनुसार, मंत्री इस बात से नाराज थे कि उनके एक कथित परिचित धनराज को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया था।

राजस्थान के कई इलाकों में तेज अंधड़ की चेतावनी

जयपुर, 29 मई (भा.)। राजस्थान में एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई इलाकों में तेज अंधड़ आने की चेतावनी जारी की गयी है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है जिससे लोगों को कई दिन की भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नये पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आगामी दिनों में राज्य के कुछ भाग में तेज आंधी बारिश की गतिविधियां शुरू होने की पूरी संभावना है। इससे आज शुक्रवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के कुछ भाग में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ चलेगा और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। विक्षोभ का सर्वाधिक प्रभाव 30 से 31 मई को रहेगा। इस दौरान बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भाग में वज्रपात, 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने तथा कहीं-कहीं तेज बारिश होने का अनुमान है। राज्य के कुछ भाग में आंधी-बारिश की गतिविधियां जून के पहले सप्ताह में भी जारी रहेंगी। मौसम विभाग का कहना है कि आंधी बारिश के प्रभाव से आगामी दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने व 30 मई से लू से राहत मिलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि लगभग समूचा राजस्थान पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी की चपेट में है जहां गुरुवार को अधिकतम तापमान सीमावर्ती गंगानगर जिले में 47.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जयपुर के कारोबारी को एआई हनीट्रैप में फंसाकर ठगे 90 लाख

जयपुर, 29 मई (एजें.)। जयपुर के महेश नगर थाना क्षेत्र में कॉर्पोरेट जगत को झकझोर देने वाला हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, एक कारोबारी को एआई तकनीक के जरिए जाल में फंसाकर उससे करीब 90 लाख रुपये की उगाही की गयी। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने जोधपुर से मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिला ने कारोबारी से नजदीकियां बढ़ाने के बाद उसके करोड़ों रुपये के एआई प्रोजेक्ट पर कब्जा करने की साजिश रची। इसके लिए उसने आधुनिक एआई टूल्स और डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए कारोबारी की कथित आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो तैयार किये। बाद में इन्हें सोशल मीडिया और ईमेल पर वायरल करने की धमकी देकर कारोबारी पर लगातार दबाव बनाया गया। पीड़ित कारोबारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी गिरोह लंबे समय से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। बदनामी और परिवार पर खतरे के डर से वह लगातार पैसे देता रहा। आरोपी अब तक करीब 90 लाख रुपये वसूल चुके थे। इसके बाद भी गिरोह ने अतिरिक्त 50 लाख रुपये की मांग कर दी। रकम नहीं देने पर झूठे रेप केस में फंसाने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गयी। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क के पीछे एक व्यक्ति मास्टरमाइंड के रूप में काम कर रहा था, जो पूरे षड्यंत्र को संचालित कर रहा था। महेश नगर थाना पुलिस और डीसीपी साउथ की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी महिला को जोधपुर से गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि बदनामी के डर से कई अन्य पीड़ित अब तक सामने नहीं आए हैं। मामले की जांच जारी है और पुलिस डीपफेक तकनीक के दुरुपयोग के पहलुओं को भी खंगाल रही है।

बॉर्डर पर गांवों की बदलेगी तस्वीर, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम पर खर्च होंगे 232 करोड़

जयपुर, 29 मई (एजें.)। राजस्थान सरकार वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम- के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े 184 गांवों के विकास पर फोकस करने जा रही है। श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और फलोदी के इन गांवों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और रोजगार से जुड़े विकास कार्य किये जाएंगे। राजस्थान सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे 184 रणनीतिक गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम- के तहत बड़े स्तर पर आधारभूत ढांचा और आजीविका विकास कार्य शुरू करने जा रही है। इस योजना का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार सुविधाओं को मजबूत कर लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। यह कार्यक्रम श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और फलोदी जिलों के चयनित गांवों में लागू किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार योजना के तहत सड़क संपर्क, बिजली, टीवी और टेलीकॉम कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, पर्यटन, कौशल विकास, महिला स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा। 184 रणनीतिक गांवों में सबसे ज्यादा 68 गांव श्रीगंगानगर जिले में शामिल हैं। इसके अलावा बीकानेर के 46, बाड़मेर के 36, जैसलमेर के 30 और फलोदी जिले के 4 गांव योजना में शामिल किये गये हैं। फिलहाल 123 गांवों में 232 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 515 विकास कार्य प्रस्तावित किये गये हैं। राज्य सरकार का कहना है कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच पर आधारित है, जिसमें सीमा के गांवों को देश का अंतिम नहीं, बल्कि पहला गांव माना गया है। सरकार का दावा है कि लंबे समय से विकास से वंचित सीमावर्ती क्षेत्रों को अब आधुनिक सुविधाओं और बुनियादी सेवाओं से जोड़ा जाएगा। योजना के तहत हर साल 3 करोड़ रुपये की राशि विकास योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर सैचुरेशन के लिए निर्धारित की गयी है। इसके अलावा राजस्थान के सीमा ब्लॉकों के 3,195 गांवों में ऑल-वेदर सड़क, दूरसंचार, टीवी कनेक्टिविटी और ऑन-ग्रिड बिजली सुविधा सुनिश्चित करने की तैयारी है। सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन गतिविधियों, प्रशिक्षण शिविरों और जागरूकता अभियानों के जरिए स्थानीय समुदायों से जुड़ाव बढ़ाने पर भी काम कर रही है। योजना की मॉनिटरिंग केंद्र, राज्य और जिला स्तर की समितियों के माध्यम से की जा

मंत्री की बैठक में नहीं पहुंचे अधिकारी, जॉइंट डायरेक्टर को एपीओ किया, डिप्टी डायरेक्टर सस्पेंड

दौसा, 29 मई (एजें.)। दौसा में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री जोराराम कुमावत की नाराजगी के बाद एक अधिकारी को एपीओ और दूसरे को निलंबित कर दिया गया। दोनों अधिकारी इस समीक्षा बैठक में अनुपस्थित थे, जिसके चलते ये कार्रवाई की गयी। जिला मुख्यालय पर पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में लापरवाही बरतना दो अधिकारियों को भारी पड़ गया। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत की नाराजगी के बाद संयुक्त निदेशक को एपीओ और उपनिदेशक को निलंबित कर दिया गया है। दोनों अधिकारी 28 मई को आयोजित समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहे थे, जिसके बाद उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गयी। जिला मुख्यालय पर आयोजित समीक्षा बैठक में पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने विभागीय अधिकारियों और गौशाला संचालकों के साथ विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा

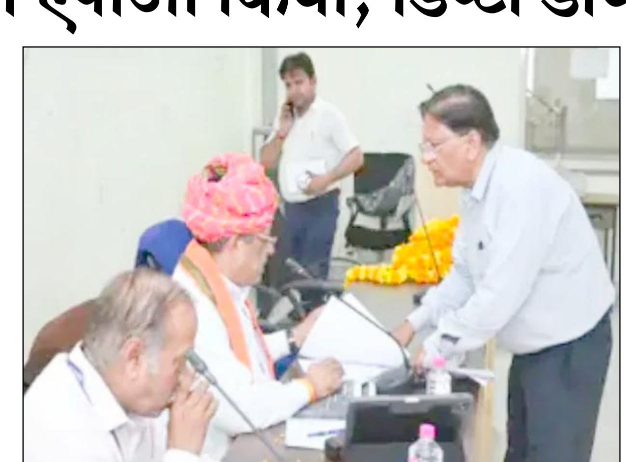

योजना, एसएसएस योजना, खुरपका-मुंहपका टीकाकरण कार्यक्रम तथा गौशालाओं से संबंधित बजट घोषणाओं की स्थिति पर चर्चा की गयी। बैठक के दौरान बेसहारा पशुओं की समस्या से जुड़े सवालों पर विभागीय अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिये जाने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई थी और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी। पशुपालन विभाग के संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड द्वारा जारी आदेश के अनुसार डॉ. प्रहलाद सिंह मीना, संयुक्त निदेशक को प्रशासनिक कारणों से आगामी आदेश तक एपीओ किया गया है। इस दौरान उनका मुख्यालय निदेशालय, पशुपालन विभाग, जयपुर रहेगा। वहीं समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर डॉ. करण सिंह मीना, उपनिदेशक, बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय महवा को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, जोधपुर निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत जिले में पिछले दो वर्षों के दौरान 75,495 पशुओं के बीमा का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इनमें से 67,505 पशुओं के चिकित्सा प्रमाण-पत्र जारी किये जा चुके हैं, जबकि 50,968 बीमा पॉलिसियां वितरित की गयी हैं। वहीं राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत वर्ष 2025-26 का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। जिले में अब तक 4,200 पशुओं को योजना के तहत एसएसएस तकनीक की डोज दी जा चुकी है। हालांकि खुरपका-मुंहपका रोग नियंत्रण टीकाकरण अभियान में लक्ष्य के मुकाबले केवल 75 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज होने पर मंत्री ने असंतोष जताया और अधिकारियों को प्रगति में सुधार के निर्देश दिये।

अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा, अपराध सिंडिकेट का अहम सहयोगी हिरासत में

हनुमानगढ़, 29 मई (एजें.)। हनुमानगढ़ पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े एक अहम सहयोगी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर रंगदारी की रकम के प्रबंधन और गैंग के सदस्यों को शरण देने का आरोप है। इस मामले में अब तक 16 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना के निर्देशन में गोगामेड़ी थाना पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट से जुड़े एक अहम सहयोगी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी चन्दनमल उर्फ चानण (60) निवासी सवाई डेलाना, सरदारशहर है, जो विदेश में बैठकर कथित रूप से रंगदारी का नेटवर्क संचालित करने वाले महेंद्र डेलाना का पिता है। इस मामले में अब तक कुल 16 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि महेंद्र डेलाना फर्जी पासपोर्ट के जरिए विदेश भाग गया था और वहां से व्यापारियों व आम लोगों को धमकाकर रंगदारी मांगने का नेटवर्क संचालित कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि उससे प्राप्त होने वाली अवैध रकम को संभालने और उसके प्रबंधन की जिम्मेदारी उसके पिता चन्दनमल उर्फ चानण के पास थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि करीब 8-9 महीने पहले महेंद्र के कहने पर उसने बीकानेर रोड स्थित केपीएस स्कूल के बोर्ड के नीचे छिपाकर रखी गयी 2.50 लाख रुपये की रंगदारी की राशि उठाकर ठिकाने लगाई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी केवल अवैध धन के प्रबंधन तक ही सीमित नहीं था, बल्कि वह रोहित गोदारा और वीरेन्द्र चारण गैंग के सदस्यों के लिए सुरक्षित ठिकाने भी उपलब्ध कराता था। जब भी गैंग के शूटर या सदस्य किसी वारदात के बाद फरार होते, तो चन्दनमल उन्हें अपने खेत में बनी ढाणी में शरण देता और पुलिस की नजरों से बचाने में मदद करता था। पुलिस ने बताया कि हाल ही में गैंग के सदस्य राजकुमार उर्फ राजू डेंटर और योगेश उर्फ जोगेंद्र को भी आरोपी ने अपने यहां छिपाकर

हिस्ट्रीशीटर के अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

झालावाड़झालावाड़ में अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान में गंभीर आपराधिक मामलों में नामजद आरोपी के सरकारी जमीन पर किये गये अवैध कब्जे को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। आरोपी के खिलाफ एक व्यापारी के साथ लूट और पुलिस पर हमले के साथ ही कई गंभीर मामले दर्ज हैं। जिले में हिस्ट्रीशीटर, हार्डकोर और सक्रिय अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रशासन ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर दीवान सिंह उर्फ श्रीलाल गुर्जर के अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मनोहरथाना क्षेत्र के साल्याखेड़ा गांव में सरकारी भूमि पर किये गये अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। झालावाड़ एसपी अमित कुमार ने बताया कि दीवान सिंह पुत्र किशन सिंह उर्फ श्रीलाल गुर्जर निवासी साल्याखेड़ा लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ दुष्कर्म, छेड़छाड़, गैर इरादतन हत्या, चोरी, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में कुल 14 प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपराध से अर्जित धन के बल पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कर रखा था। कार्रवाई के दौरान उपखंड अधिकारी पुष्कर मित्तल, तहसीलदार माधोलाल वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार, थानाधिकारी महेंद्र कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहला मामला वर्ष 2017 में मारपीट का दर्ज हुआ था। इसके बाद उसके खिलाफ चोरी के चार, छेड़छाड़ के दो, दुष्कर्म का एक, गैर इरादतन हत्या के दो सहित कई गंभीर मामले दर्ज हुए। पुलिस के मुताबिक 3 अप्रैल को आरोपी दीवान सिंह अपने साथियों के साथ मनोहरथाना के एक प्रतिष्ठित व्यापारी के पास पहुंचा था।

कोहला फार्म के संरक्षित वन क्षेत्र में लगी भीषण आग, प्रशासन और दमकल टीमें मौके पर

हनुमानगढ़, 29 मई (एजें.)। टाउन के निकट स्थित संरक्षित वन क्षेत्र कोहला फार्म में शुक्रवार को भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते धुएं के घने गुबार और ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं। आग की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर तहसीलदार हरीश साहरण, टाउन थाना प्रभारी अशोक विश्नोई सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद तेज हवा के कारण लपटें तेजी से फैलने लगीं। कुछ ही देर में आग सड़क किनारे तक पहुंच गयी, जिससे वहां से गुजर रहे वाहन चालकों और राहगीरों में दहशत फैल गयी। आग पर काबू पाने के लिए आसपास के ग्रामीण

और स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गये। लोगों ने अपने स्तर पर पानी और अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग का दायरा लगातार बढ़ता रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल अतिरिक्त दमकल वाहनों की मांग की। जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ के अलावा पीलीबंगा, रावतसर तथा अन्य क्षेत्रों से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फिलहाल सात से आठ दमकल वाहन आग बुझाने में जुटे हुए हैं। गौरतलब है कि कोहला फार्म एक संरक्षित वन क्षेत्र है। गर्मी के मौसम में घास सूखने के बाद आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन शुक्रवार को लगी आग को अत्यंत भीषण बताया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल प्राथमिकता आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने और आसपास के क्षेत्रों को सुरक्षित रखने की है। घटना में हुए नुकसान का आकलन आग बुझने के बाद किया जाएगा। प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं तथा आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

एक दिन भी अभ्यास नहीं करूं तो लगता है कि जिंदगी धीमी पड़ गयी : सूर्यवंशी

मुल्लांपुर, 29 मई (भा)। बाल प्रतिभा से किशोर सनसनी बनने के अपने सफर के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने नेट्स में शायद लाखों गेंदें खेली होंगी, लेकिन फिर भी उन्हें एक दिन का ब्रेक लेना भी पसंद नहीं है क्योंकि अगर वह एक दिन भी अभ्यास नहीं करते तो उन्हें जिंदगी धीमी लगने लगती है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले इस 15 साल के लड़के की लगन की काफी तारीफें हुई है और इसका बहुत सारा श्रेय उनके पिता संजीव को जाता है, जो उन्हें हफ्ते में पांच दिन समस्तीपुर से पटना ट्रेनिंग के लिए ले जाते थे। सूर्यवंशी ने जियोस्टार से बताया कि यह सब मेरे पिता की वजह से है। बचपन से ही उन्होंने मुझसे इतना ज्यादा अभ्यास करवाया है कि अगर मैं एक दिन भी अभ्यास नहीं करूं तो ऐसा लगता है, जैसे मेरी जिंदगी थोड़ी धीमी पड़ गयी हो। इसलिए मुझे बहुत लंबे ब्रेक की जरूरत नहीं पड़ती। एक दिन का ब्रेक ही काफी होता है। ट्रेनिंग को लेकर उनका जुनून इतना ज्यादा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले व्यवस्थित अभ्यास पर ध्यान देने के लिए उन्होंने अपनी 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षाएं भी छोड़ दी थीं। सूर्यवंशी ने कहा कि मुझे लगा कि मुझे अभ्यास करना चाहिए क्योंकि आईपीएल नजदीक आ रहा था और मैं वनडे क्रिकेट (अंडर-19 विश्व कप) खेलकर वापस आया था। प्रारूप में भी बदलाव हुआ था, इसलिए मुझे अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करने की जरूरत थी। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने हाल में कहा था कि वह चाहते हैं कि सूर्यवंशी के अंदर का बचपन जैसा भोलापन हमेशा बना रहे। जब आप उनसे उनके आराम करने के तरीके के बारे में बात करते हैं तो उनके अंदर का बच्चा जाग उठता है। उन्होंने कार्टून देखने को अपना पसंदीदा मनोरंजन का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि दो-तीन साल पहले जब मैं घर पर रहता था और वहीं मैच खेलता या अभ्यास करता था तो जब भी घर पर मुझे फ्री टाइम मिलता था, मैं कार्टून देखता था। मुझे इसमें बहुत मजा आता था। सूर्यवंशी ने कहा कि आज भी, जब भी मुझे लगता है कि मुझे थोड़ा आराम या शांति चाहिए तो मैं कार्टून देखता हूं। मैं अपने कमरे में आराम से बैठकर अपनी पसंद के कार्टून देखता हूं। इससे मुझे बहुत अच्छा लगता है। आईपीएल के इस सत्र में 680 रन और रिकॉर्ड 65 छक्के लगाकर सूर्यवंशी 1988 में सचिन तेंदुलकर के आने के बाद से भारतीय क्रिकेट में सबसे बड़ी सुर्खियां बटोरने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। भले ही दोनों के बल्लेबाजी करने की शैली अलग-अलग हों, लेकिन तेंदुलकर की ही तरह सूर्यवंशी भी अपनी उम्र से कहीं ज्यादा परिपक्वता दिखाते हैं। उनके पिता संजीव ने उनमें टीम खिलाड़ी होने का जज्बा भरा है और सूर्यवंशी के लिए यह बात सबसे ज्यादा मायने रखती है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मेरे पिता मुझसे कहते आये हैं कि अगर तुम शतक, दोहरा शतक या तिहरा शतक भी बना लो, लेकिन तुम्हारी वजह से टीम नहीं जीते तो उन रनों की कोई अहमियत नहीं होती। ये रन सिर्फ तुम्हारे निजी रिकॉर्ड के लिए हो सकते हैं, लेकिन उनसे टीम को कोई फायदा नहीं होगा। सूर्यवंशी ने कहा कि इसलिए अगर मैं शतक के बजाय 80 रन बनाऊं और मेरी टीम जीत जाए और अगर शतक बनाने के बाद भी हम नहीं जीत पाएं तो मेरे लिए उन 100 रन के मुकाबले वे 80 रन ज्यादा मायने रखते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी टीम टूर्नामेंट में जितनी ज्यादा देर तक बनी रहेगी और हम प्लेऑफ और फाइनल में जितना आगे तक जाएंगे, मुझे शतक बनाने और जो भी रिकॉर्ड मैं तोड़ना चाहता हूं, उन्हें हासिल करने के उतने ही ज्यादा मौके मिलेंगे। इसलिए इससे मुझे निजी तौर पर भी फायदा होता है और टीम को भी।

पंत ने छोड़ी एलएसजी की कप्तानी टीम प्रबंधन ने किया स्वीकार

नयी दिल्ली, 29 मई (एजें)। आईपीएल 2026 में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला कर लिया है। फ्रेंचाइजी ने आज आधिकारिक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की। टीम प्रबंधन ने बताया कि पंत ने खुद कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त किये जाने का अनुरोध किया था, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया। लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया है। फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि ऋषभ ने कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त किये जाने का अनुरोध किया था, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पंत ने खुद टीम प्रबंधन से कप्तानी छोड़ने की इच्छा जतायी थी और टीम ने उनके निर्णय का सम्मान किया है। टॉम मूडी ने अपने बयान में कहा कि ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी से कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया और हमने सम्मानपूर्वक इसे स्वीकार किया। ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते। कप्तान के रूप में ऋषभ ने ड्रेसिंग रूम के लिए जो योगदान दिया है, उसके लिए हम आभारी हैं। अब हमारा पूरा फोकस टीम के पुनर्निर्माण और बेहतर प्रदर्शन पर है। हालांकि फ्रेंचाइजी की ओर से नये कप्तान के नाम का अभी तक आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में टीम प्रबंधन नए नेतृत्व को लेकर फैसला ले सकता है। ऋषभ पंत को आईपीएल 2025 की नीलामी में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। फ्रेंचाइजी को उनसे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। आईपीएल 2026 में लखनऊ की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम 14 मैचों में सिर्फ चार जीत हासिल कर पायी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही। इससे पहले आईपीएल 2025 सीजन में भी टीम ने 14 में से केवल छह मुकाबले जीते थे। इस तरह पंत की कप्तानी में लखनऊ ने कुल 28 मैचों में सिर्फ 10 जीत दर्ज की। कप्तानी के साथ-साथ ऋषभ पंत का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। आईपीएल 2025 में उन्होंने 14 मैचों में 269 रन बनाए थे, जबकि आईपीएल 2026 में उनके बल्ले से 312 रन निकले। हालांकि, उनकी पारियों में निरंतरता की कमी साफ नजर आयी।

वंडर *किड* के प्रदर्शन में निरंतरता की कुंबले ने की सराहना

मुल्लांपुर, 29 मई (भा)। भारतीय स्पिन दिग्गज अनिल कुंबले ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी और निरंतरता की जमकर सराहना करते हुए कहा कि केवल छक्कों की ताकत नहीं बल्कि प्रदर्शन में निरंतरता ही इस युवा खिलाड़ी को खास बनाती है। सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में 65 छक्के जड़कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के 2012 में बनाये गये 59 छक्कों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी ने 15 पारियों में 680 रन बनाकर ऑरेंज कैप (आईपीएल सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी को दी जाने वाली सूची में शीर्ष स्थान) भी अपने नाम कर ली है। इसी के साथ उन्होंने एक टी20 सीरीज में किशोर खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। कुंबले ने जियो हॉटस्टार के गेम प्लान में कहा कि वैभव सूर्यवंशी ऑरेंज कैप धारक हैं और यह उपलब्धि सिर्फ एक बार या कुछ ही टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने से नहीं मिलती। उन्होंने पिछले दो महीनों में लगातार ऐसा प्रदर्शन किया है और यह इस युवा खिलाड़ी के बारे में बहुत कुछ कहता है। उन्होंने कहा कि वह सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन यह सिर्फ मैदान पर जाकर कुछ छक्के जड़ने की बात नहीं है। कुंबले ने कहा कि सूर्यवंशी के उभार से उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल पर भी दबाव बढ़ा है। जायसवाल ने इस सत्र में 15 मैचों में 426 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 32.77 और स्ट्राइक रेट 153.24 रहा है। कुंबले ने कहा कि जायसवाल को गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की है, लेकिन वह निश्चित रूप से दबाव में हैं। कुछ साल पहले सारी चर्चा उन्हीं पर थी, लेकिन अब 15 साल का एक खिलाड़ी पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में भी उनकी साझेदारी शानदार रही थी। उन्होंने आठ ओवरों में करीब 120 रन बनाये, लेकिन इनमें से ज्यादातर रन सूर्यवंशी ने ही बनाये थे। कुंबले ने यह भी कहा कि जायसवाल को इस बात की निराशा होगी कि बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर भी वह तेजी से रन बनाने में विफल रहे।

वैभव को देख चौंक गया पाक, अफरीदी से तुलना पर भड़के फैंस

नयी दिल्ली, 29 मई (एजें)। आईपीएल 2026 में किसी एक खिलाड़ी, जिसने सबसे ज्यादा तहलका मचाया है, वह खिलाड़ी है वैभव सूर्यवंशी। 15 साल के राजस्थान रॉयल्स के इस बल्लेबाज ने अपने दम पर टीम को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाया है। लगभग हर मैच में उनके बल्ले से रन निकले हैं और स्ट्राइक रेट का तो क्या ही कहना। वैभव की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देख पाकिस्तान भी चौंक गया है। इस 15 साल के विस्फोटक बल्लेबाज को लेकर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज और रन मशीन के नाम से मशहूर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीदी से की तो फैंस भड़क गये और कहा कि अफरीदी भी वैभव के सामने कुछ नहीं हैं। वहीं कामरान अकमल और बासित अली भी वैभव की बल्लेबाजी देख चौंक गये हैं। वैभव सूर्यवंशी की तुलना लगातार क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों से हो रही है। कई विशेषज्ञ उन्हें डॉन ब्रैडमैन और सचिन तेंदुलकर जैसे महान खिलाड़ियों के साथ जोड़कर देख रहे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने सूर्यवंशी की तुलना पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी से की है। यूसुफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि 15 साल के क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी मुझे युवा शाहिद अफरीदी की याद दिलाते हैं। निडर, विस्फोटक और ऊर्जा से भरपूर। क्रिकेट का भविष्य आ चुका है! वैभव आईपीएल 2026 में शानदार फॉर्म में हैं और इस सीजन के सबसे बड़े स्टार खिलाड़ियों में गिने जा रहे हैं। उन्होंने 15 मैचों में 45.33 की औसत और 242.85 के स्ट्राइक रेट से 680 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और चार अर्धशतक निकले हैं। सूर्यवंशी इस सीजन सबसे ज्यादा 65 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा उन्होंने 55 चौके भी जड़े हैं। शाहिद अफरीदी ने भी अपने करियर के शुरुआती दौर में क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। साल 1996 में उन्होंने अपने पहले वनडे मैच की पारी में सिर्फ 37 गेंदों पर शतक जड़ दिया था। यह रिकॉर्ड करीब 18 साल तक वनडे क्रिकेट का सबसे तेज शतक रहा था। हालांकि मोहम्मद यूसुफ का बयान सकारात्मक था, लेकिन वैभव सूर्यवंशी की तुलना शाहिद अफरीदी से करना कुछ फैंस को पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस तुलना को लेकर यूसुफ की आलोचना भी की। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ जब वैभव ने 38 गेंद में 93 रन की पारी खेली थी, तब कामरान ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बासित के साथ मिलकर यूट्यूब पर एक शो किया था। इस दौरान कामरान ने कहा कि इससे पहले मैंने इतनी विस्फोटक बैटिंग कभी नहीं देखी। पहले दो-चार मैचों में होता था, लेकिन वैभव ने 60-70 प्रतिशत मैचों में ऐसा किया है। ऐसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। कामरान ने कहा कि वैभव जब शुरू होते हैं तो कहते हैं कि गेंदबाज भाग कर क्यों आ रहे हैं, इनकी ऐसी की तैसी। दो साल से वैभव गेंदबाजों की इतनी धुनाई कर रहा है कि गेंदबाजों को समझ ही नहीं आ रहा कि कहां गेंदबाजी करें। वैभव ज्यादती कर रहे हैं गेंदबाजों के साथ। कम से कम थोड़ी इज्जत देनी चाहिए तेज गेंदबाजों को (हंसते हुए कहा)। इतना गुस्सा नहीं करना चाहिए। वहीं बासित ने आरआर और सनराइजर्स के बीच मैच के बाद अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि वैभव ने जो धुनाई की है न, तौब-तौबा। मिस्टर यूनिवर्स बॉस कौन था, गेल। लेकिन अब तो ये बच्चा यूनिवर्स बॉस बन चुका है। क्या बैटिंग की है, टॉप क्लास। 16 गेंद पर 54 और जिस बॉल पर वह आउट हुए, अगर वह छक्का हो जाता तो गेल का रिकॉर्ड तो खत्म ही हो गया था। मुझे भरोसा है कि यह बच्चा आने वाले दिनों में गेल का रिकॉर्ड तोड़ देगा। उसने 29 गेंद में 97 रन बनाये, जिसमें 92 रन बाउंड्री से थे। 600 रन बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं वैभव। लेकिन मैं ताली बजाना चाहूंगा राहुल द्रविड़ के लिए। एक करोड़ 10 लाख रुपये में उन्होंने वैभव को अपनी टीम में शामिल किया।

आईपीएल में स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर लगी रोक

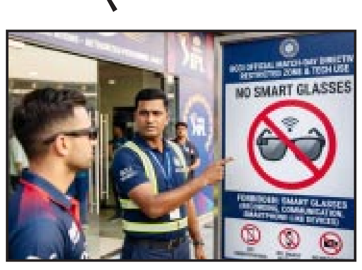

नयी दिल्ली, 29 मई (भा)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं। बीसीसीआई ने कहा कि इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ-साथ मोबाइल डेटा या वाई-फाई के जरिये ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को 'ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण और संचार उपकरण दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है। आईपीएल में पहले से ही खिलाड़ियों को निर्धारित पीएमओए क्षेत्रों में मोबाइल या अन्य संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के अधिकारी रोमी भिंडर को टीम डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए कैमरे में पकड़े जाने पर एक लाख रुपये का जुर्माना और चेतावनी दी गयी थी।

पारंपरिक कला व आधुनिक विविधताओं के अनोखे संगम से भुवनेश्वर दे रहे हैं बल्लेबाजों को मात

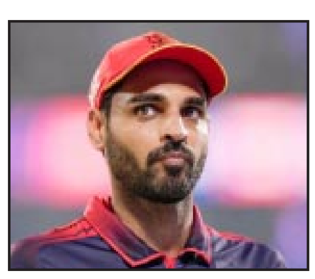

अहमदाबाद, 29 मई (भा)। शुभमन गिल आगे बढ़कर भुवनेश्वर कुमार की गेंद को बाउंड्री के पार भेजने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन अच्छी लेंथ से थोड़ी-सी अंदर आती गेंद ने उनका संतुलन बिगाड़ दिया और गुजरात टाइटंस के कप्तान के स्टंप्स बिखेर दिये। यह इस आईपीएल सत्र का साधारण दिखने वाला, लेकिन प्रभावी विकेटों में से एक था। धर्मशाला में खेले गये क्वालीफायर एक का वह मात्र 10 सेकंड का क्षण भुवनेश्वर कुमार के गेंदबाजी कौशल को पूरी तरह समेटे हुए था। इसमें पुरानी शैली का कौशल, न्यूनतम प्रयास और फिर भी अत्यंत प्रभावी परिणाम देने वाली कला शामिल थी। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इस सत्र में पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। उन्होंने आठ की इकॉनमी रेट से 26 विकेट हासिल किये हैं। खास बात यह है कि पावरप्ले में उन्होंने 12 विकेट लेकर विपक्षी टीमों की शुरुआत ही बिगाड़ दी और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी बार फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। भुवनेश्वर का यह प्रदर्शन उनके करियर में आए अद्भुत परिवर्तन को दर्शाता है। उन्हें कम गति के कारण टी20 प्रारूप में प्रभावी नहीं माना जाता था, लेकिन वह अब इस लीग के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बन चुके हैं। उनके नाम 222 विकेट दर्ज हैं। आरसीबी के गेंदबाजी कोच ओंकार साल्वी के अनुसार कि हर कोई जानता है कि वह एक विश्वस्तरीय गेंदबाज है और उसके पास किस स्तर की कौशल क्षमता है। हर गेंदबाज की अपनी-अपनी ताकत होती है और टीमें उसी के अनुसार योजना बनाती हैं। भुवी नयी गेंद से गेंदबाज़ी करते हुए स्विंग का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वह आखिरी ओवरों में अपनी विविधताओं का प्रभावी उपयोग कर रहे हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस चरण में गेंदबाजी कर रहे हैं। भुवनेश्वर कुमार के पास विविधताओं का भरपूर भंडार है और हाल के समय में उन्होंने अपनी तरकश में एक बेहद उपयोगी यॉर्कर भी जोड़ लिया है, जिससे आखिरी ओवरों में उन्हें खेलना और भी कठिन हो गया है।

दो साल तक फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर कड़ी मेहनत की : सरफराज

मुंबई, 29 मई (भा)। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सरफराज खान ने आज कहा कि जब दो साल तक वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेल पाये तो उन्होंने उस दौरान सफेद गेंद के क्रिकेट में अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया। मुंबई के इस दायें हाथ के बल्लेबाज को 2024 और 2025 के आईपीएल सत्र में किसी भी टीम ने नहीं चुना था, जिसके बाद इस साल उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ वापसी की। सरफराज ने कहा कि आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती वापसी करना और अच्छे स्ट्राइक रेट के साथ खेलना था। उन्होंने कहा कि बीच में स्ट्राइक रेट को लेकर कुछ दिक्कत थी और फिटनेस की वजह से भी, मैं दो साल तक आईपीएल में नहीं था। मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती वापसी करना थी। सरफराज ने कहा कि मुझे अपने स्ट्राइक रेट और फिटनेस में सुधार करने की जरूरत थी। यही एक वजह थी कि मैं दो साल तक आईपीएल से बाहर रहा। मैंने फिटनेस, क्षेत्ररक्षण और बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत की और मुझे अच्छे नतीजे मिले। मैं आगे भी सुधार करता रहूंगा। इस साल अपने प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सरफराज ने कहा कि क्रिकेट में आप कभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो सकते। आपको हर दिन उठना होता है, कड़ी मेहनत करनी होती है और हर दिन कुछ नया सीखना होता है। मैंने सीएसके में दो महीने बिताये और बहुत कुछ सीखा।

स्वियातेक व मार्ता फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 29 मई (एपी)। चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक और यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने आज फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनायी। पांच ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक ने हमवतन पोलिश खिलाड़ी मैग्डा लिनेट को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी जबकि मार्ता ने विक्टोरिया गोलुबिच को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार चौथे दौर में प्रवेश किया। मार्ता का सामना अब अगले दौर में स्वियातेक से होगा। 15वीं रैंकिंग पर काबिज मार्ता इस समय बेहतरीन फॉर्म में है और उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपनी जीत का सिलसिला लगातार 15 मैचों तक पहुंचा दिया है। रोलां गैरों से पहले उन्होंने मैड्रिड में अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इससे पहले उन्होंने फ्रांस के रूएन में भी क्ले कोर्ट पर एक और खिताब अपने नाम किया था। वह 2021 में भी पेरिस में चौथे दौर तक पहुंची थीं, जहां उन्हें स्वियातेक के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। चौथे दौर में पहुंचने वाली एक और खिलाड़ी चीन की वांग शियू हैं, जिन्होंने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्त्सेवा को 6-3, 7-5 से हराया। चीन की इस क्वालीफायर ने अब तक अपने अभियान में एक भी सेट नहीं गंवाया है। पुरुष वर्ग में शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर के बाहर होने के एक दिन बाद तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा। पेरिस में अपना पहला बड़ा खिताब जीतने की दौड़ में शामिल दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव शाम के सत्र में फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने की मुहिम को आगे बढ़ाएंगे।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : गुकेश अंतिम और प्रज्ञानानंदा दूसरे स्थान पर

ओस्लो, 29 मई (भा)। विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार वापसी करते हुए मौजूदा क्लासिकल विश्व चैंपियन डी गुकेश को बृहस्पतिवार को करारी शिकस्त दी, जिससे युवा भारतीय खिलाड़ी अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गया जबकि आर प्रज्ञानानंदा ने विंसेंट कीमर को आर्मगेडन टाईब्रेक में हराकर दूसरा स्थान बरकरार रखा। सात बार के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कार्लसन ने टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की। इस जीत से उन्हें पूरे तीन अंक मिले और वह अंतिम स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गये। दूसरी ओर निराश गुकेश मुकाबले के बाद मुख्य द्वार से बचते हुए पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गये जबकि बाहर बड़ी संख्या में युवा प्रशंसक उनके ऑटोग्राफ का इंतजार कर रहे थे। आज विश्राम दिवस से पहले अलीरेजा फिरोजा शीर्ष पर बने हुए हैं। फिरोजा को हालांकि अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ टूर्नामेंट की पहली हार झेलनी पड़ी। वेस्ली ने क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद आर्मगेडन में उन्हें पराजित किया। इसके बावजूद फिरोजा ने एक अंक हासिल कर 8.5 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए है। प्रज्ञानानंदा छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वेस्ली सो 5.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज हैं जबकि कार्लसन 4.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गये। कीमर के खाते में चार अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश 3.5 अंकों के साथ सबसे नीचे हैं।

सिंधू हारी, सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में

सिंगापुर, 29 मई (भा)। भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू विश्व नंबर एक एन से यंग के सामने लगातार दबाव बनाये रखने के लिए जरूरी निरंतरता नहीं दिखा सकीं और आज सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंमटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर उनका अभियान समाप्त हो गया, लेकिन पुरुष युगल की दिग्गज जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बना ली। कोरिया की खिलाड़ी एन से यंग ने इस मुकाबले को 21-17, 21-14 से जीतकर सिंधू पर अपना दबदबा कायम रखा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने बीच-बीच में अपने आक्रामक खेल की झलक दिखायी और कुछ चरणों में कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में सफल रहीं, लेकिन निर्णायक क्षणों में एन से यंग का बेहतर नियंत्रण, बेहतरीन मूवमेंट और महत्वपूर्ण अंकों को भुनाने की क्षमता हावी रही। इस हार के साथ सिंधू का मौजूदा ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ लगातार हार का सिलसिला नौ मैचों तक पहुंच गया है। इन मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ी केवल एक बार ही गेम जीत सकी हैं, जो 2023 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में संभव हुआ था। मुकाबले से पहले ही सिंधू के लिए यह चुनौती बेहद कठिन मानी जा रही थी क्योंकि इस वर्ष एन से यंग ने केवल एक मैच गंवाया है, जबकि 2025 में पूरे वर्ष में उन्हें केवल चार ही हार मिली हैं। एशियाई खेलों के चैंपियन और यहां चौथे वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलेशिया के खाई शिंग कांग और आरोन ताई को कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-13 से हराया।

चांदी 1,500 रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई

सोने और चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स पर दोनों धातुएं शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ ट्रेड कर रही हैं। सोने की कीमत में 700 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी 1,500 रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई। सर्राफा बाजार में भी दोनों धातुओं की कीमत में शुरुआती कारोबार में मामूली गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स में 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,60,903 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,60,454 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 706 रुपये की गिरावट के साथ 160197 रुपये तक फिसला। सुबह 9.40 बजे यह 442 रुपये यानी 0.27 फीसदी गिरावट के साथ 1,60,461 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। चांदी का रेट इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 269537.00 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 2,68,368 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,519 रुपये की गिरावट के साथ 2,68,018 रुपये तक फिसली। सुबह 9.40 बजे चांदी 1168 रुपये यानी 0.43 फीसदी गिरावट के साथ 2,68,369 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। इस बीच सर्राफा मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,050 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,040 रुपये और 18 कैरेट वाला सोना 10 रुपये नीचे 1,17,030 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,74,900 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है।

क्यू-4 रिजल्ट के बाद निवेशक चिंतित, 8 प्रतिशत गिरा डिफेंस कंपनी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी डिफेंस कंपनी भारत डायनेमिक्स के शेयरों की कीमतों में आज शुक्रवार को 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट कमजोर तिमाही नतीजों की वजह से दर्ज की गई है। शेयरहोल्डर्स के लिए चिंताजनक बात यह है कि एक्सपर्ट्स ने रेटिंग को भी घटा दिया है। बता दें, आज शुक्रवार को बीएसई में भारत डायनेमिक्स के शेयर गिरावट के साथ 1201.75 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बादल 1175.05 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान भारत डायनेमिक्स का नेट प्रॉफिट 113.18 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 58.50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक साल पहले इसी चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 272.77 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू के मोर्चे पर भी अच्छी खबर नहीं है। पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 480 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 73 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 1777 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने किया डिविडेंड का ऐलान 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर कंपनी ने 0.40 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी के लिए सिर्फ मार्च तिमाही ही नहीं पूरा वित्त वर्ष ही निराशाजनक रहा है। ब्रोकरेज हाउस मोतिलाल ओसवाल ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की रेटिंग को घटा दिया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से न्यूट्रल रेटिंग दी गई है। पहले डिफेंस स्टॉक के लिए टारगेट प्राइस 1500 रुपये था। अब यह घटकर 1150 रुपये कर दिया गया है। स्टॉक मार्केट में भी इस कंपनी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 39 प्रतिशत गिरा है।

यूरिया, एलपीजी सिलेंडर, गेहूं-चावल... बेकाबू हो सकता है सरकार का सब्सिडी बिल

यूरिया की कीमत ईरान युद्ध के कारण 120 फीसदी से ज्यादा उछली

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इससे केंद्र सरकार के सब्सिडी बिल में काफी उछाल आ सकती है। इस फाइनेंशियल ईयर में केवल फर्टिलाइजर का सब्सिडी का बिल 3.8 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। यह बजट में फर्टिलाइजर के लिए किए गए सब्सिडी प्रावधान का करीब दोगुना है। सरकार ने 2026-27 में सब्सिडी के लिए कुल 4.1 लाख करोड़ रुपये रखे हैं। साथ ही कुकिंग गैस के लिए सरकार ने 12,085 करोड़ रुपये सब्सिडी का प्रावधान किया था। लेकिन यह भी कम है क्योंकि सरकार ने पिछले साल ऑयल रिटेलर कंपनियों को 26,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक हरेक कुकिंग गैस सिलेंडर पर पेट्रोलियम कंपनियों को 700 रुपये का नुकसान हो रहा है। सरकार ने कुछ महीने पहले एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी जिससे सालाना 1 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ने की आशंका है। फर्टिलाइजर डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अगर कीमत इसी स्तर पर बनी रहती है तो यूरिया और दूसरे फर्टिलाइजर की सब्सिडी का बिल 3.8 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। बजट में इसके लिए 1.7 लाख करोड़

रुपये का प्रावधान किया गया है। खाद किल्लत की अफवाहों पर केंद्र ने लगाया ब्रेक, कहा- देश में नहीं होगी खाद की किल्लत, सरकार के पास सुरक्षित है आधा स्टॉक विभाग ने बुधवार को मंत्रियों के इनफॉर्मल ग्रुप को बताया कि ईरान युद्ध के बाद से यूरिया की कीमत 120 फीसदी से अधिक बढ़ चुकी है। इसी तरह डीएपी की वैश्विक कीमत में 38 फीसदी, सल्फर की कीमत में 87 फीसदी और अमोनिया की कीमत में 84 फीसदी तेजी आई है। इतना ही नहीं डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट से 6 फीसदी अतिरिक्त लागत बढ़ गई है। भारत डीएपी, पोटाश और एनपीके जैसे फर्टिलाइजर्स के लिए ज्यादातर आयात पर निर्भर है। देश में यूरिया की सालाना खपत करीब 40 मिलियन टन है। इसमें से करीब 8 से 10 मिलियन टन का आयात होता है। डीएपी के मामले में करीब 60 फीसदी मांग आयात से पूरी होती है। लेकिन पोटाश के मामले में हर पूरी तरह आयात पर निर्भर हैं। पिछले साल फर्टिलाइजर सब्सिडी बिल करीब 2.2 लाख करोड़ रुपये था जो संशोधित अनुमान से ज्यादा है। डीएपी की वैश्विक कीमत में 38 प्रतिशत और सल्फर में 87 प्रतिशत तेजी आई है डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से 6 प्रतिशत अतिरिक्त लागत बढ़ गई है भारत अधिकांश फर्टिलाइजर्स के मामले में आयात पर निर्भर 2022-23 में फर्टिलाइजर पर सब्सिडी 2.5 लाख करोड़ रुपये के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

पीबी पार्टनर्स के लिए असम बना हाई-ग्रोथ मार्केट

गुवाहाटी, 29 मई। पॉलिसीबाजार की पीओएसपी शाखा, पीबीपार्टनर्स ने असम में कंपनी के तेज विस्तार और मजबूत प्रदर्शन के बारे में बताने के लिए गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। असम पीबीपार्टनर्स के हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस बिज़नेस के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसका कारण यहाँ पर इंश्योरेंस की बढ़ती जागरुकता, पार्टनर्स का बढ़ता सहयोग और सुरक्षा प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को नीरज अधाना, नेशनल सेल्स हेड - लाईफ एंड हैल्थ, पीबीपार्टनर्स ने संबोधित किया। उन्होंने इस क्षेत्र में कंपनी के विकास, पार्टनर्स के लिए की गई पहलों और राज्य में इंश्योरेंस की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। असम पीबीपार्टनर्स के लिए हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस के प्रमुख बाजार के रूप में उभरा असम में पीबीपार्टनर्स के हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस बिज़नेस ने वित्तवर्ष 2025-26 में 35 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। इससे क्षेत्र में कंपनी पर ग्राहकों का बढ़ता विश्वास और पार्टनर्स का गहरा सहयोग प्रदर्शित होता है। कंपनी असम में अपने 1500 हैल्थ एवं लाईफ इंश्योरेंस पार्टनर्स की मदद से 598 में से 562 पिनकोड्स तक अपनी सेवाएं पहुँचाती है। पूरे देश में कंपनी के पास 4.5 लाख से अधिक इंश्योरेंस पार्टनर्स का नेटवर्क है। पीबीपार्टनर्स का लक्ष्य वित्तवर्ष 2026-27 में अपने पार्टनर नेटवर्क को बढ़ाकर 4,000 तक ले जाना तथा अपनी पहुँच में जबरदस्त वृद्धि करना है। असम में बोनगाईगाँव विकास के केंद्र के रूप में उभरा है। पार्टनर एक्टिविटी और बिज़नेस जनरेशन में यह सबसे बेहतर परफॉर्म करने वाला बाजार है। पार्टनर्स को मजबूत बनाकर बाजार में पहुँच बढ़ाई पीबीपार्टनर्स के नेशनल सेल्स हेड, लाईफ एवं हैल्थ, नीरज अधाना ने कहा, असम में हमारी वृद्धि इंश्योरेंस वितरण व्यवसाय में मौजूद अवसरों और वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती जागरुकता प्रदर्शित करती है। हम पार्टनर्स को सही टेक्नोलॉजी, सपोर्ट, ट्रेनिंग और कमाई के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। साथ ही हम उन्हें सभी लोगों तक इंश्योरेंस पहुँचाने तथा परिवारों को सुरक्षा प्रदान करने में समर्थ बनाते हैं। असम में ग्राहकों के बीच बढ़ते रुझान असम में ग्राहक हैल्थ इंश्योरेंस और सुरक्षा की बढ़ती जरूरतों को लेकर सचेत और जागरूक हो रहे हैं। यहाँ पर सुपर टॉप-अप प्लान तथा ओपीडी, गंभीर बीमारी, और पहले दिन से पीईडी बेनिफिट जैसे राइडर्स की मांग बढ़ रही है।

भारत के बासमती चावल निर्यात पर बड़ा असर

अप्रैल में 27 प्रतिशत गिरा; घरेलू कीमतें 10 प्रतिशत टूटीं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बासमती चावल निर्यातक है और उसका बड़ा हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, इराक, यूएई और अन्य खाड़ी देशों में जाता है। ईरान युद्ध के कारण इन बाजारों तक माल पहुंचाने में दिक्कतें बढ़ गई हैं। अप्रैल 2026 में भारत का बासमती चावल निर्यात सालाना आधार पर करीब 27 प्रतिशत घट गया। खाड़ी देशों को होने वाली शिपमेंट में रुकावट, बढ़े हुए फ्रेट चार्ज और महंगे बीमा ने निर्यात कारोबार को प्रभावित किया है।

अप्रैल में कितना गिरा निर्यात?

एपीडा के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में भारत ने 4.74 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 6.47 लाख टन था। इस तरह निर्यात में 26.72 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

घरेलू बाजार में बासमती चावल की कीमतें 8-10 प्रतिशत तक टूटीं निर्यात कमजोर पड़ने का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। रूरल वॉयस के मुताबिक कुछ सप्ताह पहले तक बासमती चावल का भाव 88-90 रुपये प्रति किलो के आसपास था, जो अब घटकर 78-80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। यानी कीमतों में करीब 8 से 10 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

कुल चावल निर्यात में फिर भी बढ़ोतरी

इन सबके बीच दिलचस्प बात यह है कि बासमती निर्यात में गिरावट के बावजूद भारत का कुल चावल निर्यात अप्रैल में बढ़ा है। इसकी वजह गैर-बासमती चावल की मजबूत मांग रही। अप्रैल 2026 में गैर-बासमती चावल निर्यात बढ़कर 15.70 लाख टन पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 12.29 लाख टन था। अफ्रीकी देशों और बांग्लादेश से मजबूत मांग के कारण गैर-बासमती चावल ने कुल निर्यात को सहारा दिया।

युद्ध लंबा खिंचा तो क्या होगा?

विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया में हालात सामान्य नहीं होते और समुद्री व्यापार पूरी तरह सुचारू नहीं होता, तब तक बासमती निर्यात दबाव में रह सकता है। भारत के करीब 50,000 करोड़ रुपये के बासमती निर्यात कारोबार के लिए खाड़ी क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए युद्ध लंबा खिंचने पर असर और गहरा हो सकता है।

शिपिंग और बीमा लागत बनी बड़ी परेशानी

निर्यातकों का कहना है कि युद्ध के कारण समुद्री मार्गों पर जोखिम बढ़ गया है। खासकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर अतिरिक्त बीमा और वॉर सेस लगाया जा रहा है। कई मामलों में फ्रेट चार्ज कई गुना बढ़ गए हैं, जिससे नए निर्यात सौदे प्रभावित हो रहे हैं। हरियाणा राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अनुसार ईरान और अफगानिस्तान को होने वाला बासमती निर्यात सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, क्योंकि जहाजों की आवाजाही धीमी पड़ गई है और कई शिपमेंट देरी का सामना कर रही हैं। किसानों पर क्या पड़ेगा असर? बासमती की कीमतों में गिरावट का असर आगामी खरीफ सीजन की बुवाई पर पड़ सकता है। यदि किसानों को बेहतर भाव नहीं मिलता है।

प्लास्टिक के नोट बाजार में उतार सकता है आरबीआई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को जल्द ही पहला प्लास्टिक नोट मिल सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक बार फिर से अपने इस सालों पुराने विचार पर आगे बढ़ने जा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो यह एक बहुत बड़ा बदलाव होगा। मौजूदा समय में की तरफ से कागज के नोट प्रिंट किए जाते हैं। यह एक खास प्रकार का पेपर होता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के

अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की पिछली दो बोर्ड मीटिंग के दौरान प्लास्टिक नोट्स लाने की चर्चा हुई। बता दें, यह दोनों मीटिंग पटना और मुंबई में हुई हैं।

2012 में हो चुकी है ऐसी चर्चा: इससे पहले 2012 में तत्कालीन सरकार ने 5 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्लास्टिक नोट्स लाने की तैयारी में थी। लेकिन तब कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण इस कोशिश को रोकना पड़ा था।

क्यों प्लास्टिक नोट लाने पर विचार कर रहा है: इसके पीछे दो बड़े कारण हो सकता है। पहला लागत से जुड़ा हुआ है। दूसरा बड़ा कारण लम्बे समय तक के लिए उपयोग में रहे। रिपोर्ट के अनुसार जल्द ही की तरफ से प्लास्टिक बैंक नोट्स के पायलट प्रोजेक्ट का ऐलान हो सकता है।पॉलीमर नोट लाने के पीछे की बड़ी वजह शेल लाइफ भी है। मौजूदा समय में कागज से बने नोट की शेल लाइफ काफी कम होती है। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में 23.80 बिलियन नोट्स को नष्ट किया गया। जोकि सालाना आधार पर 12.3 प्रतिशत अधिक है।

सालाना नोट छापने के लिए कितना खर्च कर रहा है

वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को कुल 6372.80 करोड़ रुपये नोट छपाने के लिए खर्च करने पड़े। इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 5101.40 करोड़ रुपये नोट प्रिंट करने के लिए खर्च किए थे। यानी महज एक साल के अंदर ही 1 करोड़ रुपये से अधिक नोट प्रिंट करने के लिए खर्च करने पड़े हैं। 15 मई 2026 के आंकड़ों के अनुसार 42.86 ट्रिलियन रुपये के करेंसी सर्कुलेशन में हैं। जोकि सालाना आधार पर 11.50 प्रतिशत अधिक है। आंकड़े दर्शाते हैं कि डिजिटल पेमेंट्स में हुई बढ़ोतरी के बाद बड़ी संख्या में लोग करेंसी नोट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार 10 रुपये और 20 रुपये के नोट की डिमांड में बढ़ोतरी हुई। हालांकि, जो नोट चलन में हैं।

पेनी स्टॉक बना रॉकेट, चुका दी 90 प्रतिशत से ज्यादा उधारी, कर्ज मुक्त होने की है तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक पीसी ज्वैलर रॉकेट सा उड़ गया है। पीसी ज्वैलर के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। ज्वैलरी कंपनी के शेयर सोमवार को 11 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 10.48 रुपये पर पहुंच गए हैं। पीसी ज्वैलर जल्द ही पूरी तरह कर्ज मुक्त हो सकती है। ज्वैलरी कंपनी ने 90 पर्सेंट से ज्यादा बकाया कर्ज चुका दिया है। पीसी ज्वैलर ने बताया है कि वह कर्ज मुक्त होने की राह पर बढ़ रही है। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा 61 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा है।

ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर का मुनाफा चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 61.3 पर्सेंट बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 94.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। 31 मार्च 2026 को खत्म तिमाही में पीसी ज्वैलर का रेवेन्यू सालाना आधार पर 32.7 पर्सेंट बढ़कर 927.3 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 699 करोड़ रुपये था। चौथी

तिमाही में कंपनी का इबिट्डा सालाना आधार पर 13.4 पर्सेंट बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, पीसी ज्वैलर का इबिट्डा मार्जिन 17.7 पर्सेंट रहा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया, 'बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट होने के बाद से कंपनी ने अब तक अपने बकाया कर्ज का 90 पर्सेंट से ज्यादा चुका दिया है। कंपनी ने अपने वित्तीय लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अहम प्रगति की है। हमें पूरा भरोसा है कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त हो जाएगी।' उन्होंने बताया है कि कंपनी के पूरी तरह कर्ज-मुक्त होने के बाद पीसी ज्वैलर आक्रामक तरीके से विस्तार करेगी। गर्ग ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 हमारे लिए महत्वपूर्ण साल रहा है, क्योंकि कंपनी ने अपनी रफ्तार वापस पाई है और पूरे साल शानदार परफॉर्मेंस दिखाया है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2017 में अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया।

रुपये को लेकर क्या बोले सुब्बाराव

रुपये को गिरने दे सरकार, एमपीसी की बैठक से पहले आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि केंद्रीय बैंक को बाहरी झटकों से निपटने के लिए रुपये को और अधिक टूटने देना चाहिए।

अगर महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो तुरंत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के बजाय तरलता प्रबंधन के उपायों पर भरोसा करना चाहिए। सुब्बाराव का यह बयान आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की 3 जून से 5 जू के बीच होने वाली अहम बैठक से ठीक कुछ दिन पहले आया है। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई पर चर्चा की जानी है। सुब्बाराव ने कहा कि रुपये को मजबूती से बचाने के बजाय उसे बाजार के अनुसार खुद को ढालने की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि मौजूदा दबाव भारत के बाहरी संतुलन में आई गिरावट को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एक कमजोर रुपया बाहरी झटकों को सोखने के लिए एक नेचुरल शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करता है। एक्सचेंज-रेट का संकट असल में भरोसे का संकट होता है। अगर निवेशक, आयातक और आम परिवार यह मानने लगें कि रुपया और कमजोर होगा, तो उनका व्यवहार ऐसा हो जाता है जो वास्तव में रुपये को और कमजोर कर देता है।

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय रुपया लगातार दबाव में है। इसी महीने की शुरुआत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 97.15 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत से अब तक रुपये में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल 2026 की शुरुआत से अब तक रुपया 6 प्रतिशत से अधिक गिर गया है। पिछले एक साल में रुपये में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

सुब्बाराव के अनुसार, आरबीआई वर्तमान में आर्थिक विकास, महंगाई और मुद्रा स्थिरता के बीच एक बेहद मुश्किल संतुलन का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्याज दरें और घटाने पर महंगाई और करेंसी पर दबाव और बढ़ सकता है। वहीं दरें बढ़ाने पर देश की आर्थिक गतिविधियों और जीडीपी ग्रोथ को नुकसान पहुंच सकता है।

3 बार रिजेक्ट हुआ वीजा तो अमेरिकी दूतावास में अड़ गए थे पिता आज कानपुर का यह शख्स बना सिलिकॉन वैली का किंग

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 1976 में कानपुर में जन्मे और बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग कर रहे एक छात्र को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में लगातार तीसरी बार स्टूडेंट वीजा देने से मना कर दिया गया। उनके साथ आए पिता ने हार नहीं मानी। उन्होंने लॉबी में तैनात काउंसलर अधिकारी की तस्वीर देखी, समझ गए कि वह लंच पर गए हैं, और वहीं डट गए। उन्होंने तय किया कि वे अधिकारी से मिलकर पूछेंगे कि तीन-तीन विश्वविद्यालयों से कन्फर्म एडमिशन और पूरे दस्तावेज होने के बावजूद उनके बेटे का वीजा क्यों रिजेक्ट किया जा रहा है। पिता की यह जिद काम कर गई और आखिरकार वीजा मिल गया।

करीब आधी सदी बाद वही छात्र आज मेमोरी-चिप क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सीईओ है। इनका नाम संजय मेहरोत्रा है। वॉल स्ट्रीट पर छाई एआई की आंधी के दम पर माइक्रोन ने मंगलवार को 1 ट्रिलियन डॉलर (95.71 लाख करोड़ रुपये) के मार्केट कैप के आंकड़े को पार कर लिया। इसके साथ ही माइक्रोन, वॉलमार्ट, बर्कशायर हैथवे और जेपी मॉर्गन चेस जैसे कद्दावर दिग्गजों को पीछे छोड़कर अमेरिका की टॉप 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई है। सिलिकॉन वैली की यह सबसे अनोखी कहानियों में से एक है। जिस लड़के को अमेरिका ने बार-बार ठुकराया, आज वही देश की सबसे रणनीतिक और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी कंपनी की कमान संभाल रहा है।

कॉर्पोरेट अमेरिका में 'देसी' दबदबा: संजय मेहरोत्रा अकेले नहीं हैं। उनकी इस कामयाबी ने कॉर्पोरेट अमेरिका के शीर्ष पर भारतीय मूल के दिग्गजों की एक असाधारण तिकड़ी को पूरा कर दिया है। दुनिया की तीन सबसे मूल्यवान टेक्नोलॉजी कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट (सत्या नडेला), अल्फाबेट (सुंदर पिचाई) और माइक्रोन (संजय मेहरोत्रा) अब भारतीय मूल के उन अधिकारियों द्वारा चलाई जा रही हैं, जो कभी मिडिल क्लास परिवारों से एक साधारण इंजीनियर के रूप में, माता-पिता के त्याग और कुछ कर गुजरने की ललक के साथ अमेरिका पहुंचे थे।

कैसा रहा तीनों का संघर्ष?: सत्या नडेला हैदराबाद में एक सिविल सर्वेंट (सरकारी अधिकारी) के घर पले-बढ़े। वहीं सुंदर पिचाई चेन्नई के एक साधारण से अपार्टमेंट में बड़े हुए, जहां कभी पूरे परिवार के पास सिर्फ एक रोटरी टेलीफोन हुआ करता था। संजय मेहरोत्रा कानपुर के एक ऐसे मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं जिसके पास खुद का फोन तक नहीं था। अमेरिका में पढ़ाई के शुरुआती दिनों में वे माता-पिता से बात करने के लिए पड़ोसी का फोन इस्तेमाल करते थे। पड़ोसी को फोन करने के बाद उनके माता-पिता को बुलाने भेजा जाता था।

कठिन रही मेहरोत्रा की राह

पिचाई और नडेला को विरासत में पहले से स्थापित सॉफ्टवेयर साम्राज्य मिले थे, लेकिन मेहरोत्रा की उपलब्धि पूरी तरह औद्योगिक और कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। मेमोरी चिप का बिजनेस काफी उतार-चढ़ाव वाला और भारी पूंजी निवेश की मांग करने वाला क्षेत्र है, जिस पर ऐतिहासिक रूप से सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसे एशियाई दिग्गजों का दबदबा रहा है। जब मेहरोत्रा ने साल 2017 में माइक्रोन के सीईओ का पद संभाला, तब कंपनी की वैल्यूएशन महज 20 अरब डॉलर थी।

इम्तियाज अली ने दिया बड़ा *हिंट*

मेरी नजर फिर आलिया भट्ट पर

इम्तियाज अली और आलिया भट्ट ने फिल्म *हाइवे* के साथ हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार एक्टर-डायरेक्टर जोड़ियों में से एक बनाई थी। दोनों ने अब तक सिर्फ एक ही फिल्म साथ में की है, लेकिन 2014 में आई यह रोड ड्रामा आज भी उनके करियर की खास फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म ने आलिया के एक्टिंग करियर को एक नई दिशा दी और इम्तियाज को ऐसे निर्देशक के तौर पर और मजबूत किया जो इमोशंस से भरे किरदार बनाते हैं।

अब, एक दशक से ज्यादा समय बाद, इम्तियाज अली ने इशारा दिया है कि शायद दोनों फिर से साथ काम कर सकते हैं।

इम्तियाज ने आलिया के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने उन्हें हाल ही में देखा और वो बहुत खूबसूरत लग रही थीं। तो अब मेरी नजर फिर से उन पर है। उन्होंने यह भी कहा कि एक डायरेक्टर के तौर पर वो हमेशा आलिया जैसे कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं। हालांकि इम्तियाज ने यह साफ नहीं किया कि कोई नया प्रोजेक्ट बन रहा है या नहीं, लेकिन उनकी बातों से *हाइवे* की यादें फिर ताजा हो गईं और यह दिखाता है कि उस फिल्म का असर कितना गहरा था।

काम की बात करें तो इम्तियाज अली की अगली फिल्म *मैं वापस आऊंगा* आने वाली है, जिसमें शरवरी वाघ, वेदांग रैना, दिलजीत दोसांझ और नसीरुद्दीन शाह नजर आएंगे। वहीं आलिया भट्ट के पास भी कई बड़ी फिल्में हैं, जिनमें *अल्फा* और संजय लीला भंसाली की *लव एंड वॉर* शामिल हैं।

राजी, *हार्ट ऑफ स्टोन* और *जिगरा* फिल्मों में एक्शन करने के बाद अभिनेत्री आलिया भट्ट एक बार फिर से फिल्म *अल्फा* में एक्शन करती नजर आएंगी। यह फिल्म भी *एक था टाइगर*, *पठान* और *वार* की तरह यशराज फिल्म्स (वीआईआरएफ) की स्पाई (जासूसी) *यूनिवर्स* का हिस्सा है।

पिछले साल प्रदर्शित फिल्म *वॉर 2* में भी *अल्फा* की शुरुआत की एक झलक दिखी थी। अब इस फिल्म से आलिया के भूमिका के बारे में जानकारियां सामने आ रही हैं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में आलिया का पात्र पहले से ही भारतीय जासूस नहीं होगा।

आलिया फिल्म में एक ऐसी लड़की की भूमिका में होंगी, जिसे खलनायक ने इस उद्देश्य के साथ पाला होता कि वह बड़ी होकर उसके इशारों पर खतरनाक कामों के अंजाम दे सके। अनुमान लगाया जा रहा है कि फिल्म के पहले हाफ में वह ग्रे कैरेक्टर में दिखाई दे सकती हैं। इस तरह से *अल्फा* की रिलीज से पहले आलिया भट्ट के किरदार को लेकर राज खुल गया है। फिल्म *अल्फा* में दूसरी अभिनेत्री शरवरी वाघ होंगी, जोकि जासूस की भूमिका में नजर आएंगी। आलिया की भूमिका शुरू से ही नायिका की नहीं होगी, बल्कि उसमें समय के साथ बदलाव आता है।

इस फिल्म में आलिया और शरवरी दोनों ही काफी एक्शन करती दिखेंगी, जबकि अभिनेता बाबी देओल मुख्य खलनायक तथा अनिल कपूर एक अहम भूमिका में दिखेंगे। आपको बता दें कि यशराज *स्पाई यूनिवर्स* की इस अगली किस्त को 10 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान हाल ही में बॉबी देओल ने *अल्फा* में आलिया भट्ट संग काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है और बताया है-पर्सनली मुझे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट दोनों पसंद हैं। *एनिमल* में मैं रणबीर संग स्क्रीन शेयर कर चुका हैं और *अल्फा* में मुझे ये मौका आलिया संग मिला है।

आलिया भट्ट ने कान 2026 में इंटरनेशनल विंटेज और भारतीय परंपरा का एक जादुई कॉम्बिनेशन पेश किया। उन्होंने तरुण ताहिलियानी के कस्टम आइवरी और मैरून गाउन-साड़ी फ़्यूज़न से लेकर डेनिएल फ्रेंकेल के फेडेड ब्लू मिंट गाउन तक कई बेहतरीन परिधान पहने। उनके लुक में विक्टोरियन कोर्सेट, पारंपरिक चंदेरी धोती स्कर्ट और बारीक जरी की कलाकारी साफ दिखाई दी। भारत पवेलियन के उद्घाटन के दौरान उन्होंने पारंपरिक नथ, बिंदी और हाथफूल पहनकर भारतीय धरोहर को पुनर्जीवित किया। उनकी मिनिमल मेकअप और स्लीक हेयरस्टाइल वाली रायल प्रेजेंस ने वैश्विक मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा।

देखो हंस न देना.....

पप्पू को कपड़े धोता देख पड़ोसन बोली : शादी क्यों नहीं कर लेते?
पप्पू : मैं इससे ज्यादा कपड़े नहीं धो सकता।

पत्नी : एक बात कहूं ?
पति : कहो।
पत्नी : रोते हुए बच्चों पर इतना गुस्सा नहीं आता, जितना आराम से सोते हुए पति को देखकर आता है।

पंडित जी : बच्चा जीवन के पहले 40 साल बहुत कष्ट भोगोगे, फिर आदत पड़ जाएगी, सह लोगे।

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज *सूबेदार* में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की *लस्ट स्टोरीज 3* के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी। राधिका ने कहा, मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने *लस्ट स्टोरीज 3* के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।

उन्होंने आगे कहा, मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम करो या मरो जैसा होता है।

अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा। राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।

शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने *लस्ट स्टोरीज 3* के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।

मिलिंद सोमन से प्रेम और ब्रेकअप पर शाहना गोस्वामी ने रखी राय

मॉडल और अभिनेता मिलिंद सोमन अपनी पत्नी अंकिता कुंवर के साथ अक्सर वीडियो और तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। इस बीच उनकी पूर्व प्रेमिका शाहना गोस्वामी ने मिलिंद सोमन के साथ अपनी प्रेम कहानी के बारे में बात की है। जब शाहना ने पहली बार मिलिंद को बड़े पर्दे पर देखा, तो वह उनकी दीवानी बन गईं। पीछा करने से लेकर मैसेज करने और डेटिंग तक, अभिनेत्री ने सब कुछ बताया है।

शाहना गोस्वामी ने कहा, जब मैं 16-17 साल की थी, तब मैं दिल्ली में थी और मिलिंद की एक फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे स्कूल के दोस्त और मैं वह फिल्म देखने गए थे। मैंने भी सोचा था, हम एक मॉडल की फिल्म क्यों देखने जा रहे हैं? इसमें बहुत खराब एक्टिंग होगी, लेकिन मैं फिल्म में मिलिंद को देखकर मंत्रमुग्ध हो गई थी। उन्होंने आगे बताया फिल्म के बाद, मैं उनकी दीवानी हो गई थी। देखिए किस्मत ने क्या खेल खेला। मैं इंटरनेट पर उनका पता ढूंढ रही थी ताकि उन्हें चिट्ठियां भेज सकूं, तभी मुझे उनका लैंडलाइन नंबर मिल गया। मैंने उन्हें मैसेज करके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उन्होंने तुरंत जवाब दिया।

छह साल तक हमारा मैसेज के जरिए ही संपर्क रहा, कभी फोन पर बात नहीं हुई। मैंने कभी किसी दीवानी फैन की तरह *आई लव यू* नहीं लिखा। हम बस यूं ही एक-दूसरे से टकरा गए। छह साल बाद, जब हम दोनों सिंगल थे, मैंने उन्हें मैसेज किया और फिर हमने डेटिंग शुरू कर दी।

मिलिंद 43 वर्ष के थे और शहाना उस समय 20 वर्ष की थीं। अपनी उम्र के अंतर को लेकर हो रही चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए शहाना ने कहा, उस समय मुझे यह कभी महसूस नहीं हुआ। मैं अपनी उम्र से कहीं ज्यादा समझदार थी।

उन्होंने कहा, यह सब बस सही समय की बात है। आखिर तक हम एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। जब आपको लगता है कि आपका रिश्ता सही तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, तो आपको उसे जाने देना पड़ता है। *संतोष* फिल्म की इस अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं उस दौर से गुजर रही थी जब मुझे यह एहसास हुआ कि मैं ऐसी इंसान नहीं हूं जो किसी पारंपरिक रिश्ते में बंधकर रह सके। मैं प्यार पर बहुत गहरा विश्वास करती हूं, लेकिन मैं आजादी में भी विश्वास रखती हूं। समय के साथ मैंने यह सीखा है कि अगर आप किसी इंसान को अपने साथ बांधकर रखते हैं, तो वह प्यार नहीं है। उन्हें आजाद रहने दें।

जॉन क्रांसिस्की ने जताई *धुरंधर* देखने की ख्वाहिश

रणवीर सिंह की फिल्म *धुरंधर* के पहले और दूसरे दोनों पार्ट ने खूब धमाल मचाया है। देश ही नहीं, विदेशों तक इस फ्रेंचाईजी का हल्ला रहा। इस बीच हाल ही में हॉलीवुड एक्टर एक्टर जॉन क्रांसिस्की ने *धुरंधर* देखने की ख्वाहिश जताई है।

फिल्म *धुरंधर* और *धुरंधर द रिवेंज*; दोनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर रही हैं। *धुरंधर 2* ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये क्लब में एंट्री लेकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाली यह पहली बॉलीवुड फिल्म है। इसके अलावा विदेशों में भी इसकी जबर्दस्त कमाई रही। इस बीच *जैक रयान* सीरीज फेम एक्टर जॉन क्रांसिस्की ने इस फिल्म को लेकर रिएक्शन दिया है।

बता दें कि जॉन क्रासिंस्की इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म *जैक रायन- द घोस्ट* को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म में जॉन ने स्पाई की भूमिका अदा की है। उनका किरदार कुछ ऐसा ही है, जैसा फिल्म *धुरंधर द रिवेंज* में रणवीर सिंह का है। रणवीर ने *धुरंधर 2* में *हमजा अली मजारी/ जसकीरत सिंह रंगी* की भूमिका अदा की है, जो अपने देश की खातिर अपनी जिंदगी दांव पर लगा देता है।

जॉन क्रांसिस्की से हाल ही में भारतीय सिनेमा और फिल्म *धुरंधर* को लेकर सवाल किया गया।

जॉन क्रासिंस्की जब भारतीय सिनेमा के बारे में बात कर रहे थे, तो बातचीत में *धुरंधर* का जिक्र आया। जॉन ने भारतीय सिनेमा को सबसे आधुनिक फिल्ममेकिंग में से एक बताया और इस इंडस्ट्री से आ रहे काम की तारीफ की। एक बातीच में जब अभिनेता से पूछा गया कि क्या उन्होंने *धुरंधर* देखी है और भारतीय सिनेमा के बारे में उनकी आम राय क्या है?

इस पर जॉन क्रासिंस्की ने कहा कि उन्होंने रणवीर सिंह की वह ब्लॉकबस्टर फिल्म अभी नहीं देखी है। जॉन क्रासिंस्की ने आगे कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वे *धुरंधर* जरूर देखना चाहेंगे। एक्टर ने कहा, बेशक। मुझे कुछ भी देखना पसंद है। यह देखना हमेशा इंस्पायरिंग होता है कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं।

जॉन क्रांसिस्की ने कहा, मैंने यह फिल्म नहीं देखी है। लेकिन जहां तक भारतीय फिल्मों की बात है, तो उनमें से कुछ फिल्में आज के जमाने की सबसे बेहतरीन फिल्म मेकिंग का उदाहरण हैं। मैं अपने कई फिल्म मेकर दोस्तों को जानता हूं, जो फिल्में डायरेक्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। वे भारतीय फिल्मों को देखकर लगातार और हमेशा हैरान रह जाते हैं।

इंडियन आइडल से निकाले गये विशाल ददलानी?

सिंगर ने बताया सच

सिंगर और कंपोजर विशाल ददलानी लंबे वक्त से टीवी रियलिटी शो *इंडियन आइडल* का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में चर्चा थी कि सिंगर अब इस शो में दिखाई नहीं देगें। अफवाहों के बीच विशाल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करके इस मामले पर स्थिति साफ कर दी है।

सिंगर ने एक और वीडियो जारी कर इन अटकलों का खंडन किया। वीडियो में विशाल इंडियन आइडल के सेट पर ही बैठे नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, याद रखें, ऑनलाइन जो कुछ भी देखें उस पर भरोसा न करें। बहुत सारा हेरफेर चल रहा है। सच के लिए लड़ते रहें और जो कहना जरूरी है, कहते रहें!

विशाल का यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल है। कई यूजर्स उनका समर्थन कर रहे हैं। कुछ उनके सेंस ऑफ ह्यूमर की तारीफ कर रहे हैं। कुछ ने यह कहकर भी विशाल का सपोर्ट किया कि जब भी कोई सेलिब्रिटी किसी राजनीतिक मुद्दे पर बोलता है, तो लोग उसे टारगेट करने लगते हैं।

बता दें, बीते दिनों विशाल ददलानी ने नीट यूजी परीक्षा लीक विवाद में अपना विरोध जताया था। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, अनपढ़ और अज्ञान लोगों को सत्ता में मत बैठाइए। साथ ही उन्होंने जिम्मेदारों पर कड़े बयान दिए और लोगों से अपील की थी कि वो अपना वोट सोच समझकर दें।

बता दें कि विशाल ददलानी भले ही जाने-माने सिंगर और म्यूजिक कंपोजर हैं पर वे आए दिन समाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखते हैं। विशाल ट्रोलिंग की परवाह किए बिना जो गलत हो रहा है उस पर विचार जरूर व्यक्त करते हैं।

पीरियड्स के दौरान रखें ध्यान.....

आज भी कई महिलाएं पीरियड्स से जुड़ी जरूरी बातों को नजरअंदाज कर देती हैं, जिसकी वजह से इंफेक्शन और कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। पीरियड्स के दौरान थोड़ी सी लापरवाही बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन का कारण बन सकती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं सही हाइजीन अपनाएं और अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान रखें। इस खास मौके पर जानिए पीरियड्स के दौरान किन बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, ताकि आप इंफेक्शन से सुरक्षित रह सकें। पीरियड्स के दौरान रखें इन बातों का ध्यान-

1. समय-समय पर पैड बदलें

-डॉक्टरों के अनुसार हर 4 से 6 घंटे में पैड बदलना जरूरी होता है, भले ही फ्लो कम क्यों न हो।

-अगर ब्लीडिंग ज्यादा हो रही है तो इससे पहले भी पैड बदल लेना चाहिए।

-साफ और फ्रेश पैड इस्तेमाल करने से शरीर सुरक्षित रहता है और बदबू की समस्या भी नहीं होती।

2. प्राइवेट पार्ट की सफाई रखें

-पीरियड्स के दौरान इंटिमेट एरिया की सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए।

-गुनगुने पानी से दिन में 2 से 3 बार सफाई करने से बैक्टीरिया और गंदगी जमा नहीं होती।

-ज्यादा केमिकल वाले इंटिमेट वॉश या सुगंधित प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा में जलन और एलर्जी हो सकती है।

-सफाई के बाद उस हिस्से को अच्छी तरह सुखाना भी जरूरी है, ताकि नमी के कारण फंगल इंफेक्शन न हो।

3. हाथों को जरूर धोएं

-अक्सर महिलाएं जल्दीबाजी में पैड बदलने से पहले या बाद में हाथ साफ नहीं करतीं, जो संक्रमण फैलाने का बड़ा कारण बन सकता है।

-हाथों पर मौजूद बैक्टीरिया आसानी से शरीर में पहुंच सकते हैं।

-इसलिए पैड या टैम्पोन बदलने से पहले और बाद में साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना जरूरी है। यह छोटी सी आदत कई तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद करती है।

4. सही अंडरगारमेंट पहनें

-पीरियड्स के दौरान हमेशा कॉटन के साफ और आरामदायक अंडरगारमेंट पहनने चाहिए।

-कॉटन फैब्रिक हवा को पास होने देता है, जिससे पसीना और नमी कम रहती है।

-बहुत टाइट या सिंथेटिक कपड़े पहनने से स्किन पर रैशेज और इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

-अगर अंडरगारमेंट गीला हो जाए तो उसे तुरंत बदल लेना चाहिए।

5. ज्यादा देर तक टैम्पोन न रखें

-जो महिलाएं टैम्पोन का इस्तेमाल करती हैं, उन्हें इसे समय पर बदलना बेहद जरूरी है।

-लंबे समय तक टैम्पोन अंदर रहने से बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं, जिससे जैसी गंभीर समस्या हो सकती है।

6. शरीर को हाइड्रेट रखें

-पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है, ब्लोटिंग कम होती है और थकान भी कम महसूस होती है।

-इसके अलावा नारियल पानी, जूस और हेल्दी ड्रिंक्स भी शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं।

7. असामान्य लक्षण दिखें तो डॉक्टर से मिलें

-अगर पीरियड्स के दौरान ज्यादा खुजली, जलन, तेज बदबू, अत्यधिक दर्द या असामान्य ब्लीडिंग हो रही है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

-ये किसी इंफेक्शन या दूसरी स्वास्थ्य समस्या के संकेत हो सकते हैं।

-समय रहते डॉक्टर से सलाह लेने पर गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है।

प्रजनन के लिए मासिक चक्र बहुत अहम होता है और प्रजनन तंत्र को स्वस्थ और फर्टिलिटी को मजबूत रखने के लिए मेंस्ट्रुअल हाईजीन का ख्याल रखने की जरूरत होती है। अगर आप कंसीव करने की कोशिश कर रही हैं या मां बनना चाहती हैं तो आपको भी अपनी मेंस्ट्रुअल हाईजीन पर ध्यान देना होगा। मेंस्ट्रुअल हाईजीन की मदद से महिलाओं में प्रजनन मार्ग में होने वाले संक्रमणों और फर्टिलिटी को प्रभावित करने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम हो सकता है।

मेंस्ट्रुअल हाईजीन का ध्यान ना रखने की वजह से प्रजनन मार्ग में सक्रंमण जैसे कि *बैक्टीरियल वैजिनोसिस, यीस्ट इंफेक्शन* और मूत्र मार्ग में संक्रमण हो सकता है। इन संक्रमणों की वजह से प्रजनन अंगों में सूजन आ सकता है और उन्हें चोट पहुंच सकती है। इससे *पेल्विक इंफ्लामेट्री डिजीज* जैसी जटिलताएं हो सकती हैं जो फर्टिलिटी के लिए घातक हो सकती हैं। मेंस्ट्रुअल हाईजीन पर ध्यान देकर आप अपने संपूर्ण प्रजनन स्वास्थ्य को ठीक कर सकती हैं।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

शनिवार, 30 मई 2026

मौसम	स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
	जोरहाट	30°	19°
	डिब्रूगढ़	29°	17°
	तिनसुकिया	30°	18°
	शिवसागर	30°	19°

मरियानी में हथियार सहित तीन युवक गिरफ्तार

खबर संवाददाता

मरियनी, 29 मई। जोरहाट के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधिकारी उत्पल दत्ता के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में 7.65 बोर की एक पिस्टल के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवकों की पहचान मरियानी के कटनीपार निवासी राजा गोगोई, द्विपेन गोगोई और चंदन गोगोई के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा हथियार के स्रोत और उसके इस्तेमाल के संबंध में पूछताछ जारी है।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

मायुमं प्रगति ने राष्ट्रभाषा विद्यालय में लगवाई सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 29 मई। जोरहाट के राजामैदाम रोड स्थित राष्ट्रभाषा विद्यालय में आज मारवाड़ी युवा मंच की जोरहाट प्रगति शाखा ने सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन लगवाई। विद्यालय के नवनिर्मित और आधुनिक सुविधाओं से लैस महिला शौचागार में लगाई गई इस सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनवारा बेगम और विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सुशील कलानी ने किया। इससे पहले विद्यालय के प्रेक्षागृह में एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सुशील कलानी, सदस्य आशोक मालपानी, प्रगति शाखा की अध्यक्ष लक्ष्मी सारडा, विद्यालय की मुख्य प्रशासिका डॉली दत्त तथा प्रधानाध्यापिका एम बेगम मंचासीन थीं। इस अवसर पर लक्ष्मी सारडा ने अपने संबोधन में उन सभी विद्यालयों में जहां लड़कियां पढ़ती हैं, वहां सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंन

अपने स्कूली जीवन में जो महसूस किया, उसका उल्लेख करते हुए कहा कि मासिक धर्म प्राकृतिक प्रक्रिया है और सभी महिलाओं को इस स्थिति से गुजरना पड़ता है। इसके बावजूद इस अवधि में महिलाओं, युवतियों और किशोरियों को काफी परेशानियों व शर्म की स्थिति का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रभाषा विद्यालय की छात्राओं को इस परिस्थिति से न गुजरना पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए उनकी शाखा ने विद्यालय में सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन लगवाने का निर्णय लिया। इस कार्य में विद्यालय प्रबंधन व प्रधानाध्यापिका का पूर्ण सहयोग मिला। वहीं विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सुशील कलानी तथा प्रधानाध्यापिका एम बेगम ने प्रगति शाखा की इस पहल के लिए राष्ट्रभाषा विद्यालय का चयन करने के लिए धन्यावाद दिया और आगे भी ऐसी ही सहयोग की कामना की। उन्होंने कहा कि इस मशीन के माध्यम से विद्यालय की छात्राओं को काफी सुविधा मिलेगी। विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य अशोक मालपानी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की ओर से सभी विद्यालय में सेनिटरी पैड छात्राओं को निःशुल्क उपलब्ध करवाने का निर्देश जारी किया गया है। इसके तहत विद्यालय में इसकी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सेनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन की सभी विद्यालयों में आवश्यकता है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण इस ओर अधिक ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने प्रगति शाखा की ओर से महिलाओं की स्वच्छता तथा सुरक्षा की दृष्टि से किए जा रहे इस कार्य की सराहना की। वहीं सभा में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सूर्य प्रकाश गट्टाणी व प्रमोद सिंघानिया ने भी प्रगति शाखा को इस कार्य के लिए धन्यावाद दिया। सभा में प्रगति शाखा की अध्यक्ष के साथ ही सचिव मयूरी गट्टाणी, स्वच्छ भारत अभियान की संयोजक खुशबू गिनोड़िया, कार्य में सहयोगी विकाश गिनोड़िया के साथ ही बड़ी संख्या में प्रगति की सदस्याएं उपस्थित थीं। इस आशय की जानकारी प्रगति शाखा की जनसंपर्क अधिकारी सुनीता अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

पांचवीं बार विधायक चुने जाने पर असम गण परिषद ने प्रशांत फुकन का किया अभिनंदन

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 29 मई। असम विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में लगातार पांचवीं बार डिब्रूगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित होने पर विधायक प्रशांत फुकन का डिब्रूगढ़ स्थित असम गण परिषद (एजीपी) जिला कार्यालय में भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर एजीपी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए प्रशांत फुकन ने एजीपी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ की जनता के प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद ने उन्हें एक बार फिर जनसेवा का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि एनडीए गठबंधन की विकासोन्मुखी नीतियों, एकता और जनविश्वास की विजय है। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व के पक्ष में अपना समर्थन व्यक्त किया है। लोगों का यह भरोसा उन्हें और अधिक जिम्मेदारी तथा समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डिब्रूगढ़ और पूरे असम के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता पहले की तरह निरंतर बनी रहेगी। प्रशांत फुकन ने विशेष रूप से असम गण परिषद के कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं का सहयोग, समर्पण और जनसंपर्क अभियान इस विजय के महत्वपूर्ण आधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि एजीपी और एनडीए के सभी सहयोगी दलों के संयुक्त प्रयासों से राज्य में विकास की गति और अधिक तेज होगी तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। समारोह के दौरान एजीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रशांत फुकन को पारंपरिक सम्मान प्रदान किया तथा उनके नेतृत्व में डिब्रूगढ़ और असम के निरंतर विकास की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अपने संबोधन के अंत में प्रशांत फुकन ने कहा कि जनता द्वारा व्यक्त विश्वास उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में डिब्रूगढ़ के बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनहितकारी परियोजनाओं को और गति देने के लिए वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से डिब्रूगढ़ को विकास एवं प्रगति के नए आयामों तक पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

डिब्रूगढ़ के लेंगापाथार में विवाहित महिला की रहस्यमय मौत, हिरासत में युवक

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 29 मई। डिब्रूगढ़ जिले के बोगीबील क्षेत्र अंतर्गत लेंगापाथार में एक विवाहित महिला की रहस्यमय मौत के मामले में पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले की जांच के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। हिरासत में लिए गए युवक की पहचान आकाश रहमान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस ने कल देर रात विशेष अभियान चलाकर डिब्रूगढ़ के बकुल क्षेत्र से उसे गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई बरबरुआ पुलिस ने जांच के दौरान जुटाए गए विशेष इनपुट के आधार पर की। यह मामला यासमीन लस्कर रहमान नामक विवाहित महिला की रहस्यमय मौत से जुड़ा है, जिसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने बरबरुआ पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए मौत के पीछे साजिश और संदिग्ध परिस्थितियों का आरोप लगाया था। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। जांच के क्रम में आकाश रहमान का नाम सामने आने के बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने अभी तक मामले के संबंध में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और सभी संभावित पहलुओं की गहनता से पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, स्थानीय लोगों और मृतका के परिजनों ने मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों और घटना की परिस्थितियों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

जोरहाट पुलिस ने ड्रग्स पैडलर को किया गिरफ्तार

खबर संवाददाता

जोरहाट 29 मई। जोरहाट पुलिस ड्रग्स के खिलाफ जहां लगातार अभियान चला रही है, वहीं पुलिस को इस दिशा में निरंतर सफलता भी मिल रही है। इस क्रम में आज पुलिस ने नाजिरनीबाड़ी इलाके से एक ड्रग्स पैडलर को गिरफ्तार किया। उसके पास से पुलिस ने पांच शीशियों में भरी 5.2 ग्राम संदिग्ध ड्रग्स भी बरामद की। आरोपी की पहचान राजामैदाम निवासी बापन दे के रूप में हुई है। टाउन सब इंस्पेक्टर पुलकेश कमान के नेतृत्व में पुलिस दल ने इस अभियान को अंजाम दिया। पूछताछ में उसने बताया कि उत्पल नामक व्यक्ति ने उसे मादक पदार्थ से भरी सात शीशियां दी थी, जिन्हें बेचने में वह लगा था। ड्रग्स की खरीद फरोख्त के दौरान पैसे को लेकर हुए विवाद ने बापन को थाने का मेहमान बना दिया। एक स्थानीय युवक ने इस गोरखधंधे की खबर पुलिस को दी और दिनदहाड़े ड्रग्स का कारोबार कर रहा बापान गिरफ्त में आ गया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर उत्पल नामक कथित शख्स के साथ ही धंधे से जुड़ी अन्य कड़ियों को खंगालने में लगी है।

जोरहाट में बाइक सवार मदमस्त युवकों ने ऑटो चालक को पीटा

खबर संवाददाता

जोरहाट 29 मई। शहर के जेल रोड में कल देर शाम बाइक सवार मदमस्त युवकों के हमले में एक ऑटो सवार बुरी तरह घायल हो गया। दिन भर ऑटो चलाकर शाम को रौरया पकामुरा निवासी ऑटो चालक ध्रुवज्योति दास अपने घर लौट रहा था। बरुआ चारिआली से यात्रियों को लेकर अपने गंतव्य की तरफ बढ़ रहे ध्रुवज्योति के लिए रास्ते में मुसीबत खड़ी थी। आरोप है कि इस दौरान निरामय अस्पताल के सामने दो बाइक पर सवार चार युवकों से उसका सामना हो गया। पीड़ित के अनुसार बुलेट और पल्सर बाइक पर सवार चारों युवक शराब के नशे में धुत्त थे। रास्ता जाम कर बाइक लिए आगे चल रहे इन युवकों को जब ध्रुवज्योति ने नसीहत देते हुए पूछा कि यह बाइक चलाने का तरीका है तो जवान खून खौल उठा। ऑटो चालक की बात से बिफरे युवकों ने ओवरटेक कर उसे रोक लिया और हेलमेंट से उसके चेहरे पर प्रहार किया। इस अचानक हमले से पीड़ित भौंचक्का रह गया। चोट उसकी आँख पर लगी और वह गश खाकर गिर पड़ा। इसके बाद युवक गाली गलौच देते हुए उस पर पिल पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने जब यह माजरा देखा तो वे मदद के लिए दौड़े। हिम्मत जुटाकर ध्रुवज्योति ने मददगारों की सहायता से दो युवकों को पकड़ लिया, वहीं मारपीट करने वाले अन्य दो युवक भागने में सफल रहे। बताया जाता है कि आरोपी युवकों का कनेक्शन रौरया स्थित एयरफोर्स स्टेशन से है। पीड़ित के अनुसार मारपीट के दौरान युवकों ने अपना यही परिचय देते हुए धौंस दिखाई थी। पकड़े गए दो आरोपी युवकों को सदर थाना लाया गया, जहां पीड़ित की मां और उसके भाई ने शिकायत दर्ज करवाई है। ध्रुवज्योति के अनुसार मारपीट में उसके गले में पड़ी सोने की एक चैन भी गायब है। पुलिस आरोपी युवकों की मेडिकल जांच के बाद उन्हें थाने में रख आगे की कार्रवाई में जुटी है।

गौरव गोगोई के निर्देश पर जोरहाट में कांग्रेस की चार दिवसीय समीक्षा बैठक शुरू

खबर संवाददाता

जोरहाट, 29 मई। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव के परिणामों और सांगठनिक पहलुओं की समीक्षा के लिए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गौरव गोगोई के निर्देश पर अब समीक्षा का दौर शुरू हो गया है। इस क्रम में प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की देखरेख में जोरहाट जिला कांग्रेस कमेटी ने भी आज 29 मई से 1 जून तक विधानसभा क्षेत्रवार सांगठनिक समीक्षा बैठकें आज से जोरहाट में शुरू की। इस कार्यक्रम के तहत आज जोरहाट जिला कांग्रेस भवन में टियोक विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम के अनुसार कल 30 मई को तिताबर, 31 मई को जोरहाट और 1 जून को मरियानी विधानसभा की समीक्षा बैठकें होंगी। इन बैठकों में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों और बूथ स्तर पर पार्टी संगठन की भूमिका, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, जनता की प्रतिक्रिया, चुनावी अनुभव और आगामी दिनों में संगठन को और मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। इन समीक्षा बैठकों में जोरहाट जिला कांग्रेस नेतृत्व, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, वार्ड कमेटी के पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल आदि संगठनों के सदस्य और सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। विशेष रूप से चुनाव के दौरान सामने आई सांगठनिक ताकत और कमजोरियां, बूथ स्तर के समन्वय, जनसंपर्क अभियान और आगामी समय में पार्टी की नींव को और मजबूत करने के मुद्दों पर बैठक में गंभीरता से चर्चा की जाएगी। वहीं, जोरहाट जिला कांग्रेस के अध्यक्ष पुतुल बुढ़ागोहाईं के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव के अनुभवों के आधार पर संगठन को नए रूप में और अधिक सक्रिय व मजबूत बनाने के उद्देश्य से इन समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया है। नेतृत्व ने बताया कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के सुझाव और परामर्श के आधार पर आने वाले दिनों में और अधिक संगठित तरीके से जनता के बीच जाने की योजना भी बनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस चार दिवसीय सांगठनिक कार्यक्रम के माध्यम से जोरहाट जिला कांग्रेस जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच अधिक समन्वय, एकता और उत्साह पैदा कर आगामी राजनीतिक परिस्थितियों के लिए संगठन को और अधिक सुसंगठित व तैयार करने का प्रयास कर रही है। आज जोरहाट जिला कांग्रेस भवन में टियोक विधानसभा क्षेत्र की बैठक में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष घन बुढ़ागोहाईं, गत चुनाव की प्रत्याशी एवं जोरहाट जिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष पल्लवी सैकिया गोगोई, प्रदेश महासचिव शुभ्रमित्र गोगोई, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अविनाश गोगोई, उपाध्यक्ष मंजीत चांगमाई, जोरहाट जिला कांग्रेस के प्रशासनिक सचिव इंद्रजीत पेगु, संगठन सचिव धरणी सैकिया, असम प्रदेश कांग्रेस के ओबीसी विभाग की अध्यक्ष जया बरुआ और प्रदेश कांग्रेस की सचिव वाणी हजारिका, कृषाणु बरुआ सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

शिवसागर में शिक्षकों पर बढ़ते दबाव को लेकर शिक्षक सम्मेलन की प्रतिक्रिया

खबर संवाददाता

शिवसागर, 29 मई। शिवसागर में शिक्षकों पर बढ़ते अतिरिक्त कार्यभार और मानसिक दबाव को लेकर शिक्षक समाज में नाराजगी देखी जा रही है। शिवसागर महकमा प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन ने आरोप लगाया है कि कुछ सीआरसीसी शिक्षकों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ डाल रहे हैं, जिससे विद्यालयों में नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है। सम्मेलन के अनुसार शिक्षकों को लगातार ऑनलाइन रिपोर्ट, व्हाट्सएप संदेश और विभिन्न प्रकार की सूचनाएं भेजने के लिए बाध्य किया जा रहा है। हाल ही में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (-2020) को लेकर आयोजित ऑनलाइन परीक्षा को लेकर भी शिक्षकों में असंतोष देखा गया। सम्मेलन का कहना है कि परीक्षा के कारण छात्रों की पढ़ाई बाधित हुई। शिक्षक सम्मेलन के अध्यक्ष ब्रजेन दास ने कहा कि शिक्षकों को भय और दबाव में रखकर कार्य कराना उचित नहीं है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि जब शिक्षकों की परीक्षा ली जा रही है, तब सीआरसीसी स्वयं परीक्षा में क्यों शामिल नहीं हुए। सम्मेलन ने शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव बंद करने की मांग की है।

दुमदुमा के ऐतिहासिक नरसिंह ठाकुर बाड़ी मंदिर (राममंदिर) में भव्य प्रतिमाओं का स्वागत, जल्द होगी प्राण प्रतिष्ठा

संवाददाता

दुमदुमा, 29 मई। दुमदुमा के सबसे प्राचीन एवं पौराणिक मंदिरों मे एक कुम्हारी पट्टी स्थित श्री श्री नरसिंह ठाकुर बाड़ी में इन दिनों भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। मंदिर के नवनिर्मित भव्य स्वरूप में भगवान श्रीराम दरबार, शिव परिवार एवं भगवान गणेश की विग्रह गाजे-बाजे और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के बीच बड़हापजान स्थित काली मंदिर से दुमदुमा तक मुर्तियों की आगवानी करते हुए शहर होते हुए फुलों से सुसज्जित वाहन में नव निर्मित मंदिर तक लाया गया। मंदिर परिसर में उत्साहित भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी तथा पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। जानकारी के अनुसार, इस ऐतिहासिक मंदिर का तीसरी बार जीर्णोद्धार किया गया है। मंदिर निर्माण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है और काशी के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा शुभ मुहूर्त निर्धारण के बाद यहां विधिवत प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के इतिहास को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि सन 1889 में नगा साधुओं द्वारा इस मंदिर की स्थापना की गई थी। कहा जाता है कि नगा साधु अष्टधातु की मूर्तियों को बैलगाड़ी से लेकर दुमदुमा पहुंचे थे और इसी स्थान पर उनकी स्थापना की थी। सन 1950 के

प्रलयकारी भूकंप में मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद दुमदुमा के धर्म परायण लोगों द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया था। समय के साथ मंदिर पुनः जर्जर होने लगा, जिसके बाद दुमदुमा के धर्मप्रेमी युवाओं एवं स्थानीय श्रद्धालुओं के सहयोग से मंदिर का दुबारा नये आधुनिक रूप से भव्य निर्माण कराया गया। अब मंदिर का नया स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राजस्थान के जयपुर के मंगल दाता प्रतिष्ठान से श्री गणेश की प्रतिमा ,राम दरबार एवं भगवान विष्णु की पीतल की प्रतिमा मुरादाबाद तथा शिव परिवार की विग्रह बलिया से आगमन पर प्रतिमाओं को वैदिक मंत्रोच्चारण से स्वागत किया गया। गौरतलब हो जो नव निर्मित मंदिर में नरमेदश्वर नदी से प्रयुक्त शिवलिंग स्थापित किया जाएगा । धार्मिक मान्यता है कि नर्मदा नदी से निकली हुई पत्थर में भगवान शिव का स्वरूप मौजूद रहता है। प्रतिमाओं के आगमन के दौरान भक्ति गीत, ढोल-नगाड़ों और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं का कहना है कि इस ऐतिहासिक मंदिर के पुनर्निर्माण से दुमदुमा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को नई मजबूती मिली है। भक्तों की इन्तजार की बेला समाप्त होने की कगार पर है और बहुत जल्द इस एतिहासिक मंदिर में प्रभु के दर्शनाभिलाषी भक्तों को पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

शिवसागर में जनगणना-2027 प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन संपन्न

खबर संवाददाता

शिवसागर, 29 मई। वर्ष 2027 की जनगणना के प्रथम चरण (गृह सूचीकरण एवं गृह गणना) को लेकर शिवसागर जिला आयुक्त कार्यालय के चुकाफा सभाकक्ष में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 मई से प्रारंभ हुआ है, जिसमें जिला एवं चार्ज स्तर के जनगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जनगणना संचालनालय, असम के वरिष्ठ अधिकारियों ने अतिरिक्त प्रधान जनगणना अधिकारी, जिला जनगणना अधिकारी, चार्ज अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को जनगणना-2027 की प्रक्रिया, दायित्व तथा डिजिटल प्रणाली संबंधी जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि वर्ष 2027 की जनगणना पूर्णतः डिजिटल माध्यम से दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण के अंतर्गत 17 अगस्त 2026 से 15 सितंबर 2026 तक गृह सूचीकरण एवं गृह गणना का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में सहायक मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी नयनमणि गोगोई एवं सांख्यिकी अधिकारी अर्पण देवनाथ ने संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहकर अधिकारियों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला आयुक्त एवं जिला जनगणना अधिकारी सोनतृष्णा घरफलिया, परीस्मिता दिहिंगिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लिड़ू केंद्रीय नामघर के 59वें स्थापना दिवस का शुभारंभ 31 मई तक चलेंगे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

जागुन, 29 मई (सं)। तिनसुकिया जिले के 83 नंबर मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लिड़ू क्षेत्र इन दिनों पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा है। हरिनाम संकीर्तन, मंगल ध्वनि और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा इलाका गूंजायमान है। लिड़ू केंद्रीय नामघर में बीते कल अर्थात गुरुवार से 59वें स्थापना दिवस तथा चौथे वार्षिक भागवत पाठ कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। चार दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। सुबह से ही नामघर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों द्वारा किए जा रहे हरिनाम संकीर्तन और धार्मिक वातावरण ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। नामघर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ नामघर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तरुण गोगोई द्वारा धार्मिक ध्वज फहराकर किया गया। ध्वजारोहण के साथ ही चार दिवसीय कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। इसके बाद श्री श्री बनगांव सत्र के डेका सत्राधिकारी प्रभु प्रेम नारायण गोस्वामी ने दीप प्रज्ज्वलित कर धार्मिक आयोजन को आगे बढ़ाया। वहीं पवित्र भागवत की स्थापना नामघर के मुख्य हातोला पुष्प गोगोई तथा सह-हातोला लोकनाथ कोंवर द्वारा विधिवत रूप से संपन्न की गई। इस अवसर पर आयोजित नाम प्रसंग में नामाचार्य के रूप में प्रभु प्रेम नारायण गोस्वामी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में भक्तिमय वातावरण में नाम-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से नाम प्रसंग में भाग लेकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। दूसरी ओर मार्घेरिटा सम-जिला नामघर संयुक्त मंच के अध्यक्ष पूर्णानंद दिहिंगिया द्वारा भागवत पाठ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य पाठक के रूप में अनिल चुतिया और जीवन शइकिया उपस्थित रहे। दोनों पाठकों ने भागवत के विभिन्न प्रसंगों का पाठ कर श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति का संदेश दिया। चार दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन नाम-कीर्तन, भागवत पाठ, धार्मिक प्रवचन और सामूहिक प्रार्थना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस वर्ष कार्यक्रम को और अधिक भव्य रूप देने का प्रयास किया गया है ताकि नई पीढ़ी भी अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ सके। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण आगामी 31 मई की पवित्र रात्रि में आयोजित होने वाली पारंपरिक भाओना होगी। इस भाओना में भागवत की प्रसिद्ध कथा दधीचि मुनि का अस्थिदान और वृत्रासुर वध का मंचन किया जाएगा। भाओना को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। धार्मिक आयोजन के दौरान लिड़ू क्षेत्र पूरी तरह आध्यात्मिक माहौल में डूबा हुआ है। दूर-दूर से श्रद्धालु नामघर पहुंचकर पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में शांति, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी लोगों से इस पवित्र कार्यक्रम में शामिल होकर नाम-कीर्तन सुनने तथा धार्मिक प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है। समिति के सदस्यों ने बताया कि आगामी 31 मई तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लिड़ू क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा रहेगा।

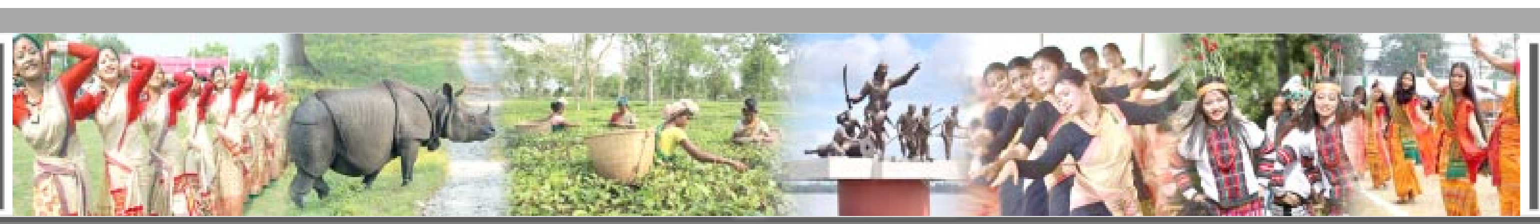

प्रातः खबर
शनिवार, 30 मई 2026

टियोक में फिर जगी एक शाम श्री श्याम संग हनुमान की अलख

सिद्ध श्याम दरबार चांडक निवास पर मोहित के भजनों ने मोहा मन

खबर संवाददाता

टियोक 29 मई। टियोक में कल शाम भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब सिद्ध श्याम दरबार चांडक निवास (कामाख्या हार्डवेयर) पर एक शाम श्री श्याम संग हनुमान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाबा श्याम एवं हनुमान जी के भक्तों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7:31 बजे बाबा के शीश की स्थापना, श्रृंगार पूजा, अभिषेक एवं अखंड ज्योत प्रज्वलन के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुई पूजा-अर्चना में यजमान के रूप में कामाख्या लाल चांडक सपरिवार विराजमान थे। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों ने भजन संध्या का शुभारंभ किया। वहीं स्थानीय प्रस्तुति के बाद आमंत्रित भजन गायक मोहित जाजू ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बाबा श्याम एवं हनुमान जी के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और भक्ति रस में डूबे नजर आए। इस अवसर पर जोरहाट, मरियानी, जांजी, शिवसागर, नकचारी, राजोई, देबरापार चारिआली, काकोजान एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी श्याम प्रेमी भक्तों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा की अखंड ज्योत में आहुति अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की। वहीं भजन संध्या के बीच श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आध्यात्मिक माहौल का आनंद लिया। कार्यक्रम के बीच आमंत्रित भजन गायक मोहित जाजू का विशेष सम्मान किया गया। कामाख्या लाल चांडक, श्याम सुंदर चांडक एवं सुरेश चांडक ने बाबा का दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया । इसके साथ ही असमिया पारंपरिक फुलाम गामोछा से वाद्य यंत्र बजाने वाले कलाकारों का भी सम्मान एवं स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनूठा वातावरण बना रहा तथा देर रात तक बाबा के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा।

गोलाघाट में पहली बार भजन जेमिंग कार्यक्रम, बुकिंग शुरू

खबर संवाददाता

गोलाघाट, 29 मई। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की गोलाघाट शाखा के टुगेदर आउट लाउड समूह के तत्वावधान में आगामी 2 जून को एक भव्य भजन जेमिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला पुस्तकालय सभागार में सायं 7 बजे से आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में युवा एवं प्रतिभाशाली गायक अश्विन और प्रकृति अपने मधुर एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। भक्ति संगीत से सजी यह संध्या उपस्थित लोगों को आध्यात्मिक आनंद, सकारात्मक ऊर्जा तथा आत्मिक शांति का विशेष अनुभव कराएगी। समिति की अध्यक्ष प्रीति जैन ने बताया कि भजन-संगीत मन को शांति प्रदान करने के साथ-साथ समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य भी करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन गोलाघाटवासियों के लिए एक यादगार संध्या सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी बताया कि गोलाघाट में इस प्रकार का आयोजन पहली बार किया जा रहा है। कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के लोग अपने परिवार एवं मित्रों के साथ शामिल होकर भक्ति और संगीत की इस अनूठी शाम का आनंद ले सकेंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति की सदस्याएं जोर-शोर से तैयारियों में जुटी हुई हैं, ताकि उपस्थित लोगों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के प्रवेश पत्र की बुकिंग प्रारंभ हो चुकी है तथा अधिकांश पास पहले ही बुक हो चुके हैं। इच्छुक व्यक्ति पास प्राप्त करने के लिए समिति की किसी भी सदस्य से संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिए 94352-33994, 94012-82532 अथवा 9435036424 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। यह जानकारी समिति की जनसंपर्क अधिकारी राजकुमारी बियानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

तिराप संरक्षित वन क्षेत्र में पुनर्वास योजना का विरोध तेज, कई गांवों में बढ़ा तनाव

संवाददाता,

जागुन, 29 मई। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा राजस्व चक्र अंतर्गत तिराप मौजा स्थित तिराप संरक्षित वन क्षेत्र में लाइका के बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रस्तावित पुनर्वास को लेकर फानेंग, केनिया और बालिजान सहित कई गांवों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। क्षेत्र में विरोध लगातार तेज होता जा रहा है और ग्रामीणों ने सरकार की इस योजना के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है। जानकारी के अनुसार डिगबोई वन मंडल के अंतर्गत लेखापानी क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय के अधीन तिराप संरक्षित वन क्षेत्र में लाइका के 334 बाढ़ प्रभावित परिवारों को पुनर्वास देने की तैयारी असम सरकार द्वारा शुरू की गई है। इसी निर्णय के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में असंतोष फैल गया है। तिराप संरक्षित वन क्षेत्र से सटे फानेंग, केनिया, बालिजान सहित पांच गांवों के लोगों का कहना है कि उनके गांव स्वतंत्रता के बाद से ही अस्तित्व में हैं और यहां विभिन्न जाति-जनजाति तथा भाषाई समुदायों के लोग वर्षों से शांतिपूर्ण वातावरण में रहते आ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र के अधिकांश लोगों की आजीविका का मुख्य साधन कृषि है और खेती-किसानी के जरिए ही लोग पीढ़ियों से अपना जीवनयापन करते आए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव तिराप नदी और तिराप संरक्षित वन क्षेत्र के बीच स्थित हैं। पहाड़ी और तेज बहाव वाली तिराप नदी के कटाव से कई परिवार पहले ही अपनी कृषि भूमि गंवा चुके हैं और अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों ने वन क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कभी भी अतिक्रमण नहीं किया तथा वर्षों से संरक्षित वन की रक्षा करते आए हैं। ऐसे में अब सरकार द्वारा लाइका के बाढ़ प्रभावित परिवारों को फानेंग, केनिया और बालिजान गांवों के समीप स्थित तिराप संरक्षित वन क्षेत्र में बसाने की योजना को ग्रामीण किसी भी स्थिति में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। विरोध को संगठित रूप देने के लिए स्थानीय लोगों ने हाल ही में बृहत्तर फानेंगकेनियाबालिजान गांव भूमि सुरक्षा समिति का गठन किया है। समिति और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुनर्वास के नाम पर पाटकाई पहाड़ के ऐतिहासिक और प्राकृतिक संपदा से भरपूर संरक्षित वन क्षेत्र को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने के बजाय अतीत में अवैध अतिक्रमण हटाकर खाली कराई गई हजारों बीघा सरकारी भूमि पर राज्य के भूमिहीन स्वदेशी भूमिपुत्र समुदाय के लोगों का पुनर्वास करना चाहिए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने गांवों के प्रवेश मार्गों पर अस्थायी शिविर स्थापित कर निगरानी शुरू कर दी है। गांववासी दिन-रात पहरा दे रहे हैं और उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि लाइका के लोगों को उक्त क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने खून देंगे, जमीन नहीं देंगे (तेज दिम, माटी निदियू) का नारा देते हुए कहा कि सरकार की यह पुनर्वास योजना उनके भूमि अधिकार, आजीविका और अस्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बलपूर्वक पुनर्वास की कोशिश की तो उसे तीव्र लोकतांत्रिक आंदोलन का सामना करना पड़ेगा। इधर, क्षेत्र में स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए प्रशासन और पुलिस ने भी निगरानी बढ़ा दी है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम को लेकर इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

डिब्रूगढ़ में साइकिल चालकों की सुरक्षा के लिए रिफ्लेक्टिव टेप अभियान शुरू

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 29 मई। डिब्रूगढ़ जिले से होकर गुजरने वाले फोर लेन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यातायात का दबाव लगातार बढ़ा है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों तथा चाय बागान इलाकों में रात के समय सड़क पार करते या सड़क पर चलते साइकिल चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की कई दुखद घटनाएं सामने आई हैं। इन्हीं बढ़ती दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए डिब्रूगढ़ जिला परिवहन विभाग ने साइकिल चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष रिफ्लेक्टिव टेप अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत साइकिलों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जा रहे हैं, जिससे अंधेरे और कम रोशनी की स्थिति में भी साइकिल चालक दूर से स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें।परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार रिफ्लेक्टिव टेप वाहन की हेडलाइट पड़ते ही चमकने लगते हैं, जिससे तेज गति से आने वाले वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद साइकिल सवारों का समय रहते पता चल जाता है। इससे दुर्घटनाओं की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। विभाग का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों और चाय बागान क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग दैनिक आवागमन के लिए साइकिल का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह पहल सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। अधिकारियों ने लोगों से भी अपील की है कि वे अपनी साइकिलों पर रिफ्लेक्टिव टेप अवश्य लगवाएं और यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें। यह अभियान सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ साइकिल चालकों के जीवन की रक्षा करने की दिशा में जिला परिवहन विभाग का एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

पर्यावरण विनाश के खिलाफ स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

मोरानहाट, 29 मई (सं) । मोरान के तिलै क्षेत्र में पर्यावरण विनाश के खिलाफ स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। स्वामी विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यालय परिसर के बाहर स्थित लगभग 70 वर्ष पुराने पेड़ों को काटे जाने के विरोध में स्थानीय युवकों और क्षेत्रवासियों ने पेड़ों के ठूंठ पर बैनर-पोस्टर लगाकर विरोध प्रदर्शन किया । प्रदर्शनकारियों ने हमें न्याय चाहिए और स्वामी विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय ने हमें मार डाला जैसे नारों वाले पोस्टर लगाकर विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार, गत 26 मई को विद्यालय प्रबंधन ने वन विभाग की अनुमति के बिना कई पुराने और बहुमूल्य पेड़ों को कटवा दिया। साथ ही, कटे हुए लकड़ी को पास के एक आरा मिल में अवैध रूप से बेचने का भी आरोप लगाया गया है। एक शिक्षण संस्थान द्वारा इस प्रकार प्रकृति को नुकसान पहुंचाए जाने पर स्थानीय लोगों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। स्थानीय लोगों की शिकायत के आधार पर वन विभाग ने लकड़ी को जब्त कर संबंधित आरा मिल को सील कर दिया है, लेकिन मुख्य आरोपी की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द दोषियों को उचित सजा नहीं दी गई, तो तिलै क्षेत्र के लोग एकजुट होकर व्यापक आंदोलन शुरू करेंगे।

रंगिया सिविल अस्पताल में फिर से चोरी की घटना

रंगिया, 29 मई (नि.सं)। रंगिया के राजकीय चिकित्सालय में पुनः चोरी की घटना होने की जानकारी प्रकाश में आयी है। इस बार चोरों की नजर एसी से जुड़े इस्तेमाल किये गये तारों पर पड़ी। तार चोरी होने के बाद जबसे अस्पताल प्रबंधन को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद से अस्पताल में ऑपरेशन का कार्य प्रभावित हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही रंगिया के गैर-राजनीतिक संगठन नागरिक मंच का एक प्रतिनिधिमंडल अस्पताल पहुंचा और इस विषय पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के साथ-साथ अस्पताल प्रशासन से बातचीत की। उल्लेखनीय है कि रंगिया सिविल अस्पताल में इस तरह की चोरी की घटनाएं लगातार होती रही हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा कई बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। इस बार भी घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस के पास लिखित शिकायत दर्ज करायी है। अस्पताल प्रबंधन और नागरिक मंच के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने और अधिक गंभीरता से पेट्रोलिंग करने की मांग की है। साथ ही अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया गया है।

जागृति महिला मंच का संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ कल

खबर संवाददाता

जोरहाट 29 मई। नगर में महिलाओं की अग्रणी और सर्वाधिक पुरानी संस्था जागृति महिला मंच आगामी 31 मई, रविवार को संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन करने जा रही है। रविवार को अपराह्न सवा तीन बजे से मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी स्थित अग्रसेन मिलन मंदिर में महिलाओं द्वारा बालाजी के इस सिद्ध स्रोत का पाठ होगा। मंच की अध्यक्ष ममता गिनोड़िया, सचिव पुष्पा झंवर और कोषाध्यक्ष सीता अग्रवाल ने सभी महिलाओं से पाठ में शामिल होने का अनुरोध किया है।

तिनसुकिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अल्फा स्वाधीन के सदस्य भर्ती अभियान का पर्दाफाश, तीन युवक गिरफ्तार

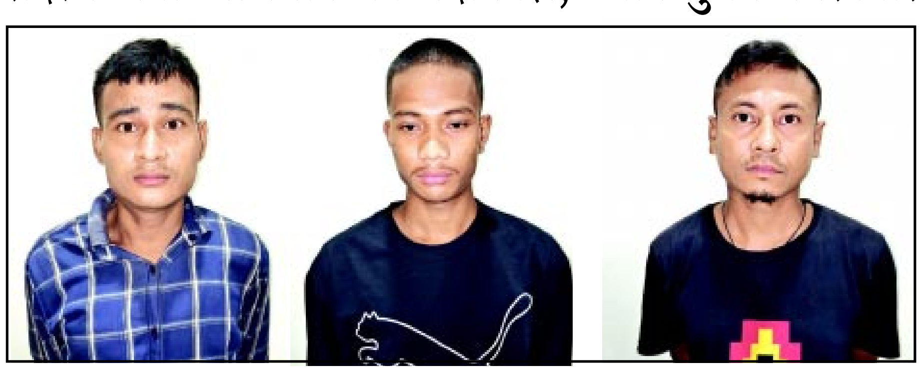

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 29 मई। तिनसुकिया पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन अल्फा स्वाधीन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। जिसमे अल्फा स्वाधीन के सदस्य भर्ती अभियान का भंडाफोड़ किये जाने का दावा करते हुये तिनसुकिया पुलिस द्वारा तीन युवकों पकड़ा गया है।जो प्रतिबंधित संगठन अल्फा स्वाधीन शामिल होने की योजना बना रहे थे। तिनसुकिया पुलिस द्वारा जिन तीन युवकों को पकड़ा गया है,उनकी पहचान तिनसुकिया जिले के पेंगरी थाना अंतर्गत 2 नंबर टेकेरी गांव निवासी अंतु मोरान,2 नंबर नलनी गांव निवासी विजय मोरान तथा 2 नंबर टेकेरी गांव निवासी न्यूटन मोरान के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार,तीनों युवक अल्फा स्वाधीन में जाने की फिराक में थे,पर समय रहते तिनसुकिया पुलिस ने इन युवकों को तिनसुकिया जिले के लेखापानी थाना अंतर्गत क्षेत्र से पकड़ा है।एक गुप्त सूचना के आधार पर तिनसुकिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों को पकड़ा है।फिलहाल पुलिस तीनों से लगातार पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य लोगों तथा नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान 2026 को लेकर तिनसुकिया टास्क फोर्स की पहली बैठक संपन्न

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 29 मई। विश्व के कई स्थान पर पोलियो रोगीयो की पहचान होने के कारण केंद्र सरकार के निर्देशानुसार पूरे देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ तिनसुकिया जिले में भी आगामी 28 जून से आरंभ होने वाले राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान 2026 को लेकर तिनसुकिया टास्क फोर्स की पहली बैठक आज तिनसुकिया जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में अतिरिक्त आयुक्त(स्वास्थ्य)डॉ मंदिरा बरुआ की अध्यक्षता में संपन्न हुई।इस बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.आसमा गजनवी ने 28 जून से आरंभ होने वाले इस राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान 2026 के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से की जा रही तैयारी तैयारी के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।इस अभियान के अंतर्गत तिनसुकिया जिला में शून्य से 5 वर्ष के 1,78,627 शिशुओ को पोलियो प्रतिरोध सेवन कर कराया जाएगा। भारत को संपूर्ण रूप से पोलियो मुक्त देश के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य के साथ भारत सरकार ने एक शिशु इस पोलियो प्रतिरोध के लाभ से वंचित न हो सके इसको लेकर विशेष कार्यक्रम ग्रहण किया है।28 जून से 30 जून तक चलने वाले इस राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर पोलियो प्रतिरोध प्रदान करने के साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र विद्यालय और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर शिशुओं को पोलियो प्रतिरोध प्रदान करने की व्यवस्था ग्रहण करेंगे।जिला स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों को आह्वान किया है कि वह बिना किसी अंधविश्वास के अपने बच्चों को पोलियो की प्रतिरोधक प्रदान कराये।वही दूसरी ओर शिक्षा,श्रम, परिवहन, समाज कल्याण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को भी टीकाकरण की इस विशेष अभियान को सफलता बनाने का आह्वान किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिले के समाज कल्याण विभाग, श्रम,शिक्षा, परिवहन इत्यादि विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रत्येक स्वास्थ्यखंडों के अन्तर्गत पोलियो प्रतिरोधक प्रदान करने का अभियान चलाया जाएगा।आज के इस बैठक में जिला स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ मीनाक्षी हजारिका सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी,कर्मचारी और जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी तथा प्रतिनिधि उपस्थित थे।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

विधायक पुलक गोहाई ने तिनसुकिया नगरपालिका के पदेन सदस्य के रूप में शपथग्रहण किया

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 29 मई। तिनसुकिया के नवनिर्वाचित विधायक पुलक गोहाई ने शुक्रवार को तिनसुकिया नगरपालिका के पदेन सदस्य के रूप में शपथग्रहण किया।तिनसुकिया नगरपालिका कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित गरिमामय समारोह में जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने उन्हें शपथ दिलाई। समारोह के दौरान विधायक पुलक गोहाई का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर जिला आयुक्त सुमित सत्तावन के उपस्थिति के अलावे तिनसुकिया नगरपालिका के अध्यक्ष पुलक चेतिया,उपाध्यक्षा इंद्रा रॉय,तिनसुकिया जिला परिषद के अध्यक्ष भदेश्वर मोरान,नगरपालिका के कार्यकारी अधिकारी डॉ.नयन ज्योति नाथ,तिनसुकिया जिला भाजपा अध्यक्ष कुशकान्त बोरा,तिनसुकिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष काजल गोहाई,असम हाइड्रो कार्बन एंड एनर्जी लिमिटेड के उपाध्यक्ष शिवजी दुबे सहित नगरपालिका के सभी पार्षद,कर्मचारी,पूर्व पार्षद एवं कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के बाद विधायक पुलक गोहाई ने तिनसुकिया शहर के समग्र विकास,स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने,आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया।उन्होंने कहा कि नगरपालिका एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर शहर के विकास को नई गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि तिनसुकिया को स्वच्छ,सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है और सामूहिक प्रयासों से ही शहर को विकास के नए आयाम तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि शहर को सुव्यवस्थित एवं श्रृंखलाबद्ध स्वरूप देने के लिए आवश्यक होने पर कठोर कदम भी उठाए जाएंगे। वहीं नगरपालिका अध्यक्ष पुलक चेतिया ने भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में तिनसुकिया को स्वच्छ, सुंदर एवं आधुनिक शहर बनाने के लिए तेज गति से कार्य किए जाएंगे। समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विधायक पुलक गोहाई को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए नगर विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों में सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। शपथ ग्रहण समारोह के उपरांत विधायक पुलक गोहाई ने तिनसुकिया नगरपालिका कार्यालय भवन में नवस्थापित लिफ्ट का उद्घाटन किया।यह सुविधा विशेष रूप से बुजुर्गों,महिलाओं एवं आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जिससे कार्यालय आने-जाने में लोगों को काफी राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने तिनसुकिया नगरपालिका के अन्तर्गत विभिन्न सड़को और नालों के निर्माण की नींव रही।इसके साथ ही नगरपालिका की दो नई सफाई गाड़ियों का भी शुभ उद्घाटन कर स्वच्छता अभियान को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान तिनसुकिया के विकास,स्वच्छता एवं आधुनिक नगर निर्माण को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला।